kanwhizztimes
@kanwhizztimes
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स

सिर्फ सच

वर्ष-14 | अंक-140 | रविवार, 22 जून 2025 | नगर संस्करण | लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित | मूल्य- ₹ 3.00 | पृष्ठ-12

भारत की पहल पर योग से विश्व समुदाय का सम्मान बढ़ा है। दुनिया भर के लोग इससे लाभान्वित हो रहे हैं। योग अभ्यास से समस्त विश्व के लोग स्वस्थ और प्रसन्न रहेंगे। — द्रौपदी मुर्मु

भारतीय धरती पर आतंकी हमला हुआ तो सुन लो 'खैर नहीं' 11

आठ देशों के डेलिगेट्स के साथ धामी ने किया योग 12

संक्षेप

उत्तराखंड में 10 जुलाई को होंगे पंचायत चुनाव

देहरादून। उत्तराखंड में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 10 जुलाई को आयोजित किए जाएंगे। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उत्तराखंड के निर्वाचन आयुक्त सुशील कुमार ने पंचायत चुनाव की अधिसूचना जारी करते हुए बताया कि मतदान 10 जुलाई को होगा और 19 जुलाई को मतगणना की जाएगी। कुमार ने कहा कि चुनाव के लिए नामांकन 25 जून से शुरू होंगे और नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 28 जून होगी। नामांकन पत्रों की जांच 29 जून से एक जुलाई तक की जाएगी तथा तीन जुलाई को चुनाव चिह्न आवंटित किये जायेंगे। राज्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि पंचायत चुनाव की अधिसूचना जारी होने के साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है और जब तक चुनाव परिणाम घोषित नहीं कर दिए जाते, यह तब तक लागू रहेगी। उत्तराखंड के 12 जिलों में पंचायत चुनाव होने हैं।

'सुप्रीम कोर्ट की इमारत की मूल भव्यता बनाये रखने के लिए शीशे हटाये'

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय की इमारत की मूल भव्यता और अन्य व्यवस्था सुलभ बनाने के मद्देनजर न्यायालय कक्षों के सामने लगे शीशे हटाने का फैसला पूर्ण न्यायालय ने लिया था। शीर्ष अदालत की ओर से शनिवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि शीर्ष अदालत ने बार एसोसिएशनों के सुझाव पर हर पहलू से विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया। विज्ञप्ति में कहा गया कि पूर्ण अदालत ने न्यायालय कक्ष संख्या एक से पांच के सामने लगाए गए शीशे (ग्लास ग्लेज़िंग) के संबंध में सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) और सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स-ऑन-रिकॉर्ड एसोसिएशन (एससीएओआरए) के सुझाव पर गौर किया। विज्ञप्ति में कहा गया, मूल भव्यता, दृश्यता, खूबसूरती और न्यायालय कक्ष तक आवाजाही संबंधी चिंताओं को लेकर उठाए गए मुद्दों पर सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद यह निर्णय लिया। गौरतलब है कि पिछले वर्ष तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ के कार्यकाल के दौरान केंद्रीकृत एयरकंडीशन की व्यवस्था के उद्देश्य से शीशे के पैनल लगाए गए थे।

ट्रेनिंग के बाद हर थाने को मिलेंगे 25 अतिरिक्त सिपाही

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 60,244 नव नियुक्त सिपाहियों का प्रशिक्षण आगामी 13 महीनों में पूरा होने जा रहा है। डीजीपी राजीव कृष्ण ने कहा कि प्रशिक्षण खत्म होते ही हर थाने में 25 अतिरिक्त सिपाही तैनात किए जाएंगे। ये गेम चेंजर साबित होगा। नवनियुक्त आरक्षियों की अगले 30-40 साल तक प्रदेश पुलिस के साथ समाज के भविष्य में निर्णायक भूमिका होगी, लिहाजा यह जरूरी है कि सभी एसपी/एसएसपी, कमांडेंट एवं प्रशिक्षण से जुड़े सभी अधिकारी पूर्ण मनोयोग से प्रशिक्षण में रुचि लें।

तनाव की स्थिति में योग दिखाता है शांति की राह : नरेंद्र मोदी

एजेंसी

विशाखापत्तनम। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि दुनिया भर में तनाव की स्थिति से अशांति तथा अस्थिरता बढ़ रही है और ऐसे में योग ही हमें शांति का रास्ता दिखाता है।

श्री मोदी ने यहां 11 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर राष्ट्रीय योगाभ्यास कार्यक्रम में हिस्सा लेने के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी को शांत, संतुलित और सतत विकास की ओर अग्रसर विश्व के निर्माण की दिशा में बढना चाहिए। योग ही विश्व में टकराव की जगह सहयोग और तनाव की जगह समाधान की ओर ले जा सकता है। प्रधानमंत्री का यह वक्तव्य रूस-यूक्रेन और ईरान- इजरायल युद्ध के चलते विभिन्न देशों में पैदा हुए टकराव को देखते हुए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से आज पूरी दुनिया किसी न किसी तनाव से गुजर रही है। कितने ही क्षेत्रों में अशांति और अस्थिरता बढ़ रही है। ऐसे में योग से हमें शांति की दिशा मिलती है। मैं विश्व समुदाय से आज के इस महत्वपूर्ण अवसर पर एक आग्रह करूंगा। आज के इस दिन से मानवता के लिए एक बार फिर नयी शुरूआत होनी चाहिए। योग सिर्फ व्यक्तिगत अभ्यास न रहे, बल्कि वैश्विक साझेदारी का माध्यम बने। सभी देश, हर समाज, योग को जीवनशैली और लोकनीति का हिस्सा बनाए। हम मिलकर एक शांत, संतुलित और सतत विश्व को गति

दें। योग ही विश्व को टकराव से सहयोग, और तनाव से समाधान की ओर ले जाएगा। योग को जीवन का सार बताते हुए कहा कि ' मैं से हम' का भाव ही भारत की आत्मा का सार है। जब व्यक्ति अपने हित से ऊपर उठकर समाज की सोचता है, तभी पूरी मानवता का हित होता है। उन्होंने कहा , ल्ल भारत की संस्कृति हमें सिखाती है, सर्वे भवन्तु सुखिन, यानी सभी का कल्याण ही मेरा कर्तव्य है। 'मैं' से 'हम' की ये यात्रा ही सेवा, समर्पण और सह-अस्तित्व का आधार है। यही सोच सामाजिक समरसता को बढ़ावा देती है। श्री मोदी ने योग को जन आंदोलन बनाने की अपील करते हुये कहा आईये हम सब मिलकर योग को एक जन आंदोलन बनाये एक ऐसा आंदोलन जो विश्व को शांति, स्वास्थ्य और समरसता की ओर से ले जाये जहां हर व्यक्ति दिन की शुरुआत योग से करे और जीवन में संतुलन पाये। जहां हर समाज योग से जुड़े और तनाव से मुक्त हो जहां योग मानवता को एक सूत्र में पिराने का माध्यम बने और जहां योग फॉर वनअर्थ, वन हैल्थ (एक धरती एक स्वास्थ्य के लिए योग)एक वैश्विक संकल्प बन जाये। प्रधानमंत्री ने योग को पूरी दुनिया के लिए शांति, समरसता और स्वास्थ्य का आंदोलन बनाने का आह्वान किया और कहा कि भारत विश्व भर में योग के प्रचार प्रसार के लिए इसमे निहित विज्ञान को आधुनिक अनुसंधान के माध्यम से आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि योग को आधुनिक चिकित्सा पद्धति में स्थान दिलाने का प्रयास चल रह है। प्रधानमंत्री ने कहा ल्ल राष्ट्रीय आयुर्वेद मिशन के जरिए भी योग और वेलनेश के मंत्र को आगे बढ़ाया जा रहा है और इसमें डिजिटल प्राद्योगिकी की भी मदद ली गयी है। उन्होंने कहा कि योग का सरल अर्थ होता है ● शेष पेज 11 पर

देश-विदेश में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर पूरे मनोयोग से किया गया योगाभ्यास

नयी दिल्ली। देश और विदेश में शनिवार को पूरे मनोयोग के साथ 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के हमारे प्रस्ताव के साथ आज 175 देश खड़े है और योग आज करोड़ों लोगों की जीवन शैली बन चुका है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कई केन्द्रीय मंत्रियों ने योगाभ्यास किया। श्रीमती मुर्मु ने उत्तराखंड के देहरादून स्थित पुलिस लाइन में योगाभ्यास किया और कामना की कि योग के प्रयोग से समस्त विश्व के निवासी स्वस्थ और प्रसन्न रहेंगे। उन्होंने कहा कि योग ● शेष पेज 11 पर

योग से भारत ने विश्व कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया : योगी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि योग भारतीय मनीषा की अनुपम देन है और योग को लोक कल्याण का माध्यम बनाकर भारत ने विश्व कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया यही वजह है कि आज 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के करीब 190 देश भारतीय योग की विरासत के साथ जुड़कर गौरवान्वित हो रहे हैं।

योगी 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर शनिवार सुबह गोरखपुर स्थित गोरखनाथ मंदिर में योगाभ्यास करने के पूर्वयोग साधकों, प्रशिक्षुओं को संबोधित किया और प्रदेशवासियों को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की बधाई दी। मंदिर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि योग भारत की ऋषि परंपरा का ऐसा मंत्र है जो स्वस्थ काया के साथ स्वस्थ मस्तिष्क भी उपलब्ध कराता है। भारतीय मनीषा ने योग के महत्व को प्राचीनकाल से ही विस्तृतरूप से अवगत कराते हुए कहा है ' शरीरमाद्यं खलु धर्म साधनम् ' शरीर ही धर्म के पालन का साधन है। उन्होंने कहा कि मानव जीवन के चारों पुरुषार्थ धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की प्राप्ति स्वस्थ शरीर से ही संभव है। स्वस्थ शरीर ही संसार सांसारिक उत्कर्ष और आध्यात्मिक उन्नयन का माध्यम है। धनोपार्जन से लोक कल्याण हो, कामनाओं की पूर्ति हो या फिर मुक्ति का मार्ग, इन सबके लिए स्वस्थ शरीर ही माध्यम है। उन्होंने कहा कि धर्म पालन का साधन बनाने और चारों पुरुषार्थ की प्राप्ति के लिए शरीर को स्वस्थ रखने का कार्य योग से

होता है। इसी योग को भारती ने लोक कल्याण कामाध्यम बनाया और फिर इसके जरिये विश्व कल्याण का मार्ग भी प्रशस्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज योग के अलग.अलग आयाम देखने को मिलते हैं। भारतीय मनीषा ने योग के माध्यम से चेतना के उच्च आयाम से दुनिया को अवगत कराया। व्यक्तित्व विकास से लेकर ब्रह्मांड के रहस्यों को उद्घाटित करने तक योग केसमृद्ध ज्ञान को विरासत के रूप में वेदों, उपनिषदों, पुराणों, स्मृतियों और शास्त्रों में प्रस्तुत किया। योगी ने कहा कि योग की प्राचीन भारतीय परंपरा को आधुनिक युग में आगे बढ़ने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को है। ऐसे दौर में जब बाहरी लोग योग के आसनों को पेटेंट कराने लगे थे और भारत अपनी विरासत से वंचित हो रहा थाए तब प्रधानमंत्रीनरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र संघ में पहल कर योग को वैश्विक मान्यता दिलाई। श्री मोदी के ही प्रयास से 21 जून 2015 सेअंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने की शुरुआत हुई। आज भारत ही नहीं, दुनिया के 190 देश योग दिवस से जुड़े ● शेष पेज 11 पर

26 जून को होगा इंटरनेशनल फिल्म सिटी का शिलान्यास

एजेंसी/कैनविज टाइम्स संवाददाता

- 18 महीने में बनकर तैयार होगी फिल्म सिटी पहले चरण में फिल्म स्टूडियो और साउंड स्टेजेस होंगे बनकर तैयार
- यीडा ने पिछले हफ्ते ही लेआउट प्लान को दी है मंजूरी, बेव्यू भूटानी फिल्म सिटी ने शुरू की तैयारी

ग्रेटर नोएडा/लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट इंटरनेशनल फिल्म सिटी का सपना अब साकार होने जा रहा है। 26 जून को शाम 5 बजे फिल्म सिटी का शिलान्यास होगा। इसके बाद वर्ल्ड क्लास फिल्म सिटी का निर्माण कार्य होगा। पहले चरण 18 महीने में पूरा होगा। इस इंटरनेशनल फिल्म सिटी को बॉलीवुड के प्रसिद्ध निर्माता बोनी कपूर और भूटानी ग्रुप के कंसोर्सियम बेव्यू भूटानी फिल्म सिटी द्वारा यीडा के सेक्टर 21 में निर्मित किया जाएगा।

बोनी कपूर का कहना है कि पहले चरण में स्टूडियोज के साथ साउंड स्टेजेस का निर्माण कर लिया जाएगा और यहां फिल्मों की शूटिंग भी शुरू हो जाएगी। लेआउट प्लान को मिल चुकी है मंजूरी बेव्यू भूटानी फिल्म सिटी के महाप्रबंधक राजीव अरोड़ा ने बताया कि यमुना प्राधिकरण ने बीते सोमवार को फिल्म सिटी के पहले चरण के लेआउट प्लान को मंजूरी दे दी थी। इसके बाद 26 जून को फिल्म सिटी के औपचारिक शिलान्यास का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि फिल्म सिटी के पहले फ़ेज में फिल्म स्टूडियो और फिल्म से जुड़ी अन्य गतिविधियों के केंद्र का विकास होगा। इसके साथ ही, पोस्ट-प्रोडक्शन यूनिट सहित रनवे, हेलीपेड, संसद भवन जैसी गैलरी, समुद्र, चारधाम और सौर ऊर्जा आधारित लोकेशनों पर सेट तैयार होंगे। गौरतलब है कि पहले फ़ेज में करीब 75 एकड़ में परियोजना प्रस्तावित है। लाखों रोजगार के अवसर होंगे सृजित इंटरनेशनल फिल्म ● शेष पेज 11 पर

फ्लाइट में फ्यूल कम था, पायलट ने मेडे कॉल की

नई दिल्ली। अहमदाबाद प्लेन हादसे के करीब एक हफ्ते बाद एक और फ्लाइट के पायलट ने मेडे कॉल किया था। इंडिगो की गुवाहाटी-चेन्नई फ्लाइट के पायलट ने यह इमरजेंसी कॉल किया था। जानकारी शनिवार को सामने आई है। घटना 19 जून की है।

पायलट ने विमान में फ्यूल की काफी कमी देखी थी, इसके बाद उसने इट्ठए (एयर ट्रैफिक कंट्रोल) को मेडे यानी इमरजेंसी कॉल की थी। हालांकि, इस फ्लाइट की तुरंत बेंगलुरु एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। अहमदाबाद में 12 जून को हुए प्लेन क्रैश हादसे में यात्रियों समेत कुल 270 लोग मारे गए थे। लंदन जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट AI-171 उड़ान भरने के तुरंत बाद क्रैश हो गई थी। प्लेन टेकऑफ के कुछ सेकेंड बाद मेडिकल कॉलेज हॉस्टल से टकराया था। इस हादसे में भी पायलट ने मेडे कॉल की थी। इंडिगो फ्लाइट में फ्यूल पर्याप्त नहीं था बेंगलुरु एयरपोर्ट के अधिकारियों ने न्यूज एजेंसी को बताया कि ● शेष पेज 11 पर

एअर इंडिया के तीन अफसरों को हटाने का आदेश

एजेंसी

- डीजीसीए ने एयर इंडिया के खिलाफ उठाया सख्त कदम, एयरलाइन से 10 दिन में रिपोर्ट मांगी

नयी दिल्ली। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयर इंडिया के खिलाफ चालक दल के सदस्यों (क्रू मेंबरों) की ड्यूटी अनुक्रम में नियमों का जानबूझकर उल्लंघन करने पर कार्रवाई करते हुए तीन वरिष्ठ अधिकारियों को सेवा से हटाने का आदेश दिया है।

शुक्रवार को हस्ताक्षरित आदेश में डीजीसीए ने जिन तीन वरिष्ठ अधिकारियों को हटाने के निर्देश दिए हैं, उनमें डिवीजनल वाइस प्रेसिडेंट श्री चूड़ा सिंह, ऑपरेशंस डायरेक्टोरेट में क्रू शेड्यूलिंग से जुड़ी सुश्री पिंकी मित्तल और क्रू शेड्यूलिंग-प्लानिंग की सुश्री पायल अरोड़ा शामिल हैं। आदेश पत्र में कहा गया है कि तीनों अधिकारियों ने नियमों के खिलाफ चालक दल का संयोजन बनाने के साथ ही लाइसेंस तथा रेसेंसी नियमों का उल्लंघन किया है। डीजीसीए ने माना है कि तीनों

अधिकारियों ने इस विषय में बार-बार और गंभीर गलतियां की हैं। आदेश पत्र में कहा गया कि लाइसेंसिंग, आराम और रीसेंसी आवश्यकताओं में चूक के बावजूद फ्लाइट क्रू को शेड्यूल और संचालित करने के संबंध में एयर इंडिया द्वारा बार-बार मनमानी और नियमों के गंभीर उल्लंघनों का खुलासा किया गया। इन उल्लंघनों का पता विमानन संसाधन प्रबंधन प्रणाली से सीएई फ्लाइट और क्रू मैनेजमेंट सिस्टम की समीक्षा के दौरान चला।

डीजीसीए ने कहा कि क्रू शेड्यूलिंग, अनुपालन निगरानी और आंतरिक जवाबदेही में एयर इंडिया की प्रणालीगत विफलताओं की ओर इशारा करते हैं। विशेष चिंता की बात यह है कि इन परिचालन चूकों के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार तीनों प्रमुख अधिकारियों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक उपाय नहीं किए गए हैं। ये अधिकारी गंभीर और बार-बार की गई चूकों में शामिल रहे हैं। डीजीसीए ने तीनों अधिकारियों को अनधिकृत और गैर-अनुपालन क्रू पेयरिंग करने, अनिवार्य लाइसेंसिंग और रीसेंसी मानदंडों का उल्लंघन करने तथा शेड्यूलिंग प्रोटोकॉल और निरीक्षण में प्रणालीगत विफलता के लिए जिम्मेदार ठहराया है। डीजीसीए ने कहा कि एयर इंडिया को तत्काल प्रभाव से निर्देश दिया जाता है कि वह इन तीनों अधिकारियों को क्रू शेड्यूलिंग और रोस्टरिंग से संबंधित सभी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों से हटा दे। इन अधिकारियों के ● शेष पेज 11 पर

'मतदान केंद्र की वेबकास्टिंग सार्वजनिक करने से मतदाताओं को हो सकता है खतरा'

एजेंसी

नयी दिल्ली। चुनाव आयोग के अधिकारियों ने मतदान के दिन मतदान केंद्रों की वेब-कास्टिंग के रिकार्ड को किसी व्यक्ति या राजनीतिक दलों को उपलब्ध कराये जाने की मांग को मतदाताओं की निजता की दृष्टि से एक जोखिम भरा मुद्दा बताया है और कहा है कि इसका उपयोग असामाजिक तत्वों द्वारा मतदाताओं पर दबाव डालने के लिए किया जा सकता है।

आयोग के सूत्रों ने कहा कि भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने मतदान की वेबकास्टिंग की नयी व्यवस्था आंतरिक उपयोग के लिए की है। इसका उद्देश्य मतदान केंद्र की गतिविधियों के प्रबंध को सुचारु रखना है। वेबकास्टिंग के रिकार्ड को किसी चुनाव आयोग के संदर्भ में उच्च न्यायालय के निर्देश पर तो न्यायालय के विचाराधीन प्रस्तुत किया जा सकता है, लेकिन उसे किसी व्यक्ति या राजनीतिक दल को देना स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव की

भावना के विरुद्ध होगा। आयोग के एक सूत्र ने कहा, आयोग के लिए मतदाताओं की निजता की रक्षा करना और मतदान की गोपनीयता बनाये रखना कानूनी बाध्यता है और आयोग इसके लिए प्रतिबद्ध है। इसलिए मतदान केंद्र की वीडिया फुटेज किसी व्यक्ति, उम्मीदवार या गैर सरकारी संगठन और तीसरे पक्ष को मतदाताओं की स्पष्ट सहमति के बिना नहीं दी जा सकती है। बेवकास्टिंग मूलतः मतदान के दिन की गतिविधियों और अपने आंतरिक कार्यों के बंदोबस्त में इस्तेमाल के लिए होती है। लेकिन आयोग किसी सक्षम न्यायालय अर्थात उच्च न्यायलय में चुनाव को चुनौती देने के लिए दायर ● शेष पेज 11 पर

सोनिया गांधी ने इज़राइल-ईरान संघर्ष पर जताई चिंता

मोदी सरकार ने पश्चिम एशिया पर भारत के सैद्धांतिक रुख को त्यागा

एजेंसी

- इजराइल के हमलों पर सरकार को मजबूती से बोलना चाहिए, अभी देर नहीं हुई
- भारत की विदेश नीति में नैतिक विचलन की ओर इशारा, ट्रम्प और नेतन्याहू की नीतियों की आलोचना

नई दिल्ली। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने इजरायल और ईरान के बीच चल रही जंग को लेकर एक अंग्रेजी अखबार में लेख लिखा है। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने गाजा की स्थिति और इजराइल-ईरान सैन्य संघर्ष पर चुप्पी साधते हुए भारत के नैतिक और पारंपरिक रुख से दूरी बना ली है तथा मूल्यों को भी ताक पर रख दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार को बोलना चाहिए और पश्चिम एशिया में संवाद को प्रोत्साहित करने के लिए उपलब्ध हर राजनयिक माध्यम का उपयोग करना चाहिए।

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष ने अंग्रेजी दैनिक 'द हिन्दू' में लिखे एक लेख में आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने इजराइल और फलस्तीन के रूप में दो राष्ट्र वाले समाधान से जुड़े भारत के सैद्धांतिक रुख को त्याग दिया है। सोनिया गांधी ने लेख में कहा, ईरान भारत का लंबे समय से मित्र रहा है और गहरे सभ्यतागत संबंधों से हमारे साथ जुड़ा हुआ है। इसका जम्मू-कश्मीर समेत महत्वपूर्ण मौकों पर दृढ़ समर्थन का इतिहास रहा है। उन्होंने उल्लेख किया कि वर्ष 1994 में ईरान ने कश्मीर मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग में भारत की आलोचना करने वाले एक प्रस्ताव को रोकने में मदद की थी। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष ने कहा, वास्तव में, इस्लामी गणतंत्र ईरान अपने पूर्ववर्ती, ईरान के उस शाही राज्य की तुलना में भारत के साथ कहीं अधिक सहयोगी रहा है, जिसका झुकाव 1965 और 1971 के युद्धों में पाकिस्तान की ओर था।

उन्होंने यह भी कहा, भारत और इजराइल

ने हाल के दशकों में रणनीतिक संबंध भी विकसित किए हैं। यह अद्वितीय स्थिति हमारे देश को तनाव कम करने और शांति के लिए एक सेतु के रूप में कार्य करने की नैतिक जिम्मेदारी और राजनयिक अवसर देती है। उनके अनुसार, लाखों भारतीय नागरिक पूरे पश्चिम एशिया में रह रहे हैं और काम कर रहे हैं, जो इस क्षेत्र में शांति को महत्वपूर्ण राष्ट्रीय हित का मुद्दा बनाता है। सोनिया गांधी ने कहा कि ईरान के ख़िलाफ़ इजराइल की हालिया कार्रवाई शक्तिशाली पश्चिमी देशों के लगभग बिना शर्त समर्थन से संभव हुई है। उन्होंने लेख में लिखा, भारत ने 7 अक्टूबर, 2023 को हमास द्वारा किए गए बिल्कुल भयावह और पूरी तरह से अस्वीकार्य हमलों की स्पष्ट रूप से निंदा की थी। हम इज़राइल की असंगत प्रतिक्रिया को लेकर चुप नहीं रह सकते। 55,000 से अधिक फ़लस्तीनी अपनी जान गंवा चुके हैं। पूरे परिवार, पड़ोस और यहां तक कि अस्पताल भी नष्ट कर दिए गए हैं। गाजा अकाल के कगार पर खड़ा है, और इसकी नागरिक आबादी को अकथनीय कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है।

कांग्रेस की प्रमुख नेता ने दावा किया कि इस मानवीय त्रासदी के सामने नरेन्द्र मोदी सरकार ने दो राष्ट्र वाले समाधान के लिए भारत की दीर्घकालिक और सैद्धांतिक प्रतिबद्धता को पूरी तरह से त्याग दिया है, जो एक ऐसे संप्रभु, स्वतंत्र फलस्तीन की कल्पना करता है जो पारस्परिक सुरक्षा और सम्मान के साथ इजराइल के साथ रहे। उन्होंने आरोप लगाया, गाजा में तबाही और अब ईरान के खिलाफ अकारण कार्रवाई पर नई दिल्ली की चुप्पी हमारी नैतिक और कूटनीतिक परंपराओं से अलग होने का द्योतक है। यह न केवल आवाज का खोना नहीं, बल्कि मूल्यों को ताक पर रखना है।

सोनिया गांधी ने कहा, अभी भी देर नहीं हुई है। भारत को स्पष्ट रूप से बोलना चाहिए, जिम्मेदारी से कार्य करना चाहिए और तनाव कम करने और पश्चिम एशिया में बातचीत को बढ़ावा देने के लिए उपलब्ध हर राजनयिक माध्यम का उपयोग करना चाहिए।

अधिवक्ताओं ने जन सुनवाई सभागार में फरियादियों को अंदर जाने से रोका तो एसडीएम ने बाहर बैठकर की सुनवाई

प्रयागराज के कोरांव तहसील का मामला

एसडीएम एसीपी ने स्थानीय पुलिस सुरक्षा के बिच फरियादियों की सुनी फरियाद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कोरांव (प्रयागराज) शनिवार को एसडीएम कोरांव आकांक्षा सिंह की अध्यक्षता मे संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजित हुआ जिसमे समस्त विभाग से मिलाकर 35 शिकायते आई जिसमे 03 का निस्तारण एसडीएम ने संबधित को मौके पर भेजकर कराया शेष शिकायतों को मौके पर जाकर सत्यता निष्पक्षता के साथ गुणवक्ता पूर्वक समय से निस्तारण करने का आदेश दिया बता दे की जैसे ही समाधान दिवस सभागार मे एसडीएम व तहसीलदार नायब तहसीलदार समेत अन्य अधिकारी सभागार मे बैठते है वैसे ही बार एसोसिएशन कोरांव के रह चुके पूर्व अध्यक्ष / मंत्री लल्लन कुमार तिवारी ने

अपने सहयोगी अधिवक्ताओ के साथ नारेबाजी करते हुए फरियादियों को अंदर जाने से रोकने लगे एसीपी मेजा संत प्रसाद उपध्याय व प्रभारी निरीक्षक कोरांव राकेश कुमार वर्मा खीरी थाना से आये उप निरीक्षक उमेश कुमार व भाजपा के कुछ पदाधिकारी जो मौके पर काफी समझाने का प्रयास किये की दूर दूर से फरियादि अपनी समस्या को लेकर आये है संपूर्ण समाधान दिवस मे जाने से ना रोके लेकिन न सुनते हुए नारेबाजी करते रहे एसडीएम ने कहाँ की जिस तरह से अमर्यादित भाषा का प्रयोग किये है व आम जनता को परेशान किया जा रहा है जरूरत पड़ी तो मजबूर होकर एफ आई आर दर्ज करवाने को विवश होना पड़ेगा वही विरोध कर रहे लल्लन कुमार तिवारी ने कहाँ की चाहे जो कर दे सब मंजूर है लेकिन ज़ब तक आपका ट्रांसफर नहीं होगा तब तक विरोध नारेबाजी करुँगा कोई रोक नहीं पायेगा इसके बाद एसडीएम व एसीपी मेजा ने सभागार से बाहर निकलकर टेबल कुर्सी लगाकर एलाउन्स किया की जो भी फरियादि अपनी शिकायत लेकर आये हो निर्भीक होकर अपनी शिकायत आकर कर सकते है उन्हें न्याय दिलाया जायेगा तब जाकर कुछ अधिवक्ता व फरियादि अपनी फरियाद लेकर एसडीएम के समक्ष प्रार्थना पत्र दिए

टपकता रहा पसीना फिर भी एसडीएम ने सुनी फरियाद

शनिवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस मे बाहर टेबल कुर्सी लगाकर दूर दूर से आये फरियादियों की पीड़ा हमदर्द को समझकर फरियाद सुनकर निश्चित रूप से न्याय दिलाने का एसडीएम आकांक्षा सिंह ने भरोसा जताया इस तरह से न्याय प्रिय एसडीएम की कार्यशैली की क्षेत्र से आये लोगो ने सराहना की

बार एसोसिएशन कोरांव के तरफ से नहीं है कोई हड़ताल

बता दे की वर्तमान अध्यक्ष मंत्री ने 20 जून को ही लिखित रूप से दिया है की बार एसोसिएशन कोरांव के तरफ से कोई हड़ताल जारी नहीं है जो अधिवक्ता साथी हड़ताल कर रहे उसके वे खुद जिम्मेदार हर पहलू पर होंगे जिसकी लिखित सुचना शोशल मिडिया मे भी डाला गया है।

अमीरूद्दौला इस्लामिया डिग्री कालेज में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। 11 वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के उपलक्ष्य में आज दिनांक 21/06/2025 को अमीरूद्दौला इस्लामिया डिग्री कालेज, लालबाग, लखनऊ में 'सूर्य नमस्कार योग मुद्रा' विषय के अनुसार कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसके अन्तर्गत करवाये गए 'एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग' है, के सन्दर्भ में सभी प्रकार की जानकारियों दी गई तथा योग से प्राप्त होने वाले लाभों से भी छात्र/छात्राओं (स्वयं सेवक/सेविकाएं)/ अभिभावको/ कर्मचारियों/शिक्षकों एवं अन्य लोगों को जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम को कालेज के प्राचार्य डा0 दिलशाद अहमद अन्सारी के नेतृत्व में सम्पन्न कराया गया जिसमें महाविद्यालय के नोडल अधिकारी श्री जमशेद अली, डा0 मनीष टोडरिया, श्री इफ्तिखार अहमद मुख्य प्रशिक्षक अधिकारी व योग शिक्षिका कु0 अंशिका वैश्य के द्वारा कराया गया जिसमें कालेज समस्त शिक्षक/शिक्षणेत्तर कर्मचारियों एवं अन्य गणमान्य लोगों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।

कोरांव के तहसील, ब्लाक, थाना,नगर पंचायत समेत अन्य स्थानों पर मनाया गया 11वां अंतराष्ट्रीय योग दिवस

कोरांव (प्रयागराज) । 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कोरांव में विभिन्न स्थानों पर योग कार्यक्रम आयोजित किए गए। एसडीएम कोरांव आकांक्षा सिंह के नेतृत्व में तहसील सभागार थाना कोरांव, ब्लाक कोरांव और बहादुर शाह नगर थाना कोरांव के पीछे तालाब पर ओम प्रकाश केशरी के नेतृत्व में भी योग कार्यक्रम हुआ इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और योग के महत्व को समझा।

पुलिस मुख्यालय में डीजीपी ने पुलिस कर्मियों संग किया योग

लखनऊ। ग्यारहवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर गोमतीनगर स्थित पुलिस मुख्यालय के प्रांगण में सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस वर्ष की थीम योगा फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ के तहत पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण के साथ सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, मुख्यालय के विभिन्न इकाईयों में नियुक्त पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया। योगाभ्यास के दौरान सर्वश्रेष्ठ योग प्रदर्शन करने वाले राजकुमार अपर पुलिस महानिदेशक लॉजिस्टिक को प्रथम, श्रीचन्द्र प्रकाश पुलिस महानिरीक्षक प्रशिक्षण को द्वितीय एवं पूणेन्दु सिंह अपर पुलिस अधीक्षक/पुलिस महानिदेशक के स्टॉफ अफसर तृतीय स्थान के लिए चयनित हुए है। डीजीपी ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर चयनित अधिकारियों को विशिष्ट प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया है। डीजीपी ने योगाभ्यास कार्यक्रम में उपस्थित पुलिस कार्मिकों को योग के महत्व एवं फायदों से अवगत कराते हुये उन्हें शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ्य एवं निरोगी रहने के लिए नियमित योगाभ्यास के लिये प्रोत्साहित किया है।

लखनऊ पुलिस ने डॉक्टर के फ्लैट से पकड़ी दो विदेशी महिलाएं

लखनऊ। देह व्यापार की सूचना पर सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस ने विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) की टीम के साथ अहिमामऊ के ओमेक्स हजरतगंज की पांचवीं मंजिल के फ्लैट नंबर 527 में छापा मारा। यहां से दो विदेशी महिलाएं पकड़ी गई हैं। जिस फ्लैट में महिलाएं रह रही थी वो एक डॉक्टर का बताया जा रहा है और उसने उनकी पहचान छिपाने के लिए प्लास्टिक सर्जरी कर रखी थी। टीम महिलाओं को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। सुशांत गोल्फ सिटी के थाना प्रभारी उपेंद्र सिंह ने शनिवार को बताया कि ओमेक्स न्यू हजरतगंज की पांचवी मंजिल के फ्लैट नंबर 527 से पकड़ी गई महिलाएं उज्बेकिस्तान की हैं। वे दो साल से यहां रह रही हैं और उनके पासपोर्ट और वीजा खो गए हैं। इसमें से एक महिला के खिलाफ उज्बेकिस्तान सरकार से लुक आउट नोटिस भी जारी हुआ है। महिलाओं ने बताया कि उन्हें यहां पर उज्बेकिस्तान की महिला लोयोला लेकर आयी थी। लोयोला वहां से ?भागकर लखनऊ में अर्जुन नाम के लड़के के साथ रह रही थी। उसके जरिए ही वो दोनों विदेशी महिलाएं डॉक्टर विवेक गुप्ता के सम्पर्क में आयी थी। डॉक्टर ने उनकी प्लास्टिक सर्जरी कर दी, ताकि उनकी पहचान छिप सके। इसके बाद बिना पहचान पत्र के दोनों महिलाएं फ्लैट में रहती थी। फिर दोनों यही पर स्पा सेंटर में नौकरी करने लगी। पुलिस टीम ने महिलाओं को हिरासत में लेकर लापता डॉक्टर और विदेशी महिला लोयला की तलाश शुरू कर दी है।

कार्यालय ग्राम पंचायत मरखापुर विकास खण्ड हरख जनपद बाराबंकी

पत्रांक-मेमो/2025-26 दिनांक 20.04.2025

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा/पंचम राजवित्त/15वां वित्त आयोग/स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) / एसएलडब्ल्यूएम अंतर्गत करायें जाने वाले कार्य आपूर्ति के लिए सामग्री, आंगनबाड़ी केंद्र स्वच्छ शौचालय, पंचायत भवन , अन्नपूर्णा भवन, खेल का मैदान, विद्यालय की बाउंड्री वॉल, सामुदायिक शौचालय , सीएचसी सेंटर , अंत्येष्टि स्थल, बारात घर, खेल का मैदान, मनरेगा पार्क ओपन जिम,कायाकल्प,एवं अन्य मदों/योजना अन्तर्गत ग्राम पंचायत मद से कराये जाने वाले कार्यों के लिए स्थल पर निम्नलिखित सामग्री आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। सामग्री का विवरण निम्नलिखित है। 1. ईंट 150 एमएम प्रथम श्रेणी प्रति हजार, 2. सीमेंट प्रति बैग, 3. साधारण बालू/स्थानीय बालू प्रतिघन मीटर, 4. स्टोन ब्लास्ट (पत्थर गिट्टी) 224 एमएम से 53 एमएम अलग-अलग प्रति घनमीटर, 5. सरिया प्रति कुंतल, 6. एस्वेट्स सीट, पैनसीट, दरवाजा, टाइल्स प्रति कुंतल/प्रति नग, 7. ह्यूम पाइप 300, 350, 450, 600, 900 एमएमपी-3 प्रति नग, 8. सोलर लाइट प्रति नग, 9. ईंटरलाकिंग ईंट 200 गुणे 160 गुणे 80 एमएम प्रति हजार, 10. पटिया जीआई पाइप पी.बी.सी. पाइप, साकेत-प्रति नग, 11. मोटा बालू प्रति घनमीटर, 12. ईंट गिट्टी 200 एमएम/40 एमएम प्रति घनमीटर, 13. हैंडपम्प सामग्री इंडिया मार्का, हैण्डपम्प मरम्मत प्रति नग 14. साइन बोर्ड व अन्य सामग्री प्रति नग, 15. चूना ब्लीचिंग पाउडर, पेंट, डिस्टेम्बर प्रति किग्रा, 16. स्ट्रीट लाइट एवं सोलर, कुर्सी, कम्पयूटर, पेन्ट, प्राइमर, पुट्टी, समर्सिबल पम्प, दरवाजा, मशीन कचरा ढोने वाली गाड़ी, लोहे का ठेला, दवा छिड़कने की मशीन, सफाईकर्मी कीट/पशु आहार/भूषा-चोकर, कचरा पात्र, प्लास्टिक बैंक, यू टाइप नाली, शो पीट, कम्पोस्ट पीट, नाडेप, ठेला गाड़ी, ई-रिक्शा, स्वच्छता कीट, फील्टर चेम्बर, सील्ट केचर, प्लास्टिक पाइप, इन्सीनेटर (भष्मक) आदि स्वच्छ भारत मिशन ग्राम पंचायत के अन्तर्गत समस्त कार्यों पर निर्माण कार्य/प्रतिबंध एवं शर्तें ग्राम पंचायत के कार्यालय पर उपलब्ध है तथा ग्राम पंचायत द्वारा स्वीकृत कार्यों की सूची ग्राम पंचायत कार्यालय पर उपलब्ध है तथा निविदादाता प्रत्येक कार्य की अलग-अलग निविदा डालने हेतु स्वतंत्र है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 22.06.2025 से 01.07.2025 तक अपनी दरें लेटर पैड पर संलग्न लिफ़ाफ़े में अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में मध्याह्न 2:00 बजे तक प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके बाद प्राप्त निविदा को अस्वीकार कर दिया जायेगा यदि खुलने की तिथि पर कोई अवकाश होता है तो निविदा अगले कार्य दिवस पर खोली जायेगी। नियम व शर्तें ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। निविदा खुलने की तिथि 02.07.2025 समय अपराह्न 10:00 से 02:00 बजे के बीच ।

ग्राम प्रधान	सचिव
ग्रा.पं. मरखापुर	ग्रा.पं. मरखापुर
वि.खं. हरख जनपद बाराबंकी	वि.खं. हरख जनपद बाराबंकी

कार्यालय ग्राम पंचायत लक्ष्मणपुर विकास खण्ड हरख जनपद बाराबंकी

पत्रांक-मेमो/2025-26 दिनांक 20.04.2025

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा/पंचम राजवित्त/15वां वित्त आयोग/स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) / एसएलडब्ल्यूएम अंतर्गत करायें जाने वाले कार्य आपूर्ति के लिए सामग्री, आंगनबाड़ी केंद्र स्वच्छ शौचालय, पंचायत भवन , अन्नपूर्णा भवन, खेल का मैदान, विद्यालय की बाउंड्री वॉल, सामुदायिक शौचालय , सीएचसी सेंटर , अंत्येष्टि स्थल, बारात घर, खेल का मैदान, मनरेगा पार्क ओपन जिम,कायाकल्प,एवं अन्य मदों/योजना अन्तर्गत ग्राम पंचायत मद से कराये जाने वाले कार्यों के लिए स्थल पर निम्नलिखित सामग्री आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। सामग्री का विवरण निम्नलिखित है। 1. ईंट 150 एमएम प्रथम श्रेणी प्रति हजार, 2. सीमेंट प्रति बैग, 3. साधारण बालू/स्थानीय बालू प्रतिघन मीटर, 4. स्टोन ब्लास्ट (पत्थर गिट्टी) 224 एमएम से 53 एमएम अलग-अलग प्रति घनमीटर, 5. सरिया प्रति कुंतल, 6. एस्वेट्स सीट, पैनसीट, दरवाजा, टाइल्स प्रति कुंतल/प्रति नग, 7. ह्यूम पाइप 300, 350, 450, 600, 900 एमएमपी-3 प्रति नग, 8. सोलर लाइट प्रति नग, 9. ईंटरलाकिंग ईंट 200 गुणे 160 गुणे 80 एमएम प्रति हजार, 10. पटिया जीआई पाइप पी.बी.सी. पाइप, साकेत-प्रति नग, 11. मोटा बालू प्रति घनमीटर, 12. ईंट गिट्टी 200 एमएम/40 एमएम प्रति घनमीटर, 13. हैंडपम्प सामग्री इंडिया मार्का, हैण्डपम्प मरम्मत प्रति नग 14. साइन बोर्ड व अन्य सामग्री प्रति नग, 15. चूना ब्लीचिंग पाउडर, पेंट, डिस्टेम्बर प्रति किग्रा, 16. स्ट्रीट लाइट एवं सोलर, कुर्सी, कम्पयूटर, पेन्ट, प्राइमर, पुट्टी, समर्सिबल पम्प, दरवाजा, मशीन कचरा ढोने वाली गाड़ी, लोहे का ठेला, दवा छिड़कने की मशीन, सफाईकर्मी कीट/पशु आहार/भूषा-चोकर, कचरा पात्र, प्लास्टिक बैंक, यू टाइप नाली, शो पीट, कम्पोस्ट पीट, नाडेप, ठेला गाड़ी, ई-रिक्शा, स्वच्छता कीट, फील्टर चेम्बर, सील्ट केचर, प्लास्टिक पाइप, इन्सीनेटर (भष्मक) आदि स्वच्छ भारत मिशन ग्राम पंचायत के अन्तर्गत समस्त कार्यों पर निर्माण कार्य/प्रतिबंध एवं शर्तें ग्राम पंचायत के कार्यालय पर उपलब्ध है तथा ग्राम पंचायत द्वारा स्वीकृत कार्यों की सूची ग्राम पंचायत कार्यालय पर उपलब्ध है तथा निविदादाता प्रत्येक कार्य की अलग-अलग निविदा डालने हेतु स्वतंत्र है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 22.06.2025 से 01.07.2025 तक अपनी दरें लेटर पैड पर संलग्न लिफ़ाफ़े में अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में मध्याह्न 2:00 बजे तक प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके बाद प्राप्त निविदा को अस्वीकार कर दिया जायेगा यदि खुलने की तिथि पर कोई अवकाश होता है तो निविदा अगले कार्य दिवस पर खोली जायेगी। नियम व शर्तें ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। निविदा खुलने की तिथि 02.07.2025 समय अपराह्न 10:00 से 02:00 बजे के बीच ।

ग्राम प्रधान	सचिव
ग्रा.पं. लक्ष्मणपुर	ग्रा.पं. लक्ष्मणपुर
वि.खं. हरख जनपद बाराबंकी	वि.खं. हरख जनपद बाराबंकी

कार्यालय ग्राम पंचायत बहलोलपुर विकास खण्ड हरख जनपद बाराबंकी

पत्रांक-मेमो/2025-26 दिनांक 20.04.2025

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा/पंचम राजवित्त/15वां वित्त आयोग/स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) / एसएलडब्ल्यूएम अंतर्गत करायें जाने वाले कार्य आपूर्ति के लिए सामग्री, आंगनबाड़ी केंद्र स्वच्छ शौचालय, पंचायत भवन , अन्नपूर्णा भवन, खेल का मैदान, विद्यालय की बाउंड्री वॉल, सामुदायिक शौचालय , सीएचसी सेंटर , अंत्येष्टि स्थल, बारात घर, खेल का मैदान, मनरेगा पार्क ओपन जिम,कायाकल्प,एवं अन्य मदों/योजना अन्तर्गत ग्राम पंचायत मद से कराये जाने वाले कार्यों के लिए स्थल पर निम्नलिखित सामग्री आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। सामग्री का विवरण निम्नलिखित है। 1. ईंट 150 एमएम प्रथम श्रेणी प्रति हजार, 2. सीमेंट प्रति बैग, 3. साधारण बालू/स्थानीय बालू प्रतिघन मीटर, 4. स्टोन ब्लास्ट (पत्थर गिट्टी) 224 एमएम से 53 एमएम अलग-अलग प्रति घनमीटर, 5. सरिया प्रति कुंतल, 6. एस्वेट्स सीट, पैनसीट, दरवाजा, टाइल्स प्रति कुंतल/प्रति नग, 7. ह्यूम पाइप 300, 350, 450, 600, 900 एमएमपी-3 प्रति नग, 8. सोलर लाइट प्रति नग, 9. ईंटरलाकिंग ईंट 200 गुणे 160 गुणे 80 एमएम प्रति हजार, 10. पटिया जीआई पाइप पी.बी.सी. पाइप, साकेत-प्रति नग, 11. मोटा बालू प्रति घनमीटर, 12. ईंट गिट्टी 200 एमएम/40 एमएम प्रति घनमीटर, 13. हैंडपम्प सामग्री इंडिया मार्का, हैण्डपम्प मरम्मत प्रति नग 14. साइन बोर्ड व अन्य सामग्री प्रति नग, 15. चूना ब्लीचिंग पाउडर, पेंट, डिस्टेम्बर प्रति किग्रा, 16. स्ट्रीट लाइट एवं सोलर, कुर्सी, कम्पयूटर, पेन्ट, प्राइमर, पुट्टी, समर्सिबल पम्प, दरवाजा, मशीन कचरा ढोने वाली गाड़ी, लोहे का ठेला, दवा छिड़कने की मशीन, सफाईकर्मी कीट/पशु आहार/भूषा-चोकर, कचरा पात्र, प्लास्टिक बैंक, यू टाइप नाली, शो पीट, कम्पोस्ट पीट, नाडेप, ठेला गाड़ी, ई-रिक्शा, स्वच्छता कीट, फील्टर चेम्बर, सील्ट केचर, प्लास्टिक पाइप, इन्सीनेटर (भष्मक) आदि स्वच्छ भारत मिशन ग्राम पंचायत के अन्तर्गत समस्त कार्यों पर निर्माण कार्य/प्रतिबंध एवं शर्तें ग्राम पंचायत के कार्यालय पर उपलब्ध है तथा ग्राम पंचायत द्वारा स्वीकृत कार्यों की सूची ग्राम पंचायत कार्यालय पर उपलब्ध है तथा निविदादाता प्रत्येक कार्य की अलग-अलग निविदा डालने हेतु स्वतंत्र है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 22.06.2025 से 01.07.2025 तक अपनी दरें लेटर पैड पर संलग्न लिफ़ाफ़े में अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में मध्याह्न 2:00 बजे तक प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके बाद प्राप्त निविदा को अस्वीकार कर दिया जायेगा यदि खुलने की तिथि पर कोई अवकाश होता है तो निविदा अगले कार्य दिवस पर खोली जायेगी। नियम व शर्तें ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। निविदा खुलने की तिथि 02.07.2025 समय अपराह्न 10:00 से 02:00 बजे के बीच ।

ग्राम प्रधान	सचिव
ग्रा.पं. बहलोलपुर गयासपुर	ग्रा.पं. बहलोलपुर गयासपुर
वि.खं. हरख जनपद बाराबंकी	वि.खं. हरख जनपद बाराबंकी

कार्यालय : ग्राम पंचायत आलमपुर गयासपुर विकास खण्ड हरख जनपद बाराबंकी

पत्रांक-मेमो/2025-26 दिनांक 20.04.2025

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा/पंचम राजवित्त/15वां वित्त आयोग/स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) / एसएलडब्ल्यूएम अंतर्गत करायें जाने वाले कार्य आपूर्ति के लिए सामग्री, आंगनबाड़ी केंद्र स्वच्छ शौचालय, पंचायत भवन , अन्नपूर्णा भवन, खेल का मैदान, विद्यालय की बाउंड्री वॉल, सामुदायिक शौचालय , सीएचसी सेंटर , अंत्येष्टि स्थल, बारात घर, खेल का मैदान, मनरेगा पार्क ओपन जिम,कायाकल्प,एवं अन्य मदों/योजना अन्तर्गत ग्राम पंचायत मद से कराये जाने वाले कार्यों के लिए स्थल पर निम्नलिखित सामग्री आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। सामग्री का विवरण निम्नलिखित है। 1. ईंट 150 एमएम प्रथम श्रेणी प्रति हजार, 2. सीमेंट प्रति बैग, 3. साधारण बालू/स्थानीय बालू प्रतिघन मीटर, 4. स्टोन ब्लास्ट (पत्थर गिट्टी) 224 एमएम से 53 एमएम अलग-अलग प्रति घनमीटर, 5. सरिया प्रति कुंतल, 6. एस्वेट्स सीट, पैनसीट, दरवाजा, टाइल्स प्रति कुंतल/प्रति नग, 7. ह्यूम पाइप 300, 350, 450, 600, 900 एमएमपी-3 प्रति नग, 8. सोलर लाइट प्रति नग, 9. ईंटरलाकिंग ईंट 200 गुणे 160 गुणे 80 एमएम प्रति हजार, 10. पटिया जीआई पाइप पी.बी.सी. पाइप, साकेत-प्रति नग, 11. मोटा बालू प्रति घनमीटर, 12. ईंट गिट्टी 200 एमएम/40 एमएम प्रति घनमीटर, 13. हैंडपम्प सामग्री इंडिया मार्का, हैण्डपम्प मरम्मत प्रति नग 14. साइन बोर्ड व अन्य सामग्री प्रति नग, 15. चूना ब्लीचिंग पाउडर, पेंट, डिस्टेम्बर प्रति किग्रा, 16. स्ट्रीट लाइट एवं सोलर, कुर्सी, कम्पयूटर, पेन्ट, प्राइमर, पुट्टी, समर्सिबल पम्प, दरवाजा, मशीन कचरा ढोने वाली गाड़ी, लोहे का ठेला, दवा छिड़कने की मशीन, सफाईकर्मी कीट/पशु आहार/भूषा-चोकर, कचरा पात्र, प्लास्टिक बैंक, यू टाइप नाली, शो पीट, कम्पोस्ट पीट, नाडेप, ठेला गाड़ी, ई-रिक्शा, स्वच्छता कीट, फील्टर चेम्बर, सील्ट केचर, प्लास्टिक पाइप, इन्सीनेटर (भष्मक) आदि स्वच्छ भारत मिशन ग्राम पंचायत के अन्तर्गत समस्त कार्यों पर निर्माण कार्य/प्रतिबंध एवं शर्तें ग्राम पंचायत के कार्यालय पर उपलब्ध है तथा ग्राम पंचायत द्वारा स्वीकृत कार्यों की सूची ग्राम पंचायत कार्यालय पर उपलब्ध है तथा निविदादाता प्रत्येक कार्य की अलग-अलग निविदा डालने हेतु स्वतंत्र है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 22.06.2025 से 01.07.2025 तक अपनी दरें लेटर पैड पर संलग्न लिफ़ाफ़े में अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में मध्याह्न 2:00 बजे तक प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके बाद प्राप्त निविदा को अस्वीकार कर दिया जायेगा यदि खुलने की तिथि पर कोई अवकाश होता है तो निविदा अगले कार्य दिवस पर खोली जायेगी। नियम व शर्तें ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। निविदा खुलने की तिथि 02.07.2025 समय अपराह्न 10:00 से 02:00 बजे के बीच ।

ग्राम प्रधान	सचिव
ग्रा.पं.आलमपुर गयासपुर	ग्रा.पं.आलमपुर गयासपुर
वि.खं. हरख जनपद बाराबंकी	वि.खं. हरख जनपद बाराबंकी

जलसा लॉन में 11वां योग दिवस भव्यता के साथ मनाया गया

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। विश्व योग दिवस के अवसर पर मंडल सरोजनी नगर दक्षिण प्रथम के हिन्द नगर वार्ड में पूर्व संगठन मंत्री एवं प्रदेश विभाग प्रमुख ओम प्रकाश श्रीवास्तव के सानिध्य में योग गुरु निधि मेहरोत्रा , मंडल अध्यक्ष के के श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में वृहद योग शिविर का आयोजन मंडल महामंत्री रजनीश श्रीवास्तव, मंडल उपाध्यक्ष मनु श्रीवास्तव, पूर्व मंडल अध्यक्ष अनूप मिश्रा, वार्ड अध्यक्ष नागेश्वर अवस्थी, पार्षद सौरभ सिंह मोनू द्वारा किया गया।

इस योग शिविर में योग के विभिन्न आयामों को किया गया। योग शिविर हिन्द नगर, कानपुर रोड स्थित जलसा लॉन में आयोजित किया गया।

जिस शिविर में उपस्थित लखनऊ महानगर की मीडिया प्रभारी चन्द्र भूषण पाण्डेय उर्फ पप्पू पाण्डेय विधायक प्रतिनिधि प्रदीप मिश्रा, गिरिजा शंकर त्रिपाठी, मनोनीत पार्षद सरबजीत सिंह बिल्लू भैया,अरुण रावत, अमित शुक्ला, दीपू शर्मा, मनीष शुक्ला,महेश श्रीवास्तव, ए के राय,राहुल मिश्रा, अनिल तिवारी, मंडल महिला मोर्चा अध्यक्ष साधना गुप्ता, पूजा सिंह, कुसुम सिंह, शशि सिंह, एकता सिंह, ललिता शर्मा, अनीता शर्मा, विनीता सिंह,मंजू लता शुक्ला,संजना अंदाणी,रितु अग्रवाल, राम चंदर चौधरी, किशोरी सिंह, हनुमान यादव,कुलदीप कुमार, चंद्र भान सिंह,के पी सिंह,शिव नायक द्विवेदी, विनोद सिंह, निशांत शुक्ला, भास्कर घोष, सत्येन्द्र सिंह,टी पी सिंह, अनूप निगम, आनंद अवस्थी, विजय कुमार श्रीवास्तव, प्रदीप शुक्ला, डॉ ए पी सिंह,पी के निगम, प्रदीप कुमार, शैलेन्द्र कुमार, अर्जुन सिंह व समस्त सम्मानित जनता एवं कार्यकर्ता बंधुओं ने अपनी सहभागिता प्रस्तुत कर कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना बहुमूल्य योगदान दिया।

प्रदेश भर में 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर शिविरों में लोगों ने बढ़-चढ कर किया प्रतिभाग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। देश और विदेश के साथ साथ प्रदेश के विभिन्न जिलों में 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों, गणमान्यों और अधिकारियों के साथ साथ बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साह के साथ प्रतिभाग किया।

प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा से यहां राजभवन में 11वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर ''एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग'' थीम के अंतर्गत प्रशिक्षित योगाचार्यों के निर्देशन में भव्य सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रातः 6 बजे से राजभवन के बड़े लॉन में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल ने स्वयं योग साधकों के साथ प्रतिभाग किया और योगासन, प्राणायाम तथा ध्यान का अभ्यास किया। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं दीं और कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि यह जीवनशैली, आत्मिक अनुशासन और सामूहिक कल्याण का मार्ग है।उन्होंने सभी का राजभवन के प्रांगण में स्वागत करते हुए कहा कि राजभवन में 01 जून से 20 जून के बीच प्रतिदिन प्रातः योगाभ्यास सत्र आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, नागरिकों, राजभवन के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं योग प्रेमियों ने नियमित रूप से भाग लेकर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया।

प्रधानमंत्री मोदी के निर्वाचन क्षेत्र प्रयागराज में योग दिवस की कमान कैबिनेट मंत्री नंद कुमार गुप्ता 'नंदी' के हाथ में रही। यहां त्रिवेणी संगम पर 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर श्री नंदी शामिल हुए और कहा कि इस बार योग दिवस ‘स्वस्थ धरती और स्वस्थ शरीर’ थीम पर लिया गया है। ‘करें योग रहें निरोग’।

उन्होंने कहा कि प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल के बाद योग पर पूरे विश्व का ध्यान आकर्षित हुआ है।प्रधानमंत्री का ‘विरासत के साथ विकास’ का मूल मंत्र है। आज पूरी दुनिया भारत की चमक और धमक को महसूस कर रही है।योग के त्वरित लाभ से पूरी दुनिया के लोगों ने इस अपनाना शुरू कर दिया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में योग शिविर में हिस्सा लिया। गोरखपुर स्थित गोरखनाथ मंदिर में योगाभ्यास करने के पूर्वयोग साधकों, प्रशिक्षुओं को संबोधित किया और प्रदेशवासियों को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की बधाई दी।

मंदिर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि योग भारत की ऋषि परंपरा का ऐसा मंत्र है जो स्वस्थ काया के साथ स्वस्थ मस्तिष्क भी उपलब्ध कराता है। आज योग के अलग.अलग आयाम देखने को मिलते हैं। भारतीय मनीषा ने योग के माध्यम से चेतना के उच्च आयाम से दुनिया को अवगत कराया। योगी ने कहा कि योग की प्राचीन भारतीय परंपरा को आधुनिक युग में आगे बढ़ने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को है। ऐसे दौर में जब बाहरी लोग योग के आसनों को पेटेंट कराने लगे थे और भारत अपनी विरासत से वंचित हो रहा था तब प्रधानमंत्रीनरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र संघ में पहल कर योग को वैश्विक मान्यता दिलाई। श्री मोदी के ही प्रयास से 21 जून 2015 से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने की शुरुआत हुई। आज भारत ही नहीं, दुनिया के 190 देश योग दिवस से जुड़े हुए हैं। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन भारत की ऋषि परंपरा के प्रति कृतज्ञापित करने और आने वाली पीढ़ी को विरासत से जोड़ने का प्रयास है।बुंदेलखंड की वीरांगना नगरी झांसी में ‘एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग’ थीम पर योग दिवस भव्यता के साथ मनाया गया जिसमें जनप्रतिनिधियों और उच्चाधिकारियों के साथ आम जनता ने बड़ी संख्या में भागीदारी की।

म्युनिसिपल गर्ल्स इंटर कॉलेज में मनाया गया योग दिवस

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर म्युनिसिपल गर्ल्स इंटर कॉलेज में योग कार्यक्रम आयोजित हुआ। छात्राओं, शिक्षकों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास किया। प्रधानाचार्या रीता सिंह ने योग को भारतीय संस्कृति की धरोहर बताया जो शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ाता है। प्राणायाम, ताड़ासन, भुजंगासन जैसे आसनों का अभ्यास हुआ। 'योग ही जीवन है' थीम पर पोस्टर प्रदर्शनी भी आयोजित की गई। कार्यक्रम शांतिपाठ के साथ सम्पन्न हुआ।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी धूमधाम से मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

मोहनलालगंज लखनऊ। 21 जून 2025 अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राजधानी के ग्रामीण क्षेत्रों में धूमधाम के साथ योग दिवस मनाया गया। मोहनलालगंज के महेश प्रसाद डिग्री कॉलेज परिसर में क्षेत्रीय विधायक अमरेश रावत , एसडीएम अंकित शुक्ला, खंड विकास अधिकारी आशुतोष श्रीवास्तव ने योग दिवस के अवसर पर उपस्थित लोगों के साथ योगाभ्यास किया। वही विधायक अमरेश रावत ने कहा कि योगा हमारी प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर है, जो हमारे ऋषियों द्वारा उत्प्रेरित लोकवाक्य '' सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे संतु निरामयाः'' की भावना से प्रेरित है, और जीवन जीने आधार है, योग संसार के सामूहिक कल्याण की समग्रदृष्टि को अभिव्यक्त करता है, हम सभी को मिलकर इस योग दिवस के अवसर पर स्वयं के लिये और समाज के लिए योग' के भाव को आत्मसात करना चाहिए और अपने आस-पास के समाज को भी इस दिव्य पथ पर चलने के लिये प्रेरित करना चाहिए,। एसडीएम अंकित शुक्ला ने कहा कि समस्त मानव जाति को शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास के लिए अपनी जीवन शैली में योग को अपनाना चाहिए ।वही प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षक शिक्षिकाओं वं बच्चों तथा गांवो में मनरेगा श्रमवीरो ने मनरेगा स्थल , अमृत सरोवर, गांव के तालाबों व खेल मैदानों में तथा एस एस बी चतुर्थ वाहिनी कैंप स्थल बिदौवा में एसएसबी के जवानों ने भी योगाभ्यास किया।

शिया पीजी कॉलेज में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर शिया पीजी कॉलेज में विशेष योग सत्र का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत लखनऊ विश्वविद्यालय की डॉ. अंजली शर्मा और शिया लॉ कॉलेज के डॉ. वहीद आलम के नेतृत्व में हुई। योगाभ्यास के दौरान छात्रों को शुद्ध पेयजल की व्यवस्था दी गई। योग दिवस के अवसर पर प्रतिभाग करने वाले सभी छात्रों को कॉलेज की ओर से विशेष योग टी-शर्ट और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

फैजुल्लागंज में योग उत्सव संग आयोजित हुई मैंगो पार्टी

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर फैजुल्लागंज में समाजवादी ममता त्रिपाठी के संयोजन में घैला रोड स्थित एक निजी लॉन में योग उत्सव आयोजित किया गया। जिसमें इस मौके पर मैंगो पार्टी का भी आयोजन हुआ। योग उत्सव एवं मांगों पार्टी का उद्घाटन समाजवादी पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता व लखनऊ उत्तर की प्रभारी पूजा शुक्ला ने किया। शान्ति कुंज हरिद्वार के योग प्रशिक्षक प्रमोद शुक्ल व पूर्व सैनिक पीएन मिश्र ने संयुक्त रूप से योगाभ्यास कराया।

ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत पाक्सो एक्ट के आरोपियों को मिली सजा

निगोहां, लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। निगोहां की पुलिस द्वारा प्रभावी पैरवी के चलते एक गैंगरेप के आरोपी को दोषी ठहराते हुए न्यायालय ने कठोर सजा सुनाई है। प्रकरण के अनुसार निगोहां थाना क्षेत्र के ग्राम भैंरमपुर मज़रा मीरखनगर गांव के रहने वाले गैंग रेप के आरोपी शिवबरन उर्फ नन्हू पुत्र अर्जुन सिंह के खिलाफ निगोहां थाने में पाक्सो एक्ट के तहत दर्ज मुकदमे में दोषी पाया गया। अपर सत्र न्यायालय पॉक्सो कोर्ट की अदालत ने बीते उन्नीस जून को सुनवाई पूरी करते हुए आरोपी को बीस बीस हजार रुपये के अर्थदंड सहित बीस बीस वर्ष की कठोर कैद की सजा सुनाई। अर्थदंड न अदा करने की स्थिति में आरोपी को छह माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। अदालत ने यह सजा सभी सजाएं साथ-साथ चलने की व्यवस्था के तहत दी है। इस मुकदमे में प्रभावशाली पैरवी निगोहां थाने के तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक अनुज कुमार तिवारी के नेतृत्व में की गई थी। पीड़िता के बयान एवं चिकित्सीय परीक्षण सहित अन्य साक्ष्यों के आधार पर अभियोजन कार्यालय ने प्रभावी ढंग से पक्ष रखा, जिससे न्यायालय ने अभियुक्त को दोषी मानते हुए सजा दी। यह कार्रवाई ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही सुनिश्चित करने की दिशा में एक सशक्त कदम है। इससे क्षेत्र में न्यायिक प्रक्रिया में विश्वास और पुलिस की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता को बल मिला है।

स्वस्थ रहने का एक जरिया है योग : डॉ नीरज बोरा

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। अलीगंज स्थित सरस्वती विद्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पांच सौ से अधिक लोगों ने संयुक्त योगाभ्यास किया। जिसमें मुख्य अतिथि उत्तर विधायक डॉ नीरज बोरा, समाजसेविका बिंदु बोरा, अनुराग साहू, प्रबंधक अभिनव भार्गव, प्रधानाचार्य संतोष कुमार सिंह, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी दिनेश मिश्रा, जगदानंद झा, महेंद्र पाठक, नितेश श्रीवास्तव एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी, शिक्षकगण एवं बच्चे उपस्थित रहे। डॉ नीरज बोरा ने कहा कि योग स्वस्थ रहने का एक जरिया है योग से सभी तरह की शारीरिक और मानसिक समस्याओं का हल मिलता है जिसे अपना कर हम हेल्दी लाइफ जी सकते हैं लेकिन योग करने के दौरान अनुशासन का पालन करना चाहिए। योग प्रशिक्षक अमर अवस्थी, प्रवेंद्र सिंह, प्रियंका सिंह ने सभी को स्वस्थ रहने के लिए योगासन करवाए।

अवैध प्लाटिंग पर चला एलडीए का बुलडोजर

लखनऊ। एलडीए ने शनिवार को अवैध प्लाटिंग के खिलाफ अपनी कार्रवाई को और तेज करते हुए मोहनलालगंज क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की। एलडीए के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार के निर्देश पर प्रवर्तन जोन-2 की टीम ने पद्मजा इन्फ्रा बिल्ट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विकसित की जा रही एक अवैध कॉलोनी को ध्वस्त कर दिया।प्रवर्तन जोन-2 के जोनल अधिकारी प्रभाकर सिंह ने बताया कि पद्मजा इन्फ्रा बिल्ट प्राइवेट लिमिटेड के राजीव सिंह द्वारा मोहनलालगंज के हरिकंशगढ़ी में माइनर नहर के किनारे लगभग 3 बीघा क्षेत्रफल में अनाधिकृत रूप से प्लाटिंग का कार्य किया जा रहा था। यह कॉलोनी बिना प्राधिकरण से ले-आउट स्वीकृत कराए विकसित की जा रही थी। इसके खिलाफ विहित न्यायालय में वाद दायर कर ध्वस्तीकरण के आदेश पारित किए गए थे। आदेश के अनुपालन में एलडीए की प्रवर्तन टीम ने प्राधिकरण पुलिस और स्थानीय पुलिस बल के सहयोग से कार्रवाई की। इस दौरान अवैध कॉलोनी में बनाई गई सड़क, नाली, बाउंड्रीवॉल और अन्य निर्माण को बुलडोजर से जमींदोज कर दिया गया। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने कहा कि अवैध निर्माण और प्लाटिंग के खिलाफ प्राधिकरण का अभियान लगातार जारी रहेगा।

नगर निगम मुख्यालय में मनाया गया 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। नगर निगम मुख्यालय में 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शनिवार को एक भव्य योग कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर महापौर सुषमा खर्कवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं, जबकि भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व पूर्व विधान परिषद सदस्य जय प्रकाश चतुर्वेदी ने विशेष रूप से शिरकत की। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक मंत्रोच्चार और सूक्ष्म व्यायाम के साथ हुई। योग प्रशिक्षकों ने ताड़ासन, वज्रासन, भुजंगासन, अनुलोम-विलोम, और कपालभाति जैसे योगासनों का अभ्यास कराया, साथ ही उनके स्वास्थ्य लाभों की जानकारी दी। कार्यक्रम में उपसभापति गिरीश गुप्ता, पार्षद दल के उप नेता सुशील तिवारी 'पम्मी', नगर आयुक्त गौरव कुमार, अपर नगर आयुक्त ललित कुमार, नम्रता सिंह, डॉ. अरविंद कुमार राव, जीएम जलकल कुलदीप सिंह, चीफ टैक्स असेसमेंट ऑफिसर अशोक सिंह, नगर निगम के अन्य अधिकारी, कर्मचारी, पार्षद और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। महापौर सुषमा खर्कवाल ने अपने संबोधन में योग को भारतीय संस्कृति की अनमोल देन बताते हुए कहा, ''योग हमें शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक शांति और आत्मिक सुदृढ़ता प्रदान करता है।'' उन्होंने नागरिकों से योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। साथ ही, उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों की सराहना की, जिनके नेतृत्व में 2014 से 21 जून को विश्व स्तर पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है।कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने नियमित योगाभ्यास और दूसरों को इसके लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया, ताकि स्वस्थ और सशक्त भारत के निर्माण में योगदान दिया जा सके।

योग भारतीय संस्कृति की प्राचीन पद्धति है: राजीव

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टिट्यूट ऑफ़ फॉरेंसिक साइंस लखनऊ में आज अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग शिविर का आयोजन किया गया

उप महानिरीक्षक राजीव मल्होत्रा ने इस अवसर पर कहा कि योग हमारी भारतीय संस्कृति की प्राचीन पद्धति है जो हमें स्वस्थ रखने में संपूर्णता प्रदान करती है, इस अवसर पर संस्थान के उपनिदेशक श्री चिरंजीव मुखर्जी ने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए हमें सदैव योग और व्यायाम से जुड़े रहना चाहिए जो व्यक्ति आज टहलता नहीं व्यायाम नहीं करता है तो समझिए कि वह अपने स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहा है और बीमारियों को आमंत्रण दे रहा है। योग शिविर में संस्थान के जनसंपर्क अधिकारी संतोष तिवारी, अस्सिटेंट रजिस्टार सीएम सिंह, श्रुति दास गुप्ता, सपना, डॉ नेहा, डॉ नताशा, डॉ सौरभ, विवेक कुमार, शैलेन्द्र सिंह, अमर सिंह, बृजेश सिंह सहित समस्त स्टाफ एवं छात्रों ने प्रतिभाग कियाद्य योग शिविर में एचडीएफसी बैंक की जोनल हेड सुश्री मोनिका द्वारा भी योगा पार्टनर के रूप में प्रतिभाग किया गया।

रास्ते के विवाद को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष

छह से अधिक लोग घायल, एक की हालत गंभीर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

निगोहां, लखनऊ। निगोहां थाना क्षेत्र के बखतौरी खेड़ा गांव में शनिवार सुबह रास्ते के पुराने को लेकर कहासुनी के बाद दो पक्षों में जमकर लाठी-डंडे और ईंट-पत्थर चले, जिसमें एक महिला समेत दोनों पक्षों से लगभग आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए सीएचसी भेजा गया, जहाँ से एक व्यक्ति की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बलरामपुर अस्पताल रेफर किया गया। पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बखतौरी खेड़ा निवासी रामप्रताप और उनके परिवार का गांव के ही राजाराम से रास्ते को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। शुक्रवार को इस विवाद ने तब तूल पकड़ा जब राजाराम के समर्थक धर्मेंद्र कुमार और रामप्रताप के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। आरोप है कि इसी कहासुनी के बाद रामप्रताप और उनके बेटों ने धर्मेंद्र की पिटाई कर दी, जिसमें धर्मेंद्र का सिर फट गया। घटना के ।हालाँकि, शनिवार सुबह मामला एक बार फिर उग्र हो गया। किसी बात को लेकर फिर से कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर लाठी-डंडों और ईंट-पत्थरों से हमला कर दिया।इस हिंसा में रामप्रताप, राजन और साजन के सिर फट गए, जबकि दूसरे पक्ष से पिंटू, जितेंद्र, राजाराम और श्रीमती को गंभीर चोटें आईं। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) निगोहां भेजा, जहाँ से रामप्रताप की गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें बलरामपुर अस्पताल रेफर कर दिया।पुलिस ने बताया कि दोनों पक्षों से मिली लिखित शिकायतों के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है।

पीडीए चौपाल में सपाईयों की गर्जना, गांव-गांव में बैठकें तेज

- बैरीशाल पुर गांव पहुंचे सपाई सपा सांसद और पूर्व विधायक पुष्कर ने भाजपा पर साधा निशाना

कैनविज टाइम्स संवाददाता

निगोहां , लखनऊ । बैरीशालपुर गांव में शनिवार को आयोजित पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) चौपाल में भारी जनसमूह उमड़ा पड़ा इस दौरान मुख्य अतिथि मोहनलालगंज के सपा सांसद आर.के. चौधरी ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि अब गरीब, दलित और पिछड़ा वर्ग जागरूक हो चुका है और 2027 में बदलाव की लहर जरूर आएगी। उन्होंने कहा, ‘हमें अपने हक़ और अधिकारों के लिए एकजुट होकर लोकतांत्रिक जवाब देना होगा और समाजवादी पार्टी को सत्ता में लाकर अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाना होगा।’ मोहनलालगंज विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर ने भी सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि भाजपा सरकार जानबूझकर शिक्षा व्यवस्था को चौपट कर रही है। करीब पांच हजार सरकारी स्कूलों को बंद करने की योजना बनाई जा रही है, ताकि वंचित वर्ग शिक्षा से दूर रहे और सवाल न कर सके। यह बेहद चिंताजनक है।’ कार्यक्रम का आयोजन किसान नेता शत्रोहन लाल रावत, लोहिया वाहिनी विधान सभा अध्यक्ष शिव कुमार उर्फ टाइगर, एवं दुर्गेश चौरसिया के संयोजन में किया गया। विधान सभा अध्यक्ष उमाशंकर वर्मा की अध्यक्षता में चौपाल सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

मुख्य अतिथि आर.के. चौधरी और विशिष्ट अतिथि अम्ब्रीश सिंह पुष्कर का पारंपरिक रूप से शॉल और माला पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, स्थानीय ग्रामीण व पदाधिकारी मौजूद रहे। प्रमुख उपस्थित लोगों में रजनीश चौरसिया, रामधनी, सुरेश चौरसिया, श्यामू, अखिलेश चौरसिया, रामलाल रावत, अब्दुल्ला, विशंभर, विजय चौधरी, चंद्रावती, सोहनलाल, शुभम चौरसिया, डॉ. शादिक अली, धर्मेंद्र पटेल, विद्या देवी, दीपू, संतराम रावत, अशर्फी लाल धीमान, हरी शंकर रावत , फरमान वारसी आदि शामिल रहे।

तहसील समाधान दिवस में आए 215 शिकायती पत्र 37 का निस्तारण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मोहनलालगंज। लखनऊ, मोहनलालगंज तहसील सभागार में शनिवार को आयोजित समाधान दिवस में विभिन्न विभागों से जुड़ी कुल 215 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से 37 प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जबकि शेष 178 शिकायती पत्रों को संबंधित विभागों को अग्रसारित कर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, राजस्व विभाग से संबंधित सर्वाधिक 125 शिकायती पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 29 मामलों का समाधान मौके पर किया गया। पुलिस विभाग से संबंधित 37 शिकायतें आईं, जिनमें से 8 मामलों का निस्तारण किया गया। राजस्व एवं पुलिस से जुड़े संयुक्त मामलों की संख्या 24 रही। विकास विभाग से 2 तथा अन्य श्रेणी में 27 शिकायतें दर्ज की गईं।समाधान दिवस के अवसर पर तहसीलदार मोहनलालगंज सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। तहसीलदार ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित प्रकरणों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए और जनहित के मामलों में लापरवाही न बरती जाए।

मनाया गया 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

बंथरा, कैनविज टाइम्स संवाददाता। क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायतों में ग्राम प्रधानों समाजसेवी संगठनों और आम जनमानस द्वारा ग्यारहवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़ी ही सक्रियता और उल्लास के साथ मनाया गया। भारतीय जनता पार्टी के लखनऊ जिले के श्रम प्रकोष्ठ द्वारा अमावा विद्यालय में बड़े उल्लास के साथ मनाया गया उपस्थिति कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेंद्र सिंह राजू ने बताया हम नित्य योगा करके शरीर को स्वस्थ एवं फुर्तीला रखकर आम जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना आसानी से कर सकते हैं। नीति योग करने से मन प्रसन्नचित्त एवं स्वस्थ रहता है रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ने से कई असाध्य रोग शरीर को प्रभावित नहीं कर पाते हैं। कार्यक्रमों में ग्रामीणों सहित तमाम क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

उत्तर रेलवे

ई ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक/पी0एस0, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई ऑक्शन से सम्बन्धित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ-उ०रे०-मण्डल- वाणिज्य/उ०रे०
नीलामी सूची सं०/ लॉट सं०	PARKING-LKO-GGJ-MX-158-25-1 (Parking-Mixed)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	19.06.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	07.07.2025 समय 10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	07.07.2025 समय 10:30 बजे
नीलामी का प्रकार	Close Ended
वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है	E- Auction Module of www.ireps.gov.in

No: C/113-E-Auction Policy/2024/SKS Dt. 20.06.2025 1870/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

घरों के सामने भरा गंदा बदबूदार पानी नारकीय जीवन जीना मजबूरी

जर्जर गन्ना स्टोर की बाउंड्री वॉल हटाते ही तालाब में भरा कूड़ा व गंदा पानी घरों के सामने भरा

महामारी की आशंका, कभी भी हो सकता है जल सत्याग्रह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बिसवां, सीतापुर। जिम्मेदारों द्वारा कोई कार्रवाई अथवा उपाय न किये जाने के कारण एक बार फिर दर्जनों घरों के सामने खाना पानी व संक्रमण का संकट उत्पन्न हो गया है। बरसात व नालियों का गंदा पानी कूड़ा करकट सहित दर्जनों घरों के सामने भर गया है, जिसके निकलने की कोई उम्मीद नहीं दिख रही है जिससे इस बरसात के मौसम में कभी भी महामारी फैल सकती है। लोगों के घरों के नलों का पानी दूषित हो रहा है। इसी गंदे पानी में होकर निकलना ग्रामीणों की मजबूरी बन गई है। घरों में खाना खाते समय दुर्गंध से खाना खाना भी मुहाल हो गया है। बताते चलें कि लगभग 300 से 400 मीटर रास्ता बिल्कुल झील में तब्दील है?। यह कोई नई बात नहीं है कई वर्षों से यह समस्या आस पास के मुहल्ले के लोगों के लिए काल बनी हुई है। कस्बे में रेउसा - बहराइच मुख्य मार्ग से पोस्ट आफिस के पास से आबादी के अंदर जाने वाला इंटरलॉकिंग मार्ग पर महीनों पानी भरा रहता है। बरसात के मौसम में तो यह रास्ता झील बन जाता है जिसमें नावें डाली जा सकती हैं। इस समय भी इस रास्ते का यही हाल है।कई दिनों से रास्ते पर काफी दूरी तक गंदा पानी भरा हुआ है। वृहस्पतिवार की देर रात तथा शुक्रवार सुबह हुई बारिश से काफी मात्रा में पानी रास्ते पर होता हुआ घरों में भरने लगा है। इतना ही नहीं गजब तो तब हो गया जब इसी रास्ते के किनारे स्थित पुराने जर्जर गन्ना स्टोर के भवन की टूटी बाउंड्री वॉल को गन्ना विभाग द्वारा जेसीबी मशीन लगाकर गिरवाया गया।पता चला कि गन्ना विभाग इस जर्जर स्टोर को गिराकर फिर से नया भवन बनाने वाला है। जैसे ही स्टोर की बाउंड्री वॉल गिरायी गई वैसे ही तालाब में पड़ी सारी गंदगी व गंदा नालियों और बरसात का पानी बड़े वेग के साथ काफी दूरी तक लोगों के घरों के सामने व कुछ कम ऊंचाई वाले घरों में भरने लगा।पानी की कोई निकास न होने से वह अब भी काफी दूरी तक घरों के सामने भरा हुआ है।

किसी भी दिन हो सकता है जल सत्याग्रह

ग्रामीण इस जलभराव की समस्या से बेहद त्रस्त हो चुके हैं। ग्राम पंचायत से लेकर खण्ड विकास अधिकारी, उपजिलाधिकारी, जिलाधिकारी तथा मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायतें दर्ज कराने के बाद भी आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। जनप्रतिनिधियों से भी गुहार लगाई जा चुकी है लेकिन नतीजा सिफर। अब परेशान ग्रामीण इसी गंदे पानी में परिवारों सहित खड़े होकर जल सत्याग्रह करने को मजबूर होंगे।

खैराबाद में धूमधाम से मना 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर । खैराबाद अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर नगर पालिका परिषद खैराबाद द्वारा भूमिजा ऑडिटोरियम खैराबाद में सोग शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें योग शिक्षक ललित कुमार वर्मा द्वारा योग अभ्यास कराया गया। योग शिविर में मुख्य रूप से अंतर्राष्ट्रीय प्रोटोकाल के अनुसार योग आसन एवं प्रणयामक क्रिया करायी गयी। योग शिविर में प्रतिभाग करते हुए प्रसिद्ध समाजसेवी एवं अध्यक्ष प्रतिनिधि अभिषेक गुप्ता 'बब्लू भैया' द्वारा योग की महत्वता पर बल देते हुए। यह संदेश दिया गया कि, योग सभी के जीवन के लिये बहुत ही महत्वपूर्ण है। क्योकि यह शरीर और मन के बीच संबंधों को संतुलित करने में मदद करता है। जिससे हमारा शरीर और मन दोनों स्वस्थ रहते हैं और हम जीवन में एक सुखद अनुभूति होती है। योग शिविर में प्रेम शंकर गुप्ता अधिशासी अधिकारी मनोज कुमार राना सफाई एवं खाद्य निरीक्षक व सभासदगण एवं नगर के सम्भ्रांत नागरिक एंव जन सामन्य के साथ नगर पालिका के कर्मचारी उपस्थित रहे।

मछरेहटा सीएचसी में योग दिवस के बाद लगाये गये पौधे ,स्वस्थ जीवन का दिया संदेश

कैनविज टाइम्स संवाददात

मछरेहटा, सीतापुर। सामुदायिक स्वास्थ्य लाभ में डॉ कमलेश कुमार के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य कर्मचारियों के द्वारा योग कर स्वास्थ्य जीवन का संदेश दिया गया इस अवसर पर डॉ अमित श्रीवास्तव, डॉ अवनीश कुमार, डॉ विश्वविजय, डॉ ओ पी चौरसिया, बी के गुप्ता, नेत्र परीक्षण अधिकारी,डॉ विनोद यादव दंत स्वास्थ्य विज्ञानी, वासुदेव स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी, शंभू दयाल,फार्मासिस्ट, काजी इरशाद हुसैन, प्रभात दीक्षित, रूपेश कुमार,पवन सेठ, अविनाश कुमार लैब तकनीशियन, कामता प्रसाद पुष्पा देवी स्टॉप नर्स, साइबुलनिशा स्टॉप नर्स, राधा देवी , कल्पना देवी , आदि सैकड़ों स्वास्थ्य कर्मचारी उपस्थित रहे।पौधरोपण कर पर्यावरण दिया संदेशमछरेहटा सीएचसी में डॉ कमलेश कुमार के द्वारा 11 अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मछरेहटा परिसर में सहजन , सागौन, मोरंग पेड़ लगाकर स्वच्छ पर्यावरण का संदेश दिया डॉ कमलेश ने बताया कि माननीय प्रधान मंत्री व माननीय मुख्यमंत्री के निर्देशन में विशाल वृक्षारोपण किया जा रहा सभी आज जन से निवेदन है कि सभी लोग एक पेड़ मां के नाम जरूर लगाए क्योंकि जीवन मां से बढ़कर कुछ नहीं होता।

11वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर बच्चों सहित शिक्षक शिक्षिकाओं ने भी की योग क्रियाएं

बिसवां, सीतापुर । 11 वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर शनिवार को पूर्व माध्यमिक विद्यालय जहांगीराबाद में प्रधानाध्यापिका बेबी फिरदौस के साथ शिक्षिका शिवांगी सिंह,नसीम बेगम, प्रतिमा कुमारी व सहाना खातून ने स्वयं योग की क्रियाएं करते हुए बच्चों को योग कराया। उन्होंने व्यायाम के अलावा बच्चों को अनुलोम-विलोम, कपाल भारती व सूर्य नमस्कार आदि योग कराये। प्रधानाध्यापिका बेबी फिरदौस ने सभी को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और कहा कि आइये इस वर्ष की थीम ''योगा फॉर वन अर्थ,वन हेल्थ'' को जीवन में उतारें और शारीरिक, मानसिक व पर्यावरणीय स्वास्थ्य का संतुलन साधें। योग से जुड़ें, प्रकृति से जुड़ें और संपूर्ण स्वास्थ्य की ओर कदम बढ़ायें। इस मौके पर बच्चे बहुत खुश दिखे।

11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मिश्रीलाल मेमोरियल पब्लिक इंटर कॉलेज में आयोजित किया गया योगाभ्यास

मछरेहटा, सीतापुर। एक पृथ्वी एवं स्वास्थ्य के लिए 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पावन अवसर पर मिश्रीलाल मेमोरियल पब्लिक इंटर कॉलेज बेनीगंज में योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया विद्यालय के डायरेक्टर अश्वनी सिंह यादव ने मां सरस्वती जी का पूजन अर्चन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया विद्यालय के प्रधानाचार्य सर्वेश कुमार यादव ने बताया कि नियमित योग का अभ्यास करने से हमारे शारीरिक व मानसिक विकारों को दूर करने में निश्चित रूप से सहयोग करता है इस अवसर पर विद्यालय के प्राइमरी विभाग के प्रधानाचार्य देशराज यादव और शिक्षक शिवपाल सिंह बघेल ,मनोज कुमार शास्त्री, मोती शुक्ला ,कुलदीप कुमार यादव ,रामकुमार वर्मा, ,सुधीर कुमार दीक्षित,अंकित पांडेय , अतुल कुमार यादव, संतोष कुमार , नेकराम सिंह यादव, अंकित यादव,रामप्रसाद आदि ने योगाभ्यास किया।

खनकते सिक्कों में दम तोड़ता इंसाफ: एपेक्स हॉस्पिटल की लापरवाही ने ली एक और गरीब की जान

कैनविज टाइम्स संवाददात

सकरन, सीतापुर। सीतापुर जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की आड़ में चल रहे मौत के व्यापार ने एक और गरीब की सांसें छीन लीं। गैर-पंजीकृत एपेक्स हॉस्पिटल, जो पहले से ही तमाम विवादों में रहा है, अब सीधे तौर पर एक और मौत का जिम्मेदार बना है।ठेकेपुरवा निवासी दिनेश कुमार पाल (40) को इलाज के नाम पर कई दिनों से एपेक्स हॉस्पिटल में भर्ती किया गया था। परिजनों के अनुसार दिनेश की तबीयत लगातार बिगड़ती रही, लेकिन न तो इलाज में सुधार हुआ और न ही उसे किसी बड़े मेडिकल सेंटर के लिए रेफर किया गया। गुरुवार शाम करीब 5 बजे हॉस्पिटल में ही दिनेश ने दम तोड़ दिया।हैरानी की बात यह है कि मौत के बाद हॉस्पिटल प्रशासन ने परिजनों को बहलाने-फुसलाने, यहां तक कि पैसों का लालच देकर मामले को शांत करने की कोशिश की। यही नहीं, यह पहला मामला नहीं है–इसी तरह कुछ ही दिन पहले, लोनियनपुरवा निवासी 55 वर्षीय त्यागी लोधी की जान बाला जी हॉस्पिटल की लापरवाही के चलते चली गई थी।

स्वास्थ्य विभाग की नाकामी या सांठगांठ?

स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों में भारी आक्रोश है। सवाल उठ रहे हैं कि सीएमओ सीतापुर और जिला प्रशासन की आंखें आखिर कब खुलेंगी?क्या इन मौतों की जांच होगी?क्या गैर पंजीकृत हॉस्पिटलों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई होगी?क्या गरीबों की जान की कोई कीमत नहीं?आज सीतापुर में 'हॉस्पिटल' नहीं, मौत के अड्डे खुलकर संचालित हो रहे हैं। जिन अस्पतालों को जीवनदायी बनना था, वे आज मृत्यु के सौदागर बन बैठे हैं और प्रशासन खामोश तमाशबीन।

जनहित की मांग

एपेक्स और बाला जी हॉस्पिटल पर तत्काल क्क्ष्ट दर्ज कर लाइसेंस की जांच हो ,सीएमओ सीतापुर से जवाब तलब किया जाए कि अवैध संचालन कैसे हो रहा था, स्वास्थ्य मंत्री व मुख्यमंत्री तक यह मामला पहुँचे और जिम्मेदार अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए।

गरीब की जान कोई आंकड़ा नहीं

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार इलाज के नाम पर चल रहे अवैध हॉस्पिटलों में लूट के गोरखधंधे में क्षेत्रीय आशा बहुओं व उनके परिजनों,बीसीपीएम, बीपीएम व ए एन एम टीम मुख्य भूमिका निभा रही। गैर पंजीकृत प्रसव केंद्रों में भ्रूण हत्या जैसे जघन्य अपराधों को सरेआम अंजाम दिया जा रहा वहीं प्राइवेट अस्पतालो में मोटे कमीशन के खेल में मरीजों से अवैध वसूली तो की जाती है पर इलाज के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति ही होती है परिणाम स्वरुप बालाजी, अपैक्स जैसे हॉस्पिटलों में आए दिन मौतें हो रहीं।आखिर कब जागेगा स्वास्थ्य महकमा और कब होगी इन हॉस्पिटल संचालकों पर कार्यवाही के जवाब में क्षेत्रीय प्रबुद्ध वर्ग?

खीरी में उत्साह, उमंग, उल्लास से मना योग दिवस, जिलेभर में हुए कार्यक्रम

लखीमपुर खीरी ने देखा पीएम मोदी का प्रेरक संबोधन, हुई लाइव स्ट्रीमिंग , साधना को मिला सम्मान, योग प्रतियोगिता के विजेताओं को किया गया पुरस्कृत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी। ''एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य'' की थीम के साथ खीरी जनपद ने 11 वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 को उत्साह, उल्लास और उमंग के साथ मनाया। जिला मुख्यालय से लेकर ग्रामीण अंचलों तक योग की अनुभूति देखी गई। मुख्य कार्यक्रम कृषि उत्पादन मंडी समिति में आयोजित हुआ, जहाँ भारी संख्या में जनसामान्य, अधिकारी व जनप्रतिनिधि योगाभ्यास से जुड़े। योग दिवस के आयोजन ने जनपद को ऊर्जा, संतुलन और सामूहिक स्वास्थ्य का संदेश दिया। इसमें पीएम के कार्यक्रम की लाइव स्ट्रीमिंग देखी और सुनी गई। पूरे कार्यक्रम का सफल संयोजन क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ हरवंश कुमार ने किया।जिला प्रशासन एवं आयुष विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। दीप प्रज्वलन मा. राज्यमंत्री श्रीमती रजनी तिवारी, जनपदीय नोडल अधिकारी मिनिस्ती एस, राज्य महिला आयोग की सदस्य सुजाता कुमारी, डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, एसपी संकल्प शर्मा एवं सीडीओ अभिषेक कुमार द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका ऋतु अवस्थी ने किया।राज्यमंत्री ने नोडल अधिकारी, महिला आयोग सदस्य, डीएम-एसपी व सीडीओ के साथ योग प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया। जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों व नागरिकों ने मिलकर सामूहिक योगाभ्यास किया। योग प्रशिक्षक कुलदीप वर्मा ने रुचि शुक्ला, अमित शुक्ला, प्रिंस बरनवाल के साथ कॉमन योग प्रोटोकॉल, विभिन्न आसनों व प्राणायाम का अभ्यास कराते हुए नियमित योग का संकल्प दिलाया। शांति पाठ के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

योग से तन और मन रहता स्वस्थ, नियमित अभ्यास जरूरी : रजनी तिवारी

राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की वैश्विक पहल और दूरदृष्टि के परिणामस्वरूप आज अंतरराष्ट्रीय योग दिवस एक विश्वव्यापी आंदोलन बन चुका है। पूरी दुनिया में आज करोड़ों लोग एक साथ योग कर रहे हैं, और 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना को जीवंत कर रहे हैं। लखीमपुर खीरी में भी हम सभी ने एकजुट होकर योग किया। यह केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, संतुलन और एकता का उत्सव है। योग भारत की प्राचीन ऋषि परंपरा का वह अमूल्य उपहार है, जो तन को स्वस्थ, मन को शांत और आत्मा को ऊर्जावान बनाता है। यह जीवन को अनुशासन, सहनशीलता और आत्मिक बल से जोड़ता है।आइए, हम सब मिलकर पीएम मोदी के 'स्वस्थ भारत, सशक्त भारत' के संकल्प को आगे बढ़ाएं। नियमित योग को जीवनशैली में अपनाएं और अपने आस-पास के लोगों को भी इसके लिए जागरूक करें।

योग से बनेगा हर दिन बेहतर : मिनिस्ती एस

जनपदीय नोडल अधिकारी मिनिस्ती एस ने सभी जनपदवासियों को ''अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस'' की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि तन-मन को स्वस्थ रखना है तो योग को जीवन का हिस्सा बनाएं। योग न केवल शरीर को मजबूत करता है, बल्कि मानसिक शांति और संतुलन भी देता है।

योग सिर्फ व्यायाम नहीं, जीवन जीने की कला : डीएम

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि स्वस्थ शरीर, स्थिर मन और सशक्त आत्मा के लिए योग को जीवन का हिस्सा बनाएं। योग से व्यक्ति में साहस, करुणा और आत्मनियंत्रण जैसे गुण विकसित होते हैं। यह आज के तनावपूर्ण जीवन में सबसे प्रभावी उपाय है।सीडीओ अभिषेक कुमार ने कहा कि आज की भागदौड़ में योग ही है जो हमें भीतर से जोड़ता है। उन्होंने नोडल मंत्री, नोडल अधिकारी, राज्य महिला आयोग की सदस्य समेत योग में शामिल होने वाले सभी साधकों के प्रति आभार ज्ञापित किया।

शिव तांडव की गूंज पर योग का अद्भुत संगम

जिला मुख्यालय आयोजित भव्य कार्यक्रम में योगाचार्या प्रगति बरनवाल के कुशल निर्देशन में बच्चों ने शिव तांडव स्तोत्रम् की दिव्य धुन पर आकर्षक योग प्रदर्शन प्रस्तुत किया। हर आसन में समर्पण, लय और संतुलन की झलक दिखाई दी, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।यह प्रस्तुति योग, कला और भक्ति का अनुपम मेल बनकर कार्यक्रम की विशेष आकर्षण बनी।

लूट का खुलासा : नवविवाहिता से लूटे गहने दो आरोपी गिरफ्तार, दो अभी फरार

मैगलगंज खीरी। मैगलगंज पुलिस ने लूट के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में पंकज और छोटू शामिल हैं। पंकज सीतापुर के लहरपुर का रहने वाला है, जबकि छोटू खीरी के लोनियन पुरवा का निवासी है। घटना 6 जून को हुई थी, जब अनिकेत अपनी नवविवाहिता बहन प्रिंसी और छोटे भाई आदर्श के साथ मोटरसाइकिल से मितौली स्थित भिकनापुर से वापस आ रहे थे। दीक्षितपुर गांव के बाहर तीन लुटेरों ने उन्हें रोका और प्रिंसी के कान के दो कुंडल और गले का हार लूट लिया। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। 20 जून को पुलिस ने कठिना नदी पुल से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनके पास से 7,210 रुपये और घटना में इस्तेमाल की गई एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल बरामद हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने लूट की वारदात को कबूल कर लिया है। इस मामले में दो अन्य आरोपी रंजीत कुमार और अंशु तिवारी अभी फरार हैं। पुलिस टीमें उनकी तलाश में जुटी हैं। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है।

ईसानगर में जन्म प्रमाण पत्र शिविर अव्यवस्था ग्रामीणों का हंगमा

ईसानगर, लखीमपुर खीरी। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश पर जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल की अगुवाई में जिले भर में निःशुल्क जन्म प्रमाण पत्र शिविरों का आयोजन जनसुविधा के उद्देश्य से किया गया था। लेकिन खीरी जिले के ईसानगर विकासखंड में यह शिविर अव्यवस्था, लापरवाही और भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ता नजर आया। प्रशासनिक आदेशः मुख्य विकास अधिकारी द्वारा जारी पत्रांक संख्या 1731-33 (दिनांक 13 जून 2025) के तहत 17 से 20 जून तक सभी ब्लॉकों में विशेष शिविरों का आयोजन सुनिश्चित किया गया था, जिनका उद्देश्य जन्म प्रमाण पत्र की प्रक्रिया को सरल और निःशुल्क बनाना था। लोगों की भीड़, पर राहत नदारद : शिविर के अंतिम दिन शुक्रवार को ईसानगर शिविर स्थल पर सुबह से ही सैकड़ों लोग कतार में लगे रहे। महिलाएं छोटे बच्चों को गोद में लिए घंटों भूखी-प्यासी इंतजार करती रहीं, लेकिन उन्हें कोई ठोस सहायता नहीं मिल सकी। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ''जिनकी पहुँच ऊपर तक है'', केवल उन्हीं के आवेदन प्राथमिकता से लिए जा रहे हैं, जबकि आमजन की सुनवाई नहीं हो रही। शिविर में अवैध वसूली की शिकायतें भी सामने आईंःफॉर्म शुल्क के नाम पर 50 से 100 नोटरी प्रक्रिया हेतु 150,फॉर्म भरवाने के लिए 50 से 100 इसके अलावा कर्मचारियों द्वारा केवल एक विशेष प्रकार के ''तय फार्म'' को ही मान्य बताया गया, जिससे लोगों को बाहर से लाए गए फॉर्म अस्वीकार कर पुनः भुगतान कर नया फार्म खरीदने पर मजबूर होना पड़ा । जब दोपहर लगभग २ बजे मीडिया प्रतिनिधि शिविर स्थल पर पहुंचे, तो वहां कोई भी अधिकारी उपस्थित नहीं था। ब्लॉक कार्यालय का हाल भी कुछ ऐसा ही रहा। खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) धनप्राप्त यादव समेत अधिकांश कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। उनसे फोन पर संपर्क की कोशिश भी बेनतीजा रही। नामित शिविर प्रभारी खंड शिक्षा अधिकारी अखिलानंद से जब बात की गई, तो उन्होंने कहा कि शिविर में सब कुछ सामान्य रहा। यदि कोई शिकायत है तो देख लेंगे। यह बयान स्थिति की गंभीरता के प्रतिकूल और गैर-जिम्मेदाराना माना जा रहा है। स्थानीय नागरिकों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि ईसानगर शिविर की अव्यवस्था की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि भविष्य में ऐसे शिविरों का संचालन पारदर्शिता, जवाबदेही और जनहित को ध्यान में रखते हुए हो।यह घटनाक्रम केवल एक शिविर तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सरकारी सेवा तंत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार और लापरवाही की गहरी जड़ों की ओर इशारा करती है। यदि इस पर समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो आमजन का भरोसा प्रशासन से उठ सकता है।

तहसील समाधान दिवस सम्पन्न: मात्र 3 मामलों का हुआ निस्तारण, बाकी पर दिए गए निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

धौरहरा,खीरी। जिलाधिकारी के निर्देशानुसार शनिवार को तहसील धौरहरा में समाधान दिवस का आयोजन उपजिलाधिकारी राजेश कुमार की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। लगातार हो रही बारिश के चलते फरियादियों की उपस्थिति अपेक्षाकृत कम रही, लेकिन फिर भी न्याय की उम्मीद में पहुंचे लोगों ने अपनी शिकायतें अधिकारियों के समक्ष रखीं।इस समाधान दिवस में कुल 29 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 2 मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि एक अन्य मामले में आंशिक समाधान किया गया। शेष 27 शिकायतों को संबंधित विभागों को अग्रेषित कर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए।समाधान दिवस में उपजिलाधिकारी राजेश कुमार के साथ तहसीलदार आदित्य विशाल और पुलिस क्षेत्राधिकारी शमशेर बहादुर सिंह भी उपस्थित रहे परन्तु पुलिस क्षेत्राधिकारी ने बढ़ती शिकायतो के बावजूद शान्ति का अभयदान दिया।इस अवसर पर राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त शिकायतें सबसे अधिक रहीं। कुल दर्ज 29 मामलों में:राजस्व व पुलिस से संबंधित 9 संयुक्त शिकायतें दर्ज हुईं।शिकायत प्रकोष्ठ से पुलिस की 12 शिकायतें दर्ज की गईं, जो सबसे अधिक रहीं।विकास विभाग और नगर निगम से जुड़ी 2-2 शिकायतें प्राप्त हुईं।आपूर्ति विभाग से केवल 1 शिकायत दर्ज की गई।समाधान दिवस का समापन अपराह्न 2 बजे किया गया। उपजिलाधिकारी राजेश कुमार ने जानकारी दी कि, ल्ल्दो मामलों का निस्तारण मौके पर कर दिया गया है। शेष शिकायतों पर संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दे दिए गए हैं ताकि फरियादियों को शीघ्र न्याय मिल सके।

11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर नवीन मण्डी स्थल व पुलिस लाइन्स समेत सभी कार्यालयों में आयोजित हुआ योगाभ्यास

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी। 11वें ''अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस'' के अवसर पर नवीन मण्डी स्थल खीरी में योग शिविर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस मौके पर मा0 उच्च शिक्षा राज्यमंत्री उ0प्र0, रजनी तिवारी; उ0प्र0 विशेष सचिव; मिनिस्ती एस; राज्य महिला आयोग की सदस्य, सुजीता कुमारी; जिलाधिकारी खीरी, दुर्गा शक्ति नागपाल ; पुलिस अधीक्षक खीरी, संकल्प शर्मा, एवं मुख्य विकास अधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक खीरी सहित रिजर्व पुलिस लाईन्स तथा पुलिस कार्यालय के अधिकारी/कर्मचारीगण, पुलिस परिवारीजन के साथ साथ बड़ी संख्या में लोगों ने प्रतिभाग किया। योग शिविर के दौरान योग प्रशिक्षक द्वारा उपस्थित समस्त व्यक्तियों को योग के प्रति जागरुक करते हुए योगाभ्यास कराया गया। इस दौरान योग प्रशिक्षक द्वारा मानव जीवन में योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए नियमित रुप से योगाभ्यास करने हेतु प्रेरित किया गया। योग शिविर में पुलिसकर्मियों को शारीरिक व मानसिक रूप से फिट रखने के लिए योगाभ्यास कराया गया तथा बताया गया कि योग द्वारा न सिर्फ बीमारियों का उपचार किया जाता है,बल्कि इसे अपना कर कई शारीरिक एवं मानसिक कमियों को दूर कर तनावमुक्त रहा जा सकता है। स्वस्थ रहने के लिए नियमित रूप से योग को जीवन में अपनाना जरूरी है तथा तन और मन दोनों को सेहतमंद बनाए रखने के लिए नियमित रूप से दिनचर्या में योगासनों को शामिल करके लाभ प्राप्त किया जा सकता हैद्य जनपदीय पुलिस के समस्त थानों/चौकी तथा पुलिस कार्यालयों पर भी योग शिविर/कार्यशाला का आयोजन कर योगाभ्यास किया गया।

भारत ने योग को दिलाई अंतरराष्ट्रीय पहचान: राकेश सचान

प्रभारी मंत्री व जिलाधिकारी ने योग महाकुंभ में किया प्रतिभाग,भारत की महान सांस्कृतिक परंपरा का अभिन्न अंग है

धूमधाम से मनाया गया 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

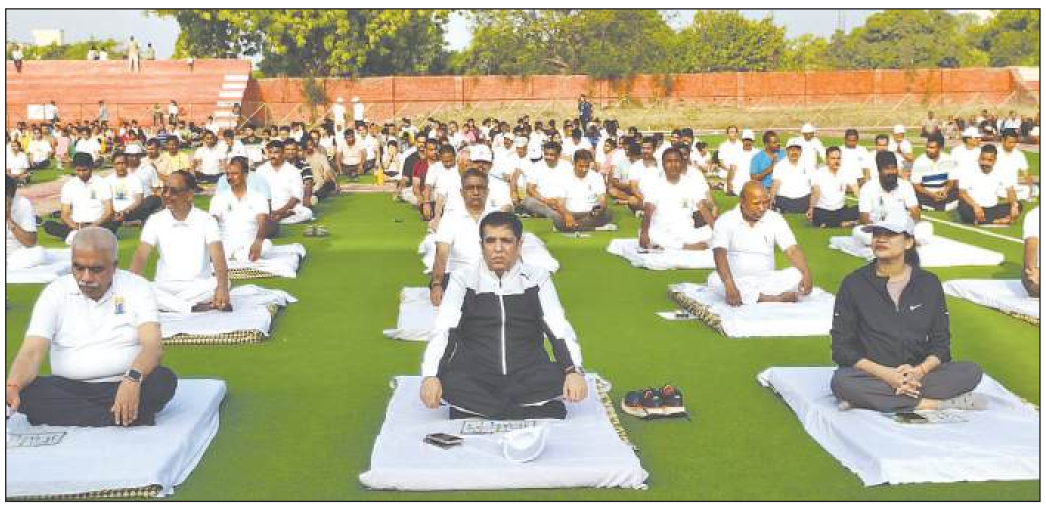

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। 11वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग महाकुंभ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जनपद प्रभारी/ कैबिनेट मंत्री प्रदेश सरकार राकेश सचान, नोडल अधिकारी वैभव श्रीवास्तव, विधायक सलोन अशोक कुमार, जिलाधिकारी हर्षिता माथुर व पुलिस अधीक्षक डॉ यशवीर सिंह ने जनपद स्तरीय अधिकारियों व आम जनमानस के साथ प्रोटोकॉल योगाभ्यास किया। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के अथक प्रयासों से योग को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली है। जिसके फलस्वरूप आज भारत के साथ पूरे विश्व के लोग अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योग कर रहें है। भारत ने पूरे विश्व को योगमय बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। योग भारत की महान सांस्कृतिक परंपरा का अभिन्न अंग है। योग भारत के ऋषि मुनि परंपरा की अमूल्य धरोहर है। योग का कोई जाति धर्म नहीं है यह मानव कल्याण के लिए है। योग को विश्व पटेल पर लाने में माननीय प्रधानमंत्री ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। संयुक्त राष्ट्र महासभा में 193 देश में से 177 देशों ने भारत का समर्थन किया। अब विश्व के सभी देशों में योग शिविर लगाए जाते हैं और प्रशिक्षण दिया जाता है। योग ना केवल स्वास्थ्य का साधन है बल्कि सामंजस्य और शांति का मार्ग है। आज के भौतिकवादी जीवन में योग मानसिक तनाव, अवसाद और चिंता से मुक्त करता है। जब पूरी दुनिया महामारी से जूझ रही थी तब योग ने लोगों को मानसिक शांति व बल दिया। भारत ने पूरे विश्व को योग से परिचित कराया। आज भारत विश्व पटल पर योगगुरू के रूप में जाना जाता है । उन्होंने इस अवसर पर लोगों से अपील किया कि योग को सिर्फ एक विशेष दिन के लिए ही नहीं बल्कि नियमित दिनचर्या में शामिल करें। साथ ही अपने खान-पान की शैली में भी सुधार करें।

डीएम ने दी योग दिवस की बधाई

जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने सभी को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की बधाई दी। लोगों से प्रतिदिन योग करने का आह्वान किया। उन्होंने ने कहा कि योग करने से शरीर स्वस्थ व निरोगी रहता है। योग को सहजता, सरलता व सजगता के साथ करना चाहिए। योग प्रशिक्षक डॉ रवि प्रताप सिंह के द्वारा प्रोटोकॉल के अनुसार मनमोहक ढंग से योग कराया गया।

मंत्री ने प्रतियोगिता में विजयी छात्र-छात्राओं को किया पुरस्कृत

प्रभारी मंत्री ने अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर चित्रकला,रंगोली, भाषण आदि प्रतियोगिताओं में प्रथम,द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र/छात्राओं को पुरस्कृत भी किया गया।

तेज रफ्तार मोटरसाइकिल सवार युवक गंभीर रूप से घायल

महराजगंज,रायबरेली। कोतवाली क्षेत्र के कस्बा महराजगंज में बछरावां रोड पर एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल सवार अनियंत्रित होकर गिर गया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया, घटना की जानकारी स्थानीय लोगों के द्वारा परिजनों को दी गई। घटनास्थल पर पहुंचे परिजनों ने घायल को सीएचसी पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। आपको बता दे कि, घटना बीते शुक्रवार की रात लगभग 9:30 बजे की है। टाउन एरिया महराजगंज के वार्ड नंबर 4 का रहने वाला प्रवीण कुमार (38) पुत्र कालिका प्रसाद मोटरसाइकिल से कस्बे बछरावां रोड पर कहीं जा रहा था, तभी उसकी मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो गई और वह मोटरसाइकिल समेत सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना परिजनों को दी, तत्काल मौके पर पहुंचे परिजन उसे लाद कर अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

एपीओ नितिन गुप्ता के संरक्षण में चल रहा मनरेगा मजदूरी हाजिरी का फर्जी खेल

खैराबाद कमलापुर। विकासखंड खैराबाद के अंतर्गत एपीओ मनरेगा की संरक्षण में मजदूरी हाजिरी का फर्जी खेल खेला जा रहा है।को , ग्राम पंचायत भगवतीपुर के गांव बिहारीपुर में इब्राहिम के घर के सामने तालाब का जीर्णोद्धार कार्य पर 50 मजदूरों की ऑनलाइन हाजिरी लगाई जा रही है। जबकि मौके पर मात्र 10 से 15 मजदूर ही कार्य करते हैं। जब इस विषय पर जानने के लिए खंड विकास अधिकारी खैराबाद एवं पंचायत सचिव व एपीओ को फोन लगाया गया।तो किसी का फोन नहीं उठ सका। एपीओ नितिन गुप्ता का कहना है कि जो कुछ लिखना पढ़ना है आप लोग लिख पढ़ कर कार्यवाही करा दीजिए। धरातल पर हुए कार्य व ऑनलाइन अपलोड की गई फोटो भारी फर्जीवाड़े की गवाही साबित हो रही है। एक ही फोटो प्रत्येक मास्टर रोल पर अपलोड की जा रही है। मास्टर रोल पर उपस्थित फोटो एवं अंकित मजदूरों के नाम में महिला पुरुष का भी जमकर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। इतना ही नहीं कुछ पंचायतों में शाम को 5:00 के बाद ऑनलाइन पोर्टल पर मजदूरों की उपस्थिति अपलोड की जा रही है। कहीं-कहीं पंचायतों में कार्यरत पंचायत मित्र का प्रधान व सचिव से साठ-गांठ न मिल पाने के कारण कार्य मुक्त रखा गया है। लेकिन प्रतिमाह मानदेय निकाला जा रहा है। सवाल यह है। भ्रष्टाचार मुक्त सरकार आखिर इन महा भ्रष्टाचारी पालनहारों पर लगाम लगाने में विफल क्यों साबित हो रही है।

मुख्यमंत्री माटीकला ग्रामोद्योग रोजगार योजना के लाभ के लिये करें सम्पर्क

रायबरेली। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी संतोष कुमार गौतम ने बताया है कि प्रजापति समाज (मिट्टी का काम करने वाले) की आर्थिक स्थिति सुदृढ करने के लिए राज्य सरकार द्वारा राजस्व विभाग से मिट्टी निकालने हेतु प्राप्त पट्टा धारकों/परम्परागत कारीगरों (कुम्हारों) को आसान किस्तों में बैंकों के माध्यम से ऋण भी उपलब्ध कराया जायेगा। प्लास्टिक और थर्माकोल से बने पात्रो मे खाद्य वस्तुओं का सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। तथा पर्यावरण के लिए भी नुकसान दायक है। जिसके लिए उप्र सरकार भी प्लास्टिक का चलन रोकने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके स्थान पर मिट्टी के बर्तनो को बढ़ावा देने से प्रदूषण में कमी के साथ ही कुम्हारी कला से जुडे परिवारो की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। खादी ग्रामोद्योग विभाग से माटीकला बोर्ड की ओर से शुरू की गयी मुख्यमंत्री माटीकला ग्रामोद्योग रोजगार योजना के तहत विभिन्न प्रकार के मिट्टी के बर्तन बनाने और बेचने का कार्य करने हेतु मु0 10 लाख रुपये तक का ऋण बैंक द्वारा दिलाया जाएगा। इसमें लाभार्थी को 5 प्रतिशत अंशदान स्वयं लगाना होगा तथा प्रोजेक्ट पर 95 प्रतिशत तक की धनराशि ऋण के रूप में बैंकों द्वारा स्वीकृत होगी। जिसमे कार्यशील पूंजी को छोड़कर शेष पूंजीगत ऋण धनराशि पर 25 प्रतिशत तक की धनराशि लाभार्थियों को मार्जिन मनी के रूप में अनुदान स्वरूप प्राप्त होगी। यह धनराशि तीन वर्ष बाद ऋण खाते मे कार्य करने की दशा में समायोजित होगी। इच्छुक अभ्यर्थी महिला/पुरुष अपने निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, फोटो, शैक्षिक योग्यता आदि प्रपत्रों के साथ अपना आवेदन जिला ग्रामोद्योग कार्यालय पुरानी तहसील रायबरेली में कर सकते है। अधिक जानकारी हेतु जिला ग्रामोद्योग अधिकारी के मो0-7408410810 एवं आनंद कुमार के मो0-8318013131 पर सम्पर्क कर सकते है।

महाराजगंज तहसील में आये 38 शिकायती पत्र में से पांच का किया गया निस्तारण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

महराजगंज,रायबरेली। तहसील सभागार में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस एसडीएम सचिन यादव की अध्यक्षता संपन्न हुआ। इस दौरान कुल 38 शिकायती पत्र आए जिसमें अधिकांश राजस्व विभाग से 20 इसके बाद पुलिस से संबंधित 16 दो अन्य रहे पांच शिकायतों का मौके पर ही निपटारा कर दिया गया। इस दौरान आलिमगंज मजरे ज्योना में लेखपाल की शह पर गुरुवार को दबंगों द्वारा दीवार गिरा देने का मामला एक बार फिर गूंजा गांव निवासी हरीराम और अमरेंद्र ने एसडीएम को प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि विपक्षियों ने जबरन रास्ता बनाना के इरादे से लेखपाल की शह पर दीवार गिरा दिए हैं लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई एसडीएम जांच कराकर कार्रवाई का आश्वासन दिया।इसके आलावा पाली के रहने वाले हरी राम पुत्र उदयराज ने एसडीएम को बताया कि वह ग्राम पंचायत सदस्य है, इसके बावजूद ग्राम पंचायत में होने वाली किसी भी बैठक या फिर प्रस्ताव की जानकारी उसे नहीं दी जाती है, उसने आय व्यय से जुड़ी जानकारी की मांग के आलावा प्रस्ताव और बैठक फर्जी हस्ताक्षर होने की आशंका व्यक्त करते हुए जांच कराए जाने की मांग की इस पर एसडीएम ने बीडीओ वर्षा सिंह को जांच के निर्देश दिए।इस दौरान तहसीलदार मंजुला मिश्रा बीडीओ बछरावां शिवबहादुर सिंह सहित आदि मौजूद रहे।

डीएम के आदेश पर मात्र चार घंटे में मिला पट्टा आवंटन प्रमाण पत्र

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। डलमऊ में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने तहसील दिवस में आई दो महिला फरियादियो की समस्या को सुनकर मात्र चार घंटे में उनको आवासीय पट्टे का आवंटन उपजिलाधिकारी फरीद अहमद खान से करवाया।वृद्ध महिला रामकली पत्नी स्व. चौबेलाल निवासी थुलरई व निराश्रित महिला मंजू पत्नी कमलेश निवासी नरेंद्रपुर ,आज के दिन दोनों बेसहारा निराश्रित महिला समाधान दिवस में जिलाधिकारी के सामने अपनी समस्या लेकर आईं। फरियादियों की समस्या को सुनकर जिलाधिकारी के आदेश के बाद मात्र चार घंटे में पट्टा आवंटन प्रमाणपत्र उपजिलाधिकारी व तहसीलदार ने दिया।आवासीय पट्टा प्राप्त होने के बाद दोनों निराश्रित महिलाओं ने जिलाधिकारी के शतायु होने की कामना की।

अवैध बस अड्डे का खुलेआम संचालन परिवहन विभाग बना मूकदर्शक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मियाँगंज, उन्नाव। आसीवन थाना क्षेत्र के अंतर्गत परिवहन विभाग की शह के चलते जगह जगह अवैध बस अड्डो का संचालन बदस्तूर जारी। प्रदेश मुखिया के सख्त आदेश को नजर अंदाज करके रुपये कमाने के चक्कर में जगह जगह चलवाये जा रहे हैं अवैध बस अड्डे। जबकि बस अड्डो के चंद कदमों की दूरी पर स्थित है पुलिस पिकेट। थाना क्षेत्र के कस्बा मियॉगंज चौराहे पर परिवाहन विभाग की मूक सहमति से सात अवैध बस अड्डे संचालित हो रहे हैं।जहां से चंडीगढ़, लुधियाना, पंजाब, अमृतसर, कुरुक्षेत्र, सोनीपत, पानीपत, पटियाला,करनाल, दिल्ली के लिए डबल डेकर बसों द्वारा सवारियों को लाने और ले जाने का काम किया जा रहा है। बस से सफर करने वाले यात्रियों से मनमाने ढंग से किराया वसूला जा रहा है, जिसमें राजस्व की हानि पहुंचाने का काम किया जा रहा है, क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि जब मुख्यमंत्री द्वारा अवैध बस अड्डों के संचालन पर प्रतिबंध लगाया गया है तो फिर अवैध बस अड्डों का संचालन कैसे चल रहा है। इसमें यह प्रतीत होता है कि परिवाहन विभाग मुख्यमंत्री के आदेश को नहीं मानते हैं। आखिर कब तक इसी तरह अवैध बस अड्डे और अवैध वसूली का खेल चलता रहेगा। क्षेत्रीय लोगों ने कहा कि क्षेत्र के लोगों से पूंछताछ की जाए तो पता चलेगा कि किस -किस को अवैध बस अड्डों से पैसा जाता है।सब कुछ उजागर हो जाएगा। पैसे के बल पर अवैध बस अड्डे धड़ल्ले से संचालित हो रहे हैं। परिवहन विभाग की शह से बस संचालकों के दिन प्रतिदिन हौंसले बुलंद होते जा रहे हैं। और क्षेत्रीय प्रशासन भी जान बूझ कर अनजान बने बैठे हुए है।

पहली ही बारिश में ध्वस्त हुई मटेहनी गांव की नवनिर्मित सड़कें

ग्रामीणों ने जताया आक्रोश, सड़क नहीं बनी तो होगा आन्दोलन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

ईशानगर, खीरी। जिले के विकासखंड धौरहरा अंतर्गत ग्राम पंचायत मटेहनी के मजरा शाहपुरवा में पहली ही बरसात ने सरकारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की पोल खोल दी है। हाल ही में बनी सड़कों पर जल निकासी की कोई व्यवस्था न होने के कारण पूरे रास्ते में घुटनों तक पानी भर गया, जिससे यह सड़कें किसी तालाब का रूप ले चुकी हैं। ग्रामीणों का गुस्सा इस बदहाली पर फूट पड़ा और उन्होंने विरोध प्रदर्शन कर जिम्मेदारों के खिलाफ नारेबाजी की।नालियों के अभाव में सड़क पर भरा पानीग्रामीणों ने बताया कि गांव में पहले से ही वर्षों पुराना खड़ंजा बिछा हुआ था, जो अब जर्जर हो चुका है। उस पर बिना समुचित योजना के सड़क निर्माण करा दिया गया, लेकिन जल निकासी की कोई व्यवस्था नहीं की गई। नतीजतन, पहली बारिश में ही सड़कें जलमग्न हो गईं। इससे राहगीरों, खासकर स्कूली बच्चों और बुजुर्गों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।बीमारियों का बढ़ा खतरास्थानीय लोगों का कहना है कि जलभराव की स्थिति से मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है और गांव में डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा मंडराने लगा है। कई घरों में बच्चे पहले ही बुखार से पीड़ित हैं, लेकिन स्वास्थ्य विभाग की ओर से अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है।ग्राम प्रधान और अधिकारियों पर लगाए आरोपग्रामीणों ने ग्राम प्रधान पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि वे कभी भी गांव की वास्तविक स्थिति देखने नहीं आते। वहीं, विकासखंड धौरहरा के अधिकारियों पर भी अनदेखी का आरोप लगाया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि बार-बार शिकायत के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।मनरेगा कार्यों में भ्रष्टाचार का आरोपसूत्रों के अनुसार, मनरेगा योजना के अंतर्गत कराए गए निर्माण कार्यों में भारी भ्रष्टाचार हुआ है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कई मजदूरों की बिना काम किए फर्जी हाजिरी लगाकर भुगतान कर दिया गया है। लोगों का कहना है कि वे इस पूरे मामले की लिखित शिकायत जिलाधिकारी और संबंधित उच्च अधिकारियों से करेंगे तथा दोषियों के खिलाफ जांच और कार्रवाई की मांग करेंगे।क्या कहते हैं जिम्मेदार?इस संबंध में जब स्थानीय प्रशासन से बात की गई तो उन्होंने मामले की जानकारी होने से इनकार किया और कहा कि यदि कोई शिकायत मिलती है तो जांच कराई जाएगी। ग्रामीणों को अब उम्मीद है कि मीडिया और उच्च अधिकारियों के संज्ञान में मामला आने के बाद गांव की समस्याओं पर ध्यान दिया जाएगा।

'एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य'' की थीम पर आयोजित हुआ अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

प्रधानमंत्री जी के कार्यक्रम का हुआ सजीव प्रसारण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच । देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की प्रेरणा तथा मा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के मार्गदर्शन में भारत की परम्परागत विरासत योग को जन-जन के आरोग्य का माध्यम बनाये जाने के उद्देश्य से ''एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य'' की थीम पर 11वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर इन्दिरा गॉधी स्पोर्टस स्टेडियम में विशाल सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सांसद बहराइच डॉ आनंद कुमार गोंड़, सदस्य विधान परिषद डॉ प्रज्ञा त्रिपाठी व पद्मसेन चौधरी, विधायक सदर श्रीमती अनुपमा जायसवाल ने शासन द्वारा नामित नोडल अधिकारी प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा महेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, जिलाधिकारी मोनिका रानी, विधायक पयागपुर सुभाष त्रिपाठी के प्रतिनिधि निशंक त्रिपाठी, विधायक बलहा श्रीमती सरोज सोनकर के प्रतिनिधि आलोक जिंदल, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों व अन्य अधिकारियों के साथ भगवान धन्वंतरि के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण से कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ।कार्यक्रम में सर्वप्रथम विशाखापट्टनम से प्रसारित मा. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के उद्बोधन का सजीव प्रसारण किया गया जिसे सभी उपस्थित लोगों द्वारा पूरी तन्मयता के सुना व देखा गया। मा. प्रधानमंत्री ने अपने सम्बोधन में सम्पूर्ण विश्व से योग से जुड़ने का आहवान किया। उन्होंने कहा कि विश्व में अशांति का माहौल है, इस अशांति को हम योग से नियंत्रित कर सकते हैं। योग हमें व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर उठाकर समष्टिगत बनाता है। योग में वह शक्ति है जो हमें ''मै'' से ''हम'' बना देती है। उन्होंने कहा कि योग हमारी वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा को पुष्ट करता है। योग को हम स्वयं तक सीमित न रखकर जन सामान्य के लिए सहज और सरल बनाएं।इन्दिरा गॉधी स्पोर्टस स्टेडियम में नगर के आयुष चिकित्सालय में कार्यरत योग प्रशिक्षक जय प्रकाश वर्मा के नेतृत्व में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों, गणमान्य व संभ्रान्तजन, प्रबुद्धजन, शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं, खिलाड़ियों, मीडिया प्रतिनिधि, मनरेगा के श्रमिक, आंगनबाड़ी कार्यकत्री, स्वास्थ्य वर्कर, विभिन्न स्वैच्छिक एवं स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों, ब्रहमकुमारी संस्था की दीदीयों, निशक्तजनों के साथ-साथ बड़ी संख्या में आमजन द्वारा निर्धारित प्रोटोकाल के साथ योगाभ्यास कर स्वयं के साथ-साथ अपने परिजन एव समाजं को स्वस्थ व निरोग रखने का संकल्प लिया गया। योगाभ्यास कार्यक्रम में सरल आसनो व प्राणायाम को सम्मिलित कर अभ्यास कराया गया ताकि लोग अपनी व्यस्ततम जीवन शैली में योगाभ्यास कर स्वयं और समाज को स्वस्थ रख सकें।योगाभ्यास कार्यक्रम की विशेषता रही कि नेशनल ओलम्पियाड में खेल चुके प्राथमिक विद्यालय अजीजपुर, फखरपुर के बच्चो ने सांगीतिक योग प्रदर्शन कर सभी का मन मोह लिया। आयुष्मान अरोग्य मंदिर नंदवल में तैनात योग प्रशिक्षक विवेकानंद ने लगातार 45 मिनट तक सूर्यनमस्कार कर कीर्तिमान स्थापित किया। कार्यक्रम के अन्त सभी अतिथियों को आयुष विभाग की ओर से स्मृति चिन्ह के रूप में पौधा भेंट किया गया।

संपूर्ण समाधान दिवस : डीएम ने फरियादियों की सुनी समस्याएं

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी। संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर तहसील सदर के लोक सभागार में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, एसपी संकल्प शर्मा और सीडीओ अभिषेक कुमार ने जहां एक ओर फरियादियों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं, वहीं दूसरी ओर ग्क्ष् योजना के अंतर्गत पाँच चयनित लाभार्थियों को गुड़ उत्पादन की टूलकिट प्रदान कर स्वरोजगार की दिशा में प्रेरित किया।जनसुनवाई के दौरान डीएम व एसपी ने अन्य अधिकारियों के साथ प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लिया और स्पष्ट निर्देश दिए कि जनशिकायतों की निष्पक्ष जांच कर समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने अधिकारियों से कहा कि शासन की प्राथमिकताओं में जनसमस्याओं का समाधान सर्वोपरि है। गरीब एवं जरूरतमंद व्यक्तियों की समस्याओं का संवेदनशीलता से तुरंत समाधान करते हुए उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि शिकायतकर्ताओं की भावनाओं का सम्मान करते हुए संतोषजनक निस्तारण करें और भूमि विवादों में राजस्व-पुलिस की संयुक्त टीम तत्काल कार्यवाही करे। उन्होंने दो टूक कहा कि किसी भी स्तर की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी।इस समाधान दिवस में कुल 72 शिकायती प्रार्थना पत्र पंजीकृत हुए, जिनमें से 7 का मौके पर निस्तारण किया गया। प्राप्त शिकायतों में राजस्व विभाग की 25, पुलिस विभाग की 17, विकास विभाग की 07, नगर निकाय की 08, आपूर्ति विभाग की 05, विद्युत विभाग की 06 और कृषि विभाग की 04 शिकायतें शामिल रहीं। सभी प्रार्थना पत्रों को पृष्ठांकित कर संबंधित विभागों को शीघ्र निस्तारण हेतु सौंपा गया। इस दौरान सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता, एसडीएम अश्विनी कुमार सिंह, सीओ सिटी रमेश कुमार तिवारी, पीडी एसएन चौरसिया सहित जनपदीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सड़क बनी तालाब,छात्र पंचायत के कार्यकर्ताओ ने नहाकार जताया विरोध

इटियाथोक– बाबागंज मार्ग सड़क बनी विश्व का सबसे बड़ा वाटर पार्क, कुंभकर्णी के नींद में प्रशासन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। जिले के मेहनौन विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत इटियाथोक- बाबागंज रोड पूरी तरह से तालाब मे तब्दील हो गई है।बीस किलोमीटर की लम्बी सड़क पूरी तरह से टूटकर ध्वस्त हो चुकी है।बरसात के बाद इस सड़क पर जगह-जगह मौजूद गड्ढों मे की चड व गन्दा पानी जमा हो गया है।लोगो के आवा गमन मे भारी समस्या आ रही है।शनिवार को राष्ट्री य छात्र पंचायत के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओ ने सदाशिव पंडित पुरवा के पास सड़क पर भरे गंदे पानी मे नहाकार विरोध जताया और शंख बजाकर जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों व विभाग का ध्यान इस बड़ी समस्या को आकर्षित कराया है।सड़क पर पा नी में मौजूद राष्ट्रीय छात्र पंचायत के कार्यकर्ताओं व ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर टेंडर नहीं सड़क चाहिए आदि जोरदार नारे लगाए है।कार्यक्रम की अगुवाई कर रहे छत्र पंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवम पा ण्डेय ने कहा की यह काफी व्यस्त सड़क है और रोज हजारों लोगो का आना जाना रहता है।इधर से अनेक विद्यालय व कॉलेज के विद्यार्थियों और शि क्षकों सहित स्कूल के वाहनो का आवागमन रहता है।क्षेत्र के तमाम दूकानदार व आम जनमानस भी हरदिन इस टूटी फूटी सड़क का उपयोग करते है। क्षतिग्रस्त रोड की वजह से वाहनो को भारी नुकसा न हो रहा है और बाईक व साईकिल सवार राहगीर अक्सर गिरकर चोटिल भी हो रहे है।यह सड़क पि छले कई वर्षो से खराब है और इसका टेंडर भी क ई बार निकला व रद्द हो चूका है।शिवम पांडेय ने कहा की हम इसके पूर्व में भी इस सड़क की सम स्या को लेकर आंदोलन प्रदर्शन कर चुके हैं लेकिन जिला प्रशासन कुंभकर्णी की नीद में सोया हुआ है,और वह इस विषय पर ध्यान नहीं दे रहा है।यह पू री सड़क अब बरसात के बाद तालाब बन चुकी है।राष्ट्रीय छात्र पंचायत के अध्यक्ष ने कहा की इसी को लेकर हम सभी लोग ''विश्व के सबसे बड़े वाटर पार्क'' में स्नान किये हैं।इसमें स्नान करने के पश्चात हम सभी लोगों ने यहाँ पर शंखनाद के माध्यम सेसोए हुए जिला प्रशासन को जागने और सूबे के मु ख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक अपनी बात पहुंचा ने का प्रयास किया है ताकि उनके कानों तक हमा री बात पहुंच जाए कि गोंडा जिले के मैहनोंन विधा नसभा क्षेत्र में कोई सड़क है कि अब वाटर पार्क में तब्दील हो चुकी है।हम सबकी मुख्यमंत्री से मांग है की यह रोड जल्द से जल्द बनवा दिया जाए या फि र इसको विश्व का सबसे बड़ा वाटर पार्क घोषित करवा दिया जाए।उन्होंने कहा की अगर हमारी यह मांग नहीं मानी गई तो हम लोग दिन प्रतिदिन इस रोड पर विभिन्न कार्यक्रम करते रहेंगे,जिसकी पूरी जिम्मेदारी गोंडा जिला प्रशासन की होगी।वही युगां क मिश्रा ने बताया की इस सड़क पर जो हम लोग गंदे पानी से नहा रहे हैं,यह गंदा पानी हमारे ऊपर नहीं बल्कि सडे हुए सिस्टम व शासन प्रशासन के ऊपर पड़ रहा है।शासन ने अपनी आंख,नाक व कान सब बंद कर ली है।उन्हें इस रोड की दुर्दशा नहीं दिखाई दे रहा है,ना हम सबका दर्द उन्हें सुनाई दे रहा है और ना वह कुछ बोलने के लिए तैयार हैं जो की बड़े दुख की बात है।सड़क की मांग कर व हाँ पर मौजूद रंजीत दुबे,उमेश यादव,योगेश वर्मा, पंकज,साहबान,रहीश, अशफाफ,साहिल, रहीश, दीपक,वाजिद सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

गाँव की चौपाल में डीएम के आने से पहले दो पक्षों में भिड़ंत,पांच हिरासत में

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। जिले के नवाबगंज क्षेत्र स्थित तुलसीपुर मा झा गांव में शनिवार को उस समय हंगामा हो गया जब डीएम की चौपाल शुरू होने से पहले वर्चस्व की होड़ में दो पक्ष आमने-सामने आ गए।बात इत नी बढ़ गई कि दोनों ओर से मारपीट शुरू हो गई। मामले की सूचना जिला अधिकारी तक पहुंची तो पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पांच लोगों को हिरासत में लिया।थानाध्यक्ष अभय सिंह ने बताया कि ग्राम प्रधान प्रतिनिधि लालजी सिंह और अनिल सिंह के बीच पहले तीखी बहस हुई, जो बाद में हाथापाई में बदल गई। यह सब तब हुआ जब जिला अधिकारी नेहा शर्मा की चौपाल शुरू होने ही वाली थी।समय रहते पुलिस ने हस्त क्षेप कर स्थिति को नियंत्रण में लिया।

गांव में पुलिस बल की तैनाती

जैसे ही जिलाधिकारी को घटना की जानकारी दी गई,उन्होंने मौके पर उचित कार्रवाई करने के निर्दे श दिए।थानाध्यक्ष के अनुसार,शांति भंग की आशं का में पांच लोगों को हिरासत में लिया गया है। सा थ ही क्षेत्र में किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। पुलिस कर्मी लगातार गांव में गश्त कर रहे हैं ताकि माहौल शांत बना रहे।

11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आईजी ने योग शिविर में किया योगाभ्यास

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक देवीपाटन परिक्षेत्र गोण्डा अमित पाठ क एवं पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल की उप स्थिति में रिजर्व पुलिस लाइन गोण्डा में योगाभ्यास शिविर का आयोजन किया गया।इस अवसर पर अधिकारी,कर्मचारीगण व प्रशिक्षु आरक्षियों सहित भारी संख्या में पुलिस बल के सदस्यों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।

योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में उपस्थित सभी अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा विभिन्न प्रकार के योगासनों यथा-वज्रासन, मत्स्या सन, वक्रासन, हलासन, पवन मुक्तासन, नौकासन, श वासन,धनुरासन,भुजंगासन आदि योगों का अभ्या स किया गया।इस दौरान पुलिस महानिरीक्षक अ मित पाठक द्वारा योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा गया कि ''योग भारतीय संस्कृति की अमू ल्य धरोहर है,यह न केवल हमारे शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मानसिक शांति,अनुशासन और आत्म-संयम भी प्रदान करता है।पुलिस बल जैसे चुनौतीपूर्ण कार्यक्षेत्र में योग अत्यंत उपयोगी है तथा सभी को नियमित रूप से योग को जीवन में अपना कर स्वस्थ रहने चाहिए।कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिसकर्मियों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाना तथा उनके तनाव प्रबंधन को सहयोग प्रदान करना रहा।अंत में सभी उपस्थित जनों ने ''नियमित योग, निरोग जीवन'' का संकल्प लिया और एकजुट होकर देश की सेवा में अपने कर्तव्यों का पालन करने की प्रतिबद्धता दोहराई। 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम ल्लएक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योगङ्ख है,जिसका तात्पर्य यह है कि योग सिर्फ व्यक्तिगत स्वास्थ्य तक सीमित न हीं,बल्कि पर्यावरणीय जागरूकता और सामाजिक सामंजस्य का एक शक्तिशाली माध्यम है।और वैश्वि क स्तर पर मानवता और प्रकृति के बीच संतुलन की चेतना जगाती है,साथ ही व्यक्तिगत स्वास्थ्य को पर्यावरणीय जिम्मेदारी से जोड़ती है।इस अव सर पर अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी राधेश्याम राय,क्षेत्राधिकारी लाइन शिल्पा वर्मा,प्रतिसार निरी क्षक,समस्त शाखा प्रभारी व अन्य पुलिस के अधि कारी कर्मचारीगण मौजूद रहे।

सामूहिक योगाभ्यास का भव्य आयोजन,प्रभारी मंत्री बने हिस्सा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। जब पूरा देश 11 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रंग में रंगा है तो गोंडा वही जिले ने भी इस मौके को धूमधाम से मनाया गया गोंडा मेडिकल कॉलेज के सभागार में सामूहिक योगाभ्यास का भव्य आ योजन हुआ,जिसमें योग के जोश ने सबको एकजु ट कर दिया है।कार्यक्रम की शुरुआत जिले के प्रभा री मंत्री दारा सिंह चौहान,नोडल अधिकारी कंचन वर्मा,जिलाधिकारी नेहा शर्मा,मुख्य विकास अधि कारी अंकित जायसवाल ने दीप प्रज्वलन के साथ की,इस मौके पर हजारों मेडिकल स्टूडेंट्स,जिला स्तरीय अधिकारी और स्थानीय लोग मौजूद रहें। जिन्होंने योग के जरिए सेहत और एकता का संदेश दिया है।योग शिक्षक आदर्श ने मंच संभाला और कैबिनेट मंत्री से लेकर स्टूडेंट्स तक,सभी को अल ग-अलग योगासनों की बारीकियां सिखाईं है,प्रभरी मंत्री दारा सिंह चौहान ने भी पूरे उत्साह के साथ योग किया है इस साल की थीम ''एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग'' पर आधारित आयोजन ने सभी को एक स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया है योग सत्र के दौरान कुछ अधिकारियों और मौजूद लोगों ने पहली बार जटिल आसनों को आ जमाया है।इस दौरान मीडिया से बात करते हुए प्र भारी मंत्री दारा सिंह चौहान ने सभी लोगों को अंत र्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं दी है।वहीं स पा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने सीएम योगी आदि त्यनाथ के डी-कंपनी वाले बयान पर तीखा पलट वार किया है इस पर प्रभारी मंत्री दारा सिंह चौहान ने पत्रकारो के सवालों का जवाब देते हुए कहा,जब पूरा देश योग के रंग में डूबा है,तब कुछ लोग डी-कं पनी की बात कर रहे हैं सीएम योगी का निशाना ह मेशा उन लोगों पर रहता है,जो प्रदेश की राजनीति को दूषित करने की कोशिश करते हैं।वहीं,मौलाना शहाबुद्दीन के बयान पर भी प्रभारी मंत्री दारा सिंह चौहान ने कहा कि हमारी सरकार न तो जाति देख ती है,न धर्म योग सबके लिए है,और यह एकता औ र स्वास्थ्य का प्रतीक है योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य देन है,जो तन,मन और आत्मा को संतुलित कर स्वस्थ जीवन की राह दिखाता है।

मार्ग दुर्घटना में युवक की मौके पर मौत, दो की हालत गंभीर

कैसरगंज,बहराइच। थाना कैसरगंज अंतर्गत लखनऊ बहराइच राजमार्ग स्थित अपेक्स इंटरनेशनल स्कूल के निकट बस ने मोटरसाइकिल सवार को पीछे से टक्कर मार दी जिसमें मोटरसाइकिल सवार को बस रगड़ते हुए 50 मीटर दूर खींच ले गई जिससे मोटरसाइकिल सवार की मौके पर मौत हो गई प्राप्त जानकारी के अनुसार जरवल कस्बा से कैसरगंज आ रही मोटरसाइकिल पर बैठे तीन व्यक्ति को पीछे से अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिससे मोटरसाइकिल पर सवार मोहम्मद नादिर पुत्र अब्दुल कादिर उम्र लगभग 40 वर्ष निवासी रुकनापुर खुर्द थाना फखरपुर की मौके पर मौत हो गई जबकि पीछे बैठे आसिफ पुत्र सरफुद्दीन और सुफियान पुत्र सिराजुद्दीन निवासी रुकनापुर खुर्द थाना फखरपुरगंभीर रूप से घायल हो गए स्थानीय लोगों की मदद से गंभीर रूप से घायल आसिफपुत्र सरफुद्दीन को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कैसरगंज लाया गया जहां हालत गंभीर होने पर जिला चिकित्सालय रेफर कर दियाघटना की सूचना पाते ही थाना प्रभारी कैसरगंज दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया ।

107 शिकायतों में से सिर्फ चार का निस्तारण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। जिले की कर्नलगंज तहसील में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया।जिसमे करनैलगंज में 107 शिकायतें आईं।मौके पर सिर्फ चार शिकायत का निस्तारण हो सका।डीएम और एसपी ने अफसरों को सख्त चेतावनी दी कि शिकायतों का निस्तारण कागज पर नहीं ब ल्कि धरातल पर दिखना चाहिए।यदि शिकायत क र्ता संतुष्ट नहीं है तो शिकायत को निस्तारित नहीं माना जाएगा करनैलगंज तहसील में जिलाधिकारी नेहा शर्मा पुलिस अधीक्षक विनीत जयसवाल की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया।संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिला धिकारी नेहा शर्मा ने निर्देश दिए हैं कि समाधान दि वस में प्राप्त होने वाले शिकायतों के निस्तारण हेतु टीम गठित किया जाय,तथा टीम के द्वारा शिकायत का मौके पर स्थलीय जांचकर गुणवत्ता के साथ नि स्तारण करना सुनिश्चित किया जाय।संपूर्ण समाधा न दिवस के दौरान उन्होंने कहा कि अवैध अतिक्रम ण के मामले में संयुक्त रूप से राजस्व एवं पुलिस फोर्स के साथ मौके पर जाकर निस्तारित कराना सुनिश्चित करें।साथ ही उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि तालाब जमीन की पैमाइश,अवैध कब्जा, चकरोड,नाली,अवैध अतिक्रमण आदि को पुलिस फोर्स के साथ हटवाने का कार्य करें।शिकायतकर्ता ओं को मौके पर बुलाएं और उनके आने पर लिखि त रूप से उल्लेख करें और निस्तारण के प्रकरण का फोटोग्राफी वीडियोग्राफी भी करना सुनिश्चित करें।उन्होंने कहा कि संपूर्ण समाधान दिवस में प्रा प्त शिकायतों का निस्तारण मौके पर जाकर पूरी गुणवत्ता के साथ करें अन्यथा संबंधित विभाग के अधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।संपूर्ण समाधान दिवस के अंत में जिलाधिकारी ने वहां पर उपस्थित सभी संबंधित विभाग के जनपद स्तरीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा है कि संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों का सम यबद्ध व गुणवत्तापूर्ण तरीके से निस्तारण करना सुनिश्चित करें।

पुलिस ने गैंगस्टर के अभियुक्त को किया गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। थाना मोतीगंज पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में वाँछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है।प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार यादव थाना मोतीगंज पु लिस बल के साथ चैकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त-संदीप कुमार मौर्या पुत्र शिव कुमार मौर्या निवासी ग्राम वीरेपुर मुरावनपुरवा था ना मोतीगंज गोण्डा को ग्राम वीरेपुर मुरावनपुरवा से गिरफ्तार किया है।पुलिस ने उसका नाम संदीप कुमार मौर्या बताया है।वह वीरेपुर मुरावनपुरवा कारहने रहने वाला है।गिरफ्तार अभियुक्त का एक आपराधिक गिरोह है जो भौतिक एवं आर्थिक लाभ प्राप्त करने हेतु लूट,छिनैती की घटनाओं को कारि त किया करते है।गिरफ्तार अभियुक्त के विरूद्ध मोतीगंज पुलिस द्वारा अग्रिम विधिक कार्यवाही कर न्यायालय रवाना किया है।

इंकलाब फाउंडेशन, लायंस क्लब ने जरूरतमंदों को किया छाता का वितरण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । जिले में एक अद्वितीय सामाजिक सेवा कार्य क्रम का आयोजन किया गया,जहां इंकलाब फाउंडे शन के द्वारा प्रचंड गर्मी और लू के कहर से जूझ र हे ज़रूरतमंदों को राहत पहुँचाने के उद्देश्य से ''छा ता वितरण कार्यक्रम'' चलाया गया।इस विशेष पह ल के तहत नगर के प्रमुख चौराहों,दुखहरननाथ मं दिर,रेलवे स्टेशन,बस स्टैंड,अस्पताल परिसर,तहसी ल क्षेत्र एवं ग्रामीण अंचलों में हजारों छाते वितरित किए गए है।वही भीषण गर्मी में सड़कों पर मेहनत-मजदूरी करने वाले श्रमिक,फल-विक्रे ता,रिक्शा चालक, महिलाएं, वृद्धजन एवं स्कूल-कॉलेज जाने वा ले विद्यार्थी सबसे अधिक प्रभावित होते हैं।गर्मी में सिर पर छांव का अभाव जानलेवाबीमारियों जैसे लू,डिहाइड्रेशन,हीट स्ट्रोक आदि का कारण बन स कता है ऐसे में इंकलाब फाउंडेशन का यह कदम जन स्वास्थ्य की रक्षा के साथ-साथ मानवीय संवेद ना का एक उज्ज्वल उदाहरण बना।संस्था के संरक्ष क डॉ.पीयूष रंजन और आशुतोष कैशवार ने मिडि या से करते हुए कहा हमारा प्रयास हमेशा रहा है कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक राहत पहुंचाई जा ए छाता वितरण सिर्फ एक प्रतीकात्मक सहायता नहीं,बल्कि यह एक संदेश है कि मानवता के लिए हम हर मौसम,हर परिस्थिति में खड़े हैं।आने वाले दिनों में गोंडा ही नहीं,बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश में इस अभियान को विस्तार दिया जाएगा कार्यक्रम में डॉ. प्रभाकर पाण्डेय,प्रमोद,आयुष मिश्रा,अविनाश सिंह समेत अन्य लोग मौजूद रहे ।

जन भागीदारी और सहयोग

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजसेवी,छात्र, शिक्षक,चिकित्सा कर्मी एवं स्थानीय युवाओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया संस्था की टीम ने न केवल छाते वितरित किए,बल्कि नागरिकों को गर्मी से बचाव के उपायों जैसे पर्याप्त जल सेवन,हल्के वस्त्रों का प्रयोग,दोपहर में बाहर न निकलने की सलाह भी दी।

वही छाता पाकर कई वृद्धजन और राहगीरों की आंखें नम हो गईं।एक रिक्शा चालक रमेश या दव ने कहा इतनी धूप में रिक्शा चलाते हैं,सिर पर कुछ भी नहीं था।इंकलाब फाउंडेशन का दिया ये छाता हमें भगवान की छांव जैसा लग रहा है।इंकलाब फाउंडेशन की योजना है कि इस पहल को ग्रा मीण इलाकों और स्कूलों तक भी पहुँचाया जाए। साथ ही जल्द ही ''ठंडा पानी स्टॉल''गर्मी बचाव कि ट एवं ''फ्री मेडिकल कैम्प'' जैसे और जनहितकारी कार्यक्रम भी शुरू किए जाएंगे।

पांच दिवसीय प्रशिक्षण में किसानों ने हासिल की आम विषय पर जानकारी

नानपारा, बहराइच । कृषि विज्ञान केंद्र नानपारा में क्षमता परियोजना के अंतर्गत चयनित ग्राम से आम द्वारा मूल्य संवर्धन विषयक पर 16 जून से 20 जून तक पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ एस के यादव द्वारा की गई उन्होंने प्रशिक्षण में बताया कि मूल्य संवर्धन का उद्देश्य किसी उत्पाद या सेवा को अधिक आकर्षक, उपयोगी, या वांछनीय बनाना है, ताकि वह अधिक मूल्य पर बेचा जा सके। डॉ. यादव ने बताया कि कच्चे आम में प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, पोटेशियम, सोडियम, जिंक और कॉपर जैसे जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं। केंद्र की वैज्ञानिक एवं प्रशिक्षण की संचालिका रेनू आर्य ने आम के मूल संवर्धन की विभिन्न विधियां की विस्तृत जानकारी दी तथा उन्होंने आम से कई प्रकार के बने उत्पाद जैसे पके आम का स्क्वैश मैंगो पियूरी,अमावट,आम रस,कच्चे आम की चटनी,अमचूर आम का पना आदि का उत्पाद बनाकर बताया। कार्यक्रम में केंद्र के समस्त वैज्ञानिक सुनील कुमार, संदीप कुमार, डॉ.एसबी सिंह एवं उपेंद्र आदि उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

शेषनाग और घंटी चोरी मामले में 48 घंटे में चोर पुलिस के शिकंजे में

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नानपारा, बहराइच । क्षेत्र में स्थित सतरूपा अष्टभुजा दुर्गा मंदिर में हुई चोरी की घटना का पुलिस ने सफल अनावरण करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। मामला धार्मिक स्थल से जुड़ा होने के कारण पुलिस ने विशेष संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्रवाई की। 18 जून की रात मंदिर परिसर में अज्ञात व्यक्ति ने शिवलिंग पर स्थापित तांबे का शेषनाग और घंटी चोरी कर ली थी। घटना की जानकारी अगले दिन सुबह पुजारी को हुई, पुजारी राम गोपाल मिश्रा ने मंदिर समिति को जानकारी देने के साथ ही राजा बाजार चौकी प्रभारी राम गोविंद वर्मा को मामले की जानकारी दी और अपने स्तर से भी चोरी किए हुए सामान की काफी खोजबीन की मगर सफलता हाथ न लगी। मामले की गंभीरता को देखते हुए सीओ नानपारा के निर्देश पर कोतवाल रामाज्ञा सिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। जांच टीम ने स्थानीय सूचना तंत्र, तकनीकी विश्लेषण और मुखबिरों की सहायता से 20 जून की शाम एक संदिग्ध को हिरासत में लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान इमरोज बेग उर्फ गुड्डू निवासी कहारन टोला के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान आरोपी ने मंदिर से चोरी की बात स्वीकार की है। उसके पास से एक अवैध चाकू बरामद हुआ है, जिसे घटना में प्रयुक्त बताया गया है, आरोपी के पास से पुलिस ने मंदिर में चोरी किया हुआ तांबे के सर्प के 19 टुकड़े, 6 अदद पीतल की टूटी हुई घंटी बरामद कर ली है। आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है। आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में न्यायालय भेज दिया गया है। इस सफल अनावरण में कोतवाल रामाज्ञा सिंह के नेतृत्व के साथ-साथ चौकी प्रभारी राम गोविन्द वर्मा, मुख्य आरक्षी ओमप्रकाश शाह और आरक्षी राहुल सिंह की प्रमुख भूमिका रही। नानपारा पुलिस की इस त्वरित और सटीक कार्रवाई ने न सिर्फ अपराध पर लगाम लगाई, बल्कि जनता में कानून व्यवस्था के प्रति विश्वास को भी और मजबूत किया है। मंदिर समिति की सचिव डॉ वीरांगना कंत ने पुलिस की सक्रियता की सराहना करते हुए स्थानीय पुलिस का आभार जताया है।

आठ आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का सीडीपीओ ने रोका वेतन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच । बाल विकास परियोजना अधिकारी नगर ने शासकीय कार्यों में उदासीनता बरतने वाली 08 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का माह जून का वेतन रोक दिया है। सीडीपीओ ने बताया कि वर्तमान समय में शासन एवं जिलाधिकारी महोदया के निर्देशों के अनुसार नगर क्षेत्र में आंगनबाड़ी केंद्र के पंजीकृत लाभार्थी की केवाइसी और फ़ेस एथेंटीफिकेशन की प्रक्रिया चल रही है। इसमें लापरवाही एवं प्रगति शून्य मिलने पर आठ आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का जून माह 2025 का मानदेय रोक दिया गया है।उन्होंने बताया कि शहर के ब्राह्मणीपुरा वार्ड की विनीता जयसवाल, चांदमारी की प्रेम कुमारी, हमजापुरा की ऊषा शर्मा व ऊषा जायसवाल, चिक्कीपुरा की पुष्पा, कानूनगोपुरा दक्षिणी की युगल किशोरी और छावनी की कौसर जहां का मानदेय रोक दिया गया है इन कार्यकत्रियों को तीन दिवस में कार्य पूरा करने को आदेशित किया गया है। यदि कार्य पूरा नहीं होता तो 50 प्रतिशत से कम प्रगति वाली कार्यकत्रियों पर अग्रिम विभागीय कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी।

योग करे रोग भगाएं, जीवन को खुशहाल बनाएं

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नानपारा, बहराइच। राजकीय हाईस्कूल राजापुरकला (बलहा) प्रधानाचार्य मुक्तेश्वर कुमार पोद्दार ने भगवान धन्वंतरि के समक्ष दीप प्रज्वलित कर विद्यालय में योग सप्ताह का शुभारंभ किया था। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि हम लोगों को योग को एक दिन या एक सप्ताह या एक माह तक ही सीमित नहीं रखना है बल्कि इसको अपनी दैनिक दिनचर्या में भी सम्मिलित करना है। आज संपूर्ण विश्व योग की महत्ता को स्वीकार कर रहा है और इसे अपनी दिनचर्या का अंग बना कर शारीरिक मानसिक स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर रहा है। श्री पोद्दार ने बताया कि नियमित योग विद्यार्थियों के समग्र विकास, मन की एकाग्रता, रचनात्मक सोच का विकास, संयमित एवं स्वस्थ दिनचर्या,समयबद्धता,समयशीलता, समय प्रबंधन को भी लक्ष्य प्रदान करता है। सहायक अध्यापक सत्य प्रकाश ने प्रधानाचार्य के निर्देशन में पूरे सप्ताह योग अभ्यास करवाया। योगाभ्यास कार्यक्रम में मुख्य रूप से मंसूर , मुकेश, अंकित, शहनाज,चांदनी, रागिनीआदि छात्र/छात्राओं ने अपना योगदान दिया।

योग से शारीरिक व मानसिक रोगों से मिलती है मुक्ति : मण्डलायुक्त

स्वयं और समाज के लिए योग के प्रेरणा वाक्य से हुआ योग दिवस का प्रारंभ जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण, आमजन व बच्चों ने किया योगाभ्यास योग दिवस पर पेंटिंग एवं स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। मण्डलायुक्त बरेली श्रीमती सौम्या अग्रवाल की अध्यक्षता में 11वॉ अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस गांधी स्टेडियम परिसर पीलीभीत में मनाया गया। योग सत्र का शुभारंभ भगवान धन्वंरि जी का पूजन एवं माल्यार्पण किया। इस मौके उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी का सपना एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' थीम पर मनाया गया। जिसके तहत योग की पुरानी पद्धति को जीवत किया गया है।प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आज पूरी दुनिया योग से जुड़ रही है और इसका महत्व समझ रही है। उन्होंने कहा कि योग को अपनी जीवन शैली में आत्मसात करें और प्रतिदिन नियमित रुप से योग करें, जिससे स्वस्थ भारत निरोगी भारत का संकल्प पूरा हो सके। योग से शरीर को स्वस्थ रखने के साथ ही इन्द्रियों पर नियंत्रण होता है। नियमित योग चरित्र निर्माण करता है, योग को अपने जीवन में आत्मसात करें। योग दिवस पर आयुष विभाग की ओर से 5200 लोगों ने प्रतिभाग किया। मण्डलायुक्त ने कहा कि योग भारत की प्राचीन परम्परा का एक अमूल्य उपहार है, यह दिमाग और शरीर की एकता का प्रतीत हैय मनुष्य और प्रकृति के बीच सामन्जस्य हैय विचार, संयम और पूर्ति प्रदान करने वाला है तथा स्वास्थ्य और भलाई के लिए एक समग्र दृष्टिकोण को भी प्रदान करने वाला है। यह व्यायाम के बारे में नहीं है।लेकिन अपने भीतर एकता की भावना, दुनिया और प्रकृति की खोज के विषय में है। हमारी बदलती जीवनशैली में यह चेतना बनकर, हमें जलवायु परिवर्तन से निपटने में मदद कर सकता हैं।अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर जनपद स्तर पर पेंटिंग व स्लोगन प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को मंडलायुक्त के द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं मेंडल देकर सम्मानित किया। पेंटिंग प्रतियोगिता में शिफा बी प्रथम स्थान राजकीय इंटर कालेज पौटाकला, गुनगुन कश्यप द्वितीय स्थान अंगूरी देवी सरस्वती विद्या मंदिर बालिका इंटर कालेज, शगुन कश्यप तृतीय स्थान आर्य कन्या इंटर कालेज प्राप्त किया। स्लोगन प्रतियोगिता प्रथम स्थान निष्ठा दिवाकर गोस्वामी मॉम्स प्राईड स्कूल, द्वितीय स्थान श्यामबाबू एसआरएम इंटर कालेज बीसलपुर एवं तृतीय स्थान अंशिका राजकीय बालिका इण्टरकालेज पीलीभीत सम्मानित किए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि नियमित योग करने से शरीर स्वस्थ रहता है, योग का जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। रोजाना योग करने से शारीरिक व मानसिक रोग दूर हो जाते है। बढ़ते तनाव को कम करने के लिए और जीवन शैली से उत्पन्न होने वाली समस्याओं को योग से दूर किया जा सकता है। योग करने से शरीर मजबूत बनता है और शारीरिक व मानसिक ऊर्जा में वृद्धि होती है। उन्होंने कहा कि हम सभी को थोड़ा समय निकालकर योग करना चाहिए, जिससे हम हर तरह की बीमारी से सुरक्षित रह सकें। आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के सजीव प्रसारण को देखा गया। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं आम जनमानस द्वारा योगाभ्यास किया गया। इस अवसर पर उन्होंने ने कहा कि योगभ्यास से हमारा शरीर और मन स्वस्थ रहता है और कार्य करने की नई ऊर्जा प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि मानवता के लिए योग आज अति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि निरोग्य जीवन के लिए प्रतिदिन योग करें। मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर योगा को महत्वपूर्ण स्थान प्रदान करते हुये आज विश्व के प्रमुख देश भी योग को अपना रहे हैं और हर वर्ष 21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है। इसके साथ ही साथ जनपद के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों पर योगा किया गया। जनपद के समस्त कार्यालयो, कालेजो/स्कूलों में बच्चों के द्वारा योगा किया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष श्री संजीव प्रताप सिंह, चेयरमेन डॉ0 आस्था अग्रवाल, जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह, मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी नगर मजिस्टेट, आयुर्वेद यूनानी अधिकारी,भाजपा नेत्री गीता मिश्रा, रेखा सिंह परिहार, जिला पंचायत सदस्य रेनू राज, इंचार्ज अध्यापक साजदा खातून, अध्यापिका अमन सहित जनपद स्तरीय अधिकारी एवं जनप्रतिनिधिगण व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

योग करने से शारीरिक और मानसिक तनाव होता हैं दूर कटे योग रहे निरोग : ब्लॉक प्रमुख सभ्यता वर्मा

पीलीभीत, कैनविज टाइम्स संवाददाता। करे योग रहे निरोग अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष में ब्लॉक प्रमुख मरौरी सभ्यता बर्मा की अध्यक्षता में ब्लॉक परिसर में योग दिवस आयोजित किया गया है।इस आयोजन में मुख्य रूप से ब्लॉक प्रमुख सभ्यता वर्मा, खंड विकास अधिकारी, एडीओ पंचायत, एपीओ, रोजगार सेवक,ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य,ब्लॉक का स्टाफ,सचिव सहित अन्य अधिकारी एवं गणमान्य नागरिकगण उपस्थित रहे हैं।आयोजित योग दिवस कार्यक्रम में सामुहिक योगा अभ्यास में प्रार्थना चालन क्रिया,योगासन ताड़ासन, वृक्षासन पादहस्तासन, अर्धचक्रासन, त्रिकोणासन, भद्रासन, वज्रासन,वीरासन, अर्धउष्ट्रासन,उष्ट्रासन, शशांकासन, उत्तान मंडूकासन मरीच्यासन,वक्रासन, मकरासन, भुजंगासन शलभासन, सेतुबंधासन, उत्तानपादासन,अर्धहलासन पवनमुक्तासन शवासन, कपालभाति-प्राणायाम, नाड़ीशोधन या अनुलोम विलोम प्राणायाम,शीतली प्राणायाम,भ्रामरी प्राणायाम, ध्यान,संकल्प आदि आसन किए गए है।

तहसील में सम्पूर्ण समाधान हुआ संपन्न

पूरनपुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। तहसील सम्पूर्ण समाधान दिवस एडीएम ऋतु पुनिया का था। और वह फरियादियों की शिकायतों को सुनती पर अचानक कमिश्नर का पीलीभीत दौरा था। इसलिए एडीएम तहसील सम्पूर्ण समाधान दिवस में नहीं पहुंच सकी। वही एडीएम के आने को लेकर शनिवार दोपहर एक बजे तहसील सम्पूर्ण समाधान दिवस में फरियादी शिकायत लेकर पहुंचे पर वहां एडीएम की जगह पूरनपुर एसडीएम शिकायतों को सुन रहे थे। यह देख फरियादी मायूस हो गए और एसडीएम को प्रार्थना पत्र देकर बापस हो गए। एडीएम ऋतु पुनिया जिले की सबसे तेज तर्रार अधिकारी है। इसलिए ज्यादातर ग्रामीण अपनी समस्याओं को लेकर उनके पास जाते है और समय रहते उनकी समस्याओं का समाधान जल्द हो जाता हैं।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम हुआ संपन्न

पूरनपुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। नगर के विद्यालय एवं माधोटांडा गोमती उद्गम स्थल पर शनिवार की सुबह सात बजे भाजपा विधायक बाबूराम पासवान की अध्यक्षता में अंतर्राष्ट्रीय ग्यारहवा योग दिवस का कार्यक्रम आयोजित हुआ। योगाभ्यास कर वृक्षारोपण किया गया। इस मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष शैलेंद्र गुप्ता व राजेश भारती, पूरनपुर एसडीम अजीत प्रताप सिंह व कलीनगर एसडीएम वीरेंद्र कुमार, तहसीलदार हबीबुर रहमान सहित सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे है।

दंपति एक साल से न्यायालय का स्टे लेकर तहसील परिसर के काट रहे चक्कर नहीं हो रही सुनवाई

पूरनपुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। तहसील क्षेत्र के गांव मोहनपुर जप्ती की रहने वाली अनीता यादव पत्नी बादाम यादव ने शनिवार दोपहर एक बजे बताया कि सास रुकमढ़ी देवी ने कृषि भूमि अपनी इच्छा से उसके नाम दानपात्र करा दिया था। पीड़िता के जेठ ने आपत्ति दर्ज कराई थी। जिसके बाद रुकमढ़ी देवी ने अपने बयान अनीता यादव के फ़ेवर में देकर कृषि भूमि को उसके नाम पर दर्ज करा दिया था। अब अनीता यादव के नाम कृषि भूमि दर्ज है और राजस्व विभाग में भी उसका नाम दर्ज है। न्यायालय ने भी पीड़िता को स्टे दे दिया है। उसके बाद भी जेठ लालजीत अवैध रूप से जमीन पर कब्जा किए हुए हैं और पीड़ित दंपति पुलिस और तहसील में अधिकारियों के पास एक वर्ष से चक्कर काट रही हैं। आरोप है कि तहसील प्रशासन थाने भेजता है और पुलिस तहसील इसी को लेकर पीड़ित दंपति न्यायालय का स्टे लेकर सिर्फ चक्कर काट रहे हैं।

परिषदीय विद्यालय में योग दिवस पर कार्यक्रम हुआ संपन्न

पुरनपुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में शनिवार को अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया और जो योग सप्ताह 16 जून से 21 जून तक चलना था ।उसका शनिवार समापन हो गया इसी उपलक्ष्य में कंपोजिट स्कूल गड़ा कला में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया और योग सप्ताह सकुशल सम्पन्न हुआ इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से मंजू रानी इंचार्ज,नोडल संकुल अध्यापक हुकुम सिंह, अध्यापक सोहन, ममता देवी शिक्षा मित्र सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहे है। सभी ने योग करके निरोग रहने की बात कही हैं।

प्रतिबंधित साठा धान को राइस मिलर्स ने लेने से किया इनकार किसानों ने किया विरोध कर, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

पूरनपुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। कुछ किसान साठा धान लेकर राइस मिल पर पहुंचे जहां राइस मिलो ने साठा धान लेने से इनकार कर दिया किसानों ने साठा धान की खरीद को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। किसानों ने एसडीएम अजीत प्रताप सिंह को ज्ञापन सौंपा किसानों का कहना है कि उन्होंने साठा धान की फसल में भारी लागत लगाई है खाद, बीज, सिंचाई और कीटनाशक पर काफी खर्च किया अब जब फसल तैयार हुई है तो राइस मिलर्स खरीदने से मना कर रहे हैं। मिलर्स इसे प्रतिबंधित धान बता रहे हैं। किसानों का कहना है कि सरकार ने साठा धान प्रतिबंधित घोषित नहीं किया अगर समय पर फसल नहीं बिकी तो आर्थिक नुकसान होगा।

बाढ़ से हुई क्षतिग्रस्त पुलियों का किया निरीक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। आयुक्त बरेली मण्डल बरेली सौम्या अग्रवाल ने माधौटांड कलीनगर शाहगढ़ आसाम मार्ग अन्य जिला मार्ग कुल लम्बाई 44 किमी0 माह जुलाई 2024 में आई बाढ़ से क्षतिग्रस्त पुलियों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पीलीभीत माधौटाडा कलीनगर शाहगढ़ आसाम मार्ग के किमी 23 में बाढ़ से कट गये मार्ग के सम्बन्ध में कार्यदायी संस्था के अधिशासी अभियन्ता से आगणन, धनराशि आवंटन की जानकारी ली। अधिशासी अभियन्ता प्रा0ख0, लो0नि0वि0 द्वारा अवगत कराया गया कि क्षतिग्रस्त पुलियों की मरम्मत का प्रस्ताव जिलाधिकारी के माध्यम से सचिव एवं राहत आयुक्त उ0प्र0 को प्रेषित चुका है उक्त प्रस्ताव पर स्वीकृति नही हुई। निरीक्षण के दौरान अवगत कराया गया कि जिलाधिकारी द्वारा अनुमोदित कार्ययोजना में उक्त मार्ग व पुलियों को इस वर्ष सम्मिलित कर लिया गया है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पुलिया पर ब्रिक बैट्स के ऊपर पत्थर डालकर कुटाई के निर्देश कार्यदायी संस्था के अधिशासी अभियन्ता को दिये गये ताकि यातायात में असुविधा न हो। इसके अतिरिक्त पुलियों के दोनों तरफ स्पीड ब्रेकर, बोर्ड और पुलियों के दोनों साइड पर बल्ली लगाने के निर्देश दिये ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना न होने पाये और यातायात सुरक्षित रूप से चलता है।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह, मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी, अधिशासी अभियन्ता लो0नि0वि एवं अवर अभियन्ता उपस्थित रहे हैं।

योग को अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करें और स्वस्थ्य रहें : सतीश चंद्र शर्मा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी। जवाहर नवोदय विद्यालय गौरीगंज के प्रांगण में एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिये योग थीम पर आधारित ग्यारहवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें प्रदेश सरकार के खाद्य एवं रसद राज्यमंत्री व प्रभारी मंत्री सतीश चंद्र शर्मा, नोडल अधिकारी राज्य विद्युत उत्पादन निगम के प्रबंध निदेशक एवं नोडल अधिकारी रुपेश कुमार,जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरी, गौरीगंज के विधायक राकेश प्रताप सिंह, जगदीशपुर के विधायक सुरेश पासी, जिलाधिकारी संजय चौहान, पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक, भाजपा के जिलाध्यक्ष सुधांशु शुक्ला, पूर्व जिलाध्यक्ष राम प्रसाद मिश्र सहित अन्य जनपदीय अधिकारियों, कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं व जन सामान्य ने सामूहिक रूप से योगाभ्यास किया। योग प्रशिक्षक धर्मेंद्र कुमार वर्मा, प्रेम सुधा सिंह एवं शैलेश ओझा द्वारा सभी को योगाभ्यास कराया गया तथा योग के विभिन्न आसन सिखाये गये एवं योग करने से होने वाले लाभों की जानकारी भी दी गई। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उदबोधन व योगाभ्यास कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया जिसके उपरांत यहां पर सभी ने सामूहिक रूप से योगाभ्यास किया है। प्रभारी मंत्री सतीश चंद्र शर्मा ने उपस्थित सभी लोगों को ग्यारहवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की बधाई देते हुये योग को अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करने का आवाहन किया तथा योग से होने वाले लाभों के बारे में बताया।नोडल अधिकारी डॉ रूपेश कुमार ने भी सभी लोगों से नियमित योग करने की अपील किया तथा कहा कि नियमित योग करने से हम स्वस्थ रहने के साथ ही विभिन्न बीमारियों से भी बच सकते हैं। जिलाधिकारी संजय चौहान ने कहा कि जिस प्रकार से हमारी केंद्र व प्रदेश की सरकारों ने योग और भारतीय परंपरा को जीवन पद्धति के तौर पर अपनाने की जो पहल की है उससे आने वाले समय में और इस आधुनिकता वाले युग में ज्यादा से ज्यादा लोगों को लाभ मिलेगा।

योग मन और आत्मा को शुद्ध करता है : कश्यप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर, दोस्तपुर। क्षेत्र के प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्थान ठाकुर यदुनाथ सिंह स्मारक इंटर कॉलेज, दानूपट्टी गोसैसिंहपुर में आज शनिवार को ग्यारहवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित विशेष योग शिविर में छात्र-छात्राओं सहित विद्यालय के समस्त स्टाफ ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। प्रारंभ में सुबह 7 बजे सूर्य नमस्कार और ओम उच्चारण के साथ की गई। इसके पश्चात बच्चों ने क्रमबद्ध रूप से ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन, वज्रासन, अनुलोम-विलोम, कपालभाति और अन्य योगासन का अभ्यास किया। योग के महत्व को समझाते हुए योग अध्यापक आशुतोष सिंह ने बच्चों को दैनिक जीवन में योग को शामिल करने की शपथ दिलाई। प्रधानाचार्य कश्यप रघुवंशी द्वारा योगासन के लाभ, विधि और वैज्ञानिक महत्व

के बारे में विस्तार से बताया गया। उन्होंने योग को भारतीय संस्कृति की गौरवशाली विरासत बताते हुए इसके नियमित अभ्यास की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि योग न केवल शरीर को स्वस्थ बनाता है, बल्कि मन और आत्मा को भी शुद्ध करता है। कार्यक्रम में शिक्षिका अंतिमा मिश्रा ने सभी आसनों का निर्देशन किया और उपस्थित बच्चों को योग के नियमित अभ्यास हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं के लिए योग पर आधारित पोस्टर प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। प्रतियोगिता में स्वस्थ जीवन का आधार - योग जैसे विषयों पर सुंदर व शिक्षाप्रद पोस्टर प्रस्तुत किए गए। इस आयोजन में प्रमुख रूप से योग अध्यापक आशुतोष सिंह, संस्कार रघुवंशी, उज्ज्वल तिवारी, अंश पाल, साहिबा बनो, अंशिका सिंह सहित अनेकों छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के समापन पर सभी ने प्रातः काल उठाने तथा योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने का संकल्प लिया। प्रबंध समिति ने आयोजन की प्रशंसा की और भविष्य में योग को प्रत्येक दिवस विद्यालय में पठन-पाठन के साथ सम्मिलित करने का संकल्प लिया।

गुणवत्ता विहीन सड़क बनने से लोगों में आक्रोश

सुल्तानपुर। लोक निर्माण विभाग ने सड़क बनाने की नई विधि का ईजाद किया है । तारकोल की जगह जला मोबिल डालकर सड़क बनाई जा रही है।गिट्टी गर्म करने के लिए ठेकेदारों ने नई तकनीक निकाल ली है।घरेलू गैस सिलेंडर से गिट्टी गर्म करके सड़क बनाई जा रही है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी का हाईस्कूल का अंकपत्र एवं प्रमाणपत्र 0798290 वास्तव में कही खो गया है। काफी खोजबीन कर भी नहीं मिल सका। **प्रार्थी : शौकतअली पुत्र कासिम अली ग्राम पोस्ट कुसुम्भी तहसील तिलोई अमेठी। मो. 8687040006**

काली माता मंदिर का जीर्णोद्धार हुआ

कटका बाजार/सुल्तानपुर। कटका बाजार स्थित गाना मिश्र का पुरवा में बीते कई दशकों से पड़ी काली माता के मंदिर का गांव के युवाओं ने मिल कर जीर्णोद्धार कराया इसके बाद हवन पूजन के साथ बीते रात्रि भंडारे का आयोजन किया गया। बीते 80 साल पुराने मंदिर का गांव के युवाओं और परिवारों ने मंदिर का जीर्णोद्धार कराया इससे पूर्व मंदिर में हवन पूजन का कार्य और भंडारे का कार्यक्रम चलता था, लेकिन इस वर्ष युवाओं ने मिल कर अपने पैसे से जीर्णोद्धार का कार्य कराया। इस मौके पर लखनऊ विकास प्राधिकरण में जेई पद पर कार्यरत नागेंद्र मिश्रा ने बताया कि कर्म प्रधान इस देश की पवित्र भूमि पर देवी देवताओं की अलग महत्ता है। काली माता जी बलशाली के साथ ही कृपा निधान के रुप में प्रसिद्ध हैं। पूर्व अपर निदेशक अभियोजन विभाग मुजफ्फरनगर ओम प्रकाश मिश्रा ने बताया कि इस मंदिर परिसर में काली माता की मंदिर लगभग 80 वर्षो पूर्व रखी गई थी। अब यहां एक अन्य मंदिर का भव्य निर्माण हो गया है। इस मौके पर मंदिर से जुड़े सभी लोगों का अंगवस्त्र से सम्मान किया गया।भंडारे में आए सभी भक्तों का कटका क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष सौरभ मिश्र विनम्र ने आभार व्यक्त किया।जीर्णोद्धार में सहयोग देने के रूप में सोनू मिश्र, राकेश मिश्र, पुष्कर मिश्रा, शुभम मिश्र 'रोहित' उत्तर रेलवे,अंकित मिश्र, प्रदीप मिश्र, एडवोकेट अनूप मिश्र, लल्ला मिश्र, शिवकुमार मिश्र, भोला मिश्र, शीतला मिश्र, अनिल कुमार मिश्र, सत्य व्रत मिश्र एवं समस्त ग्राम वासी।

कार्यालय : ग्राम पंचायत गुलरिहा विकास खण्ड हरख जनपद बाराबंकी

पत्रांक-मेमो/2025-26 दिनांक 20.04.2025

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा/पंचम राजवित्त/15वां वित्त आयोग/स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) / एसएलडब्ल्यूएम अंतर्गत करायें जाने वाले कार्य आपूर्ति के लिए सामग्री, आंगनबाड़ी केंद्र स्वच्छ शौचालय, पंचायत भवन , अन्नपूर्णा भवन, खेल का मैदान, विद्यालय की बाउंड्री वॉल, सामुदायिक शौचालय , सीएचसी सेंटर , अंत्येष्टि स्थल, बारात घर, खेल का मैदान, मनरेगा पार्क ओपन जिम,कायाकल्प,एवं अन्य मदों/योजना अन्तर्गत ग्राम पंचायत मद से कराये जाने वाले कार्यों के लिए स्थल पर निम्नलिखित सामग्री आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। सामग्री का विवरण निम्नलिखित है। 1. ईंट 150 एमएम प्रथम श्रेणी प्रति हजार, 2. सीमेंट प्रति बैग, 3. साधारण बालू/स्थानीय बालू प्रतिघन मीटर, 4. स्टोन ब्लास्ट (पत्थर गिट्टी) 224 एमएम से 53 एमएम अलग-अलग प्रति घनमीटर, 5. सरिया प्रति कुंतल, 6. एस्वेट्स सीट, पैनसीट, दरवाजा, टाइल्स प्रति कुंतल/प्रति नग, 7. ह्यूम पाइप 300, 350, 450, 600, 900 एमएमपी-3 प्रति नग, 8. सोलर लाइट प्रति नग, 9. ईंटरलाकिंग ईंट 200 गुणे 160 गुणे 80 एमएम प्रति हजार, 10. पटिया जीआई पाइप पी.बी.सी. पाइप, साकेत-प्रति नग, 11. मोटा बालू प्रति घनमीटर, 12. ईंट गिट्टी 200 एमएम/40 एमएम प्रति घनमीटर, 13. हैंडपम्प सामग्री इंडिया मार्का, हैण्डपम्प मरम्मत प्रति नग 14. साइन बोर्ड व अन्य सामग्री प्रति नग, 15. चूना ब्लीचिंग पाउडर, पेंट, डिस्टेम्बर प्रति किग्रा, 16. स्ट्रीट लाइट एवं सोलर, कुर्सी, कम्पयूटर, पेन्ट, प्राइमर, पुट्टी, समर्सिबल पम्प, दरवाजा, मशीन कचरा ढोने वाली गाड़ी, लोहे का ठेला, दवा छिड़कने की मशीन, सफाईकर्मी कीट/पशु आहार/भूषा-चोकर, कचरा पात्र, प्लास्टिक बैंक, यू टाइप नाली, शो पीट, कम्पोस्ट पीट, नाडेप, ठेला गाड़ी, ई-रिक्शा, स्वच्छता कीट, फील्टर चेम्बर, सील्ट केचर, प्लास्टिक पाइप, इन्सीनेटर (भष्मक) आदि स्वच्छ भारत मिशन ग्राम पंचायत के अन्तर्गत समस्त कार्यों पर निर्माण कार्य/प्रतिबंध एवं शर्तें ग्राम पंचायत के कार्यालय पर उपलब्ध है तथा ग्राम पंचायत द्वारा स्वीकृत कार्यों की सूची ग्राम पंचायत कार्यालय पर उपलब्ध है तथा निविदादाता प्रत्येक कार्य की अलग-अलग निविदा डालने हेतु स्वतंत्र है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 22.06.2025 से 01.07.2025 तक अपनी दरें लेटर पैड पर संलग्न लिफाफ़े में अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में मध्याह्र 2:00 बजे तक प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके बाद प्राप्त निविदा को अस्वीकार कर दिया जायेगा यदि खुलने की तिथि पर कोई अवकाश होता है तो निविदा अगले कार्य दिवस पर खोली जायेगी। नियम व शर्तें ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। निविदा खुलने की तिथि 02.07.2025 समय अपराह्न 10:00 से 02:00 बजे के बीच।

अनिल कुमार, ग्राम प्रधान
ग्रा.पं. गुलरिहा
वि.खं. हरख जनपद बाराबंकी

आकाश पटेल, सचिव
ग्रा.पं. गुलरिहा
वि.खं. हरख जनपद बाराबंकी

कार्यालय : ग्राम पंचायत मौथरी विकास खण्ड हरख जनपद बाराबंकी

पत्रांक-मेमो/2025-26 दिनांक 20.04.2025

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा/पंचम राजवित्त/15वां वित्त आयोग/स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) / एसएलडब्ल्यूएम अंतर्गत करायें जाने वाले कार्य आपूर्ति के लिए सामग्री, आंगनबाड़ी केंद्र स्वच्छ शौचालय, पंचायत भवन , अन्नपूर्णा भवन, खेल का मैदान, विद्यालय की बाउंड्री वॉल, सामुदायिक शौचालय , सीएचसी सेंटर , अंत्येष्टि स्थल, बारात घर, खेल का मैदान, मनरेगा पार्क ओपन जिम,कायाकल्प,एवं अन्य मदों/योजना अन्तर्गत ग्राम पंचायत मद से कराये जाने वाले कार्यों के लिए स्थल पर निम्नलिखित सामग्री आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। सामग्री का विवरण निम्नलिखित है। 1. ईंट 150 एमएम प्रथम श्रेणी प्रति हजार, 2. सीमेंट प्रति बैग, 3. साधारण बालू/स्थानीय बालू प्रतिघन मीटर, 4. स्टोन ब्लास्ट (पत्थर गिट्टी) 224 एमएम से 53 एमएम अलग-अलग प्रति घनमीटर, 5. सरिया प्रति कुंतल, 6. एस्वेट्स सीट, पैनसीट, दरवाजा, टाइल्स प्रति कुंतल/प्रति नग, 7. ह्यूम पाइप 300, 350, 450, 600, 900 एमएमपी-3 प्रति नग, 8. सोलर लाइट प्रति नग, 9. ईंटरलाकिंग ईंट 200 गुणे 160 गुणे 80 एमएम प्रति हजार, 10. पटिया जीआई पाइप पी.बी.सी. पाइप, साकेत-प्रति नग, 11. मोटा बालू प्रति घनमीटर, 12. ईंट गिट्टी 200 एमएम/40 एमएम प्रति घनमीटर, 13. हैंडपम्प सामग्री इंडिया मार्का, हैण्डपम्प मरम्मत प्रति नग 14. साइन बोर्ड व अन्य सामग्री प्रति नग, 15. चूना ब्लीचिंग पाउडर, पेंट, डिस्टेम्बर प्रति किग्रा, 16. स्ट्रीट लाइट एवं सोलर, कुर्सी, कम्पयूटर, पेन्ट, प्राइमर, पुट्टी, समर्सिबल पम्प, दरवाजा, मशीन कचरा ढोने वाली गाड़ी, लोहे का ठेला, दवा छिड़कने की मशीन, सफाईकर्मी कीट/पशु आहार/भूषा-चोकर, कचरा पात्र, प्लास्टिक बैंक, यू टाइप नाली, शो पीट, कम्पोस्ट पीट, नाडेप, ठेला गाड़ी, ई-रिक्शा, स्वच्छता कीट, फील्टर चेम्बर, सील्ट केचर, प्लास्टिक पाइप, इन्सीनेटर (भष्मक) आदि स्वच्छ भारत मिशन ग्राम पंचायत के अन्तर्गत समस्त कार्यों पर निर्माण कार्य/प्रतिबंध एवं शर्तें ग्राम पंचायत के कार्यालय पर उपलब्ध है तथा ग्राम पंचायत द्वारा स्वीकृत कार्यों की सूची ग्राम पंचायत कार्यालय पर उपलब्ध है तथा निविदादाता प्रत्येक कार्य की अलग-अलग निविदा डालने हेतु स्वतंत्र है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 22.06.2025 से 01.07.2025 तक अपनी दरें लेटर पैड पर संलग्न लिफाफ़े में अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में मध्याह्र 2:00 बजे तक प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके बाद प्राप्त निविदा को अस्वीकार कर दिया जायेगा यदि खुलने की तिथि पर कोई अवकाश होता है तो निविदा अगले कार्य दिवस पर खोली जायेगी। नियम व शर्तें ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। निविदा खुलने की तिथि 02.07.2025 समय अपराह्न 10:00 से 02:00 बजे के बीच ।

राम समुझ, ग्राम प्रधान
ग्रा.पं. मौथरी
वि.खं. हरख जनपद बाराबंकी

आकाश पटेल, सचिव
ग्रा.पं. मौथरी
वि.खं. हरख जनपद बाराबंकी

सेहत का बॉन्ड

यह तथ्य किसी से छिपा नहीं कि पंजाब के सरकारी अस्पताल मरीजों के बढ़ते बोझ से चरमरा रहे हैं। समाज के गरीब व निम्न मध्यमवर्गीय मरीजों के उपचार की अंतिम शरण स्थली ही होते हैं सरकारी अस्पताल। विडंबना यह है कि सरकारी अस्पताल खुद ही डॉक्टरों की कमी से जूझ रहे हैं। आंकड़ों की बात करें तो सरकारी अस्पतालों के लिये स्वीकृत पदों में आधे पद फिलहाल खाली है। नई पीढ़ी के डॉक्टर मरीजों के दबाव व आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के अभाव के चलते सरकारी अस्पतालों को कार्यस्थली बनाने से गुरेज करते रहे हैं। निस्संदेह, निजी क्षेत्र में मोटी तनख्वाह व सुविधाएं उन्हें आकर्षित करती हैं। इधर विदेशों का मोह भी उन्हें खूब लुभाता है। यही वजह है कि ग्रामीण ही नहीं, शहरी सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों की भारी कमी है। विशेषज्ञ चिकित्सकों की तो ज्यादा ही कमी है। इस समस्या से निबटने के लिये पंजाब सरकार इस सत्र से एमबीबीएस और बीडीएस के छात्रों के लिए बॉन्ड नीति लेकर आई है। निश्चय ही सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली में डॉक्टरों की पुरानी कमी से निपटने के लिये एक ऐसा साहसिक कदम उठाना बेहद जरूरी था। नये नियमों के तहत, राज्य सरकार द्वारा संचालित मेडिकल कॉलेजों से स्नातक करने वाले डॉक्टरों को दो साल के लिये अनिवार्य रूप से सरकारी स्वास्थ्य सेवा संस्थानों में सेवा करनी होगी। यदि वे ऐसा नहीं करते हैं तो बीस लाख रुपये की बॉन्ड राशि का भुगतान करना होगा। वहीं अखिल भारतीय कोटे के तहत स्नातकों को अनिवार्य रूप से एक साल की सेवा सरकारी स्वास्थ्य सेवा संस्थानों में देनी होगी। हालांकि, यह नीति बाध्यकारी है, लेकिन यह सुनिश्चित करने का एक जिम्मेदार प्रयास है कि राज्य चिकित्सा शिक्षा में निवेश का कुछ लाभ राज्य के लोगों को भी मिलना चाहिए। यह तार्किक बात है कि सरकारी मेडिकल कॉलेजों को राज्य सरकार भारी सब्सिडी भी देती है। दूसरे शब्दों में कहें तो राज्य के मेडिकल कॉलेजों की सीटों के लिये करदाताओं द्वारा एक अंशदान दिया जाता है। यह उचित होगा कि छात्र स्नातक होने के बाद समाज में कुछ योगदान जरूर दें। यह इसलिये भी जरूरी है कि राज्य के सरकारों अस्पतालों में डॉक्टरों की भारी कमी है। ग्रामीण क्षेत्रों में तो स्थिति बहुत अधिक विकट है क्योंकि आमतौर डॉक्टर ग्रामीण क्षेत्रों में काम करने से कतराते हैं। बताया जाता है कि राज्य के सरकारी अस्पतालों में स्वीकृत डॉक्टरों के 3,847 पदों में पचास फीसदी पद रिक्त हैं। सरकारी अस्पतालों में पर्याप्त चिकित्सकों के न होने का खमियाजा मरीजों को चिकित्सा सुविधाओं के अभाव के रूप में भुगतना पड़ता है। उन्हें मजबूरी में निजी अस्पतालों के महंगे उपचार लेने के लिये बाध्य होना पड़ता है। वर्षों से यह ट्रेंड चला आ रहा है कि डॉक्टर निजी प्रैक्टिस या विदेशों में बेहतर अवसरों की तलाश में सार्वजनिक चिकित्सा सेवा से किनारा करते रहे हैं। जिसके चलते शहरी-ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा के बीच में एक बड़ा अंतर पैदा हो गया है। निश्चित रूप से बॉन्ड नीति इस असंतुलन को दूर करने की दिशा में प्रयास करेगी। इसके साथ ही कतिपय छात्र समूहों का बॉन्ड नीति का विरोध भी समझ में आता है। लेकिन बॉन्ड नीति को खत्म करने की बजाय उनकी चिंता बेहतर कामकाजी परिस्थितियां बनाए जाने के लिये हो। साथ ही कैरियर प्रगति के बेहतर अवसरों के मुद्दों को भी संबोधित किए जाने की जरूरत है। निस्संदेह, एक साल या दो साल का अनिवार्य कार्यकाल एक उचित मांग है, खासकर जब यह कदम सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूती दे सके। वैसे पंजाब सरकार की बॉन्ड नीति कोई नई बात नहीं है। पहले ही कई केंद्रीय संस्थानों और अन्य राज्यों में इसी तरह के मॉडल काम कर रहे हैं। पंजाब को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस नीति का प्रभावी क्रियान्वयन हो। समय पर नियुक्तियां हों और युवा स्नातकों को पर्याप्त प्रोत्साहन मिले। निस्संदेह, स्वास्थ्य सेवाओं को सुधारने के लिये और अधिक देरी नहीं की जा सकती। निस्संदेह, यह बॉन्ड रूपी बंधन शिक्षा और समाज सेवा के बीच एक सेतु का काम करेगा। भगवान का दूसरा रूप कहे जाने वाली चिकित्सा बिरादरी को भी इस भरोसे को कायम रखना होगा।

ईरान और इजरायल के तीव्र होते युद्ध से बढ़ते खतरे

ईरान और इजरायल संघर्ष की वजह से दुनिया में अनिश्चिंतता एवं अस्थिरता के बादल मंडरा रहे हैं। विशेषतः तेल के दाम आसमान छूने लगे हैं। पिछले दिनों क्रूड ऑयल के दाम में एक ही दिन में पिछले तीन साल की सबसे बड़ी तेजी देखी गयी है। दोनों देश एक-दूसरे के ऊपर मिसाइलों से हमला कर रहे हैं, परमाणु युद्ध की आशंकाएं उग्र होती जा रही है। दोनों देशों के बीच फिलहाल इस युद्ध के रुकने की कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही है। तेल की बढ़ती कीमतों ने भारत समेत दुनियाभर के लिए संकट पैदा कर दिया है। क्रूड ऑयल की ग्लोबल डिमांड का 2 प्रतिशत ईरान से आता है। यहां के खरग द्वीप से करीब 90 प्रतिशत तेल बाहर भेजा जाता है। सैटेलाइट इमेज से पता चलता है कि क्रूड शिपमेंट में कमी आई है। पूर्ण युद्ध की स्थिति में ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर सकता है। इससे होकर दुनिया की 20 प्रतिशत नेचुरल गैस और एक तिहाई तेल ट्रांसपोर्ट होता है। यह रूट बाधित हुआ तो कच्चे तेल में 20 प्रतिशत तक उछाल आ सकता है। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी के अनुसार इराक, सऊदी अरब, कुवैत और यूएई से आने वाला कच्चा तेल, जो होर्मुज से होकर गुजरता है, भारत के कुल कच्चे तेल के आयात का लगभग 45-50 प्रतिशत है। एक तथ्य यह भी है कि ईरान भी जानबूझकर तेल की कीमतों को आसमान छूने के लिए मजबूर करके ट्रम्प प्रशासन को अस्थिर करने की कोशिश कर सकता है और पश्चिमी देशों में मुद्रास्फीति बढ़ा सकता है। ईरान और इजरायल के युद्ध के जटिलतर एवं घातक होते जाने के ही संकेत मिल रहे हैं। इजरायल चाहता है कि ईरान में सत्ता परिवर्तन हो और अयातुल्ला अली खामेनेई के शासन का अंत हो। हालांकि इस बात की गारंटी डॉनल्ड ट्रंप या नेतन्याहू में से कोई नहीं ले सकता कि खामेनेई को हटाने से समस्या का समाधान हो जाएगा। यह कैसे कहा जा सकता है कि नई सत्ता को परमाणु ताकत बनने में कोई दिलचस्पी नहीं होगी, वह भी जब उसके पास अमेरिका और इजरायल के हिसाब से जरूरी साधन मौजूद हैं।

हिंसा, युद्ध, आतंकवाद, आर्थिक प्रतिस्पर्धा से त्रस्त दुनिया में क्या अब शांति एवं अमन की संभावनाओं पर विराम लग गया है? क्या शांतिपूर्ण नये विश्व की संरचना अब दिवास्वप्न है? रूस और यूक्रेन के लम्बे युद्ध के बाद इजराइल और ईरान का युद्ध विश्व के लिये महाविनाश की टंकार है। इस युद्ध के खतरे बढ़ते ही जा रहे हैं। अब तक के नौ दिनों के युद्ध में ईरान और इजरायल में सैकड़ों की मौत, हजारों घायल, अरबों का नुकसान, दुनिया में अनिश्चिंतता एवं भय का माहौल, तेल की बढ़ती कीमतों से महंगाई बढ़ने की आशंका ने समूची दुनिया को डरा रखा है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को गंभीर नुकसान पहुंचा है, लेकिन नष्ट नहीं किया गया है। अमेरिका और इजराइल का मानना है कि ईरान ने परमाणु बम बनाने की क्षमता हासिल कर ली है और अगर अब उसे नहीं रोका गया, तो खतरा पूरी दुनिया को होगा। इजराइल इसी खतरे को मिटाने की बात कहकर ईरान पर तीव्र से तीव्रत्तर हमले कर रहा है और ईरान भी जबावी हमलों में इजरायल में तबाही मचा रखी है। युद्ध भले ही इन दो देशों के बीच हो रहा है, लेकिन उसका प्रभाव समूची दुनिया पर हो रहा है। इस संघर्ष को रोकना आवश्यक है, भले ही अमेरिका अभी तक मैदान में नहीं उतरा और यूरोप अपनी तरफ से कोशिश कर रहा है। इस युद्ध को रोकने के लिये बातचीत ही एकमात्र रास्ता है। ईरान और इजरायल संघर्ष की वजह से दुनिया में अनिश्चिंतता एवं अस्थिरता के बादल मंडरा रहे हैं। विशेषतः तेल के दाम आसमान छूने लगे हैं। पिछले दिनों क्रूड ऑयल के दाम में एक ही दिन में पिछले तीन साल की सबसे बड़ी तेजी देखी गयी है। दोनों देश एक-दूसरे के ऊपर मिसाइलों से हमला कर रहे हैं, परमाणु युद्ध की आशंकाएं उग्र होती जा रही है। दोनों देशों के बीच फिलहाल इस युद्ध के रुकने की कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही है। तेल की बढ़ती कीमतों ने भारत समेत दुनियाभर के लिए संकट पैदा कर दिया है। क्रूड ऑयल की ग्लोबल डिमांड का 2 प्रतिशत ईरान से आता है। यहां के खरग द्वीप से करीब 90 प्रतिशत तेल बाहर भेजा जाता है। सैटेलाइट इमेज से पता चलता है कि क्रूड शिपमेंट में कमी आई है। पूर्ण युद्ध की स्थिति में ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर सकता है। इससे होकर दुनिया की 20 प्रतिशत नेचुरल गैस और एक तिहाई तेल ट्रांसपोर्ट होता है। यह रूट बाधित हुआ तो कच्चे तेल में 20 प्रतिशत तक उछाल आ सकता है। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी के अनुसार इराक, सऊदी अरब, कुवैत और यूएई से आने वाला कच्चा तेल, जो होर्मुज से होकर गुजरता है, भारत के कुल कच्चे तेल के आयात का लगभग 45-50 प्रतिशत है। एक तथ्य यह भी है कि ईरान भी जानबूझकर तेल की कीमतों को आसमान छूने के लिए मजबूर करके ट्रम्प प्रशासन को अस्थिर करने की कोशिश कर सकता है और पश्चिमी देशों में मुद्रास्फीति बढ़ा सकता है। ईरान और इजरायल के युद्ध के जटिलतर एवं घातक होते जाने के ही संकेत मिल रहे हैं। इजरायल चाहता है कि ईरान में सत्ता परिवर्तन हो और अयातुल्ला अली खामेनेई के शासन का अंत हो। हालांकि इस बात की गारंटी डॉनल्ड ट्रंप या नेतन्याहू में से कोई नहीं ले सकता कि खामेनेई को हटाने से समस्या का समाधान हो जाएगा। यह कैसे कहा जा सकता है कि नई सत्ता को परमाणु ताकत बनने में कोई दिलचस्पी नहीं होगी, वह भी जब उसके पास अमेरिका और इजरायल के हिसाब से जरूरी साधन मौजूद हैं। इन हवाई हमलों से या जमीन पर सीधी लड़ाई लड़कर भले ही ईरान के इन्फ्रास्ट्रक्चर को खत्म कर दिया जाये, लेकिन ईरान के उस तकनीकी ज्ञान को कैसे खत्म किया जा सकता है, जो ईरानी वैज्ञानिकों ने बरसों की मेहनत से हासिल की है। ऐसे में विदेशी दबाव में हुआ बदलाव ईरान को और ज्यादा कट्टरता की ओर ही ले जायेगा। ऐसे में अमेरिका या इजराइल के हमलों से ईरान में आमूल-चूल परिवर्तन होना संभव प्रतीत नहीं होता। हकीकत में यह काम ईरानी जनता पर छोड़ना चाहिए, बदलाव की मांग वहां से उठनी चाहिए। ईरान के लोग भी अपनी हुकूमत के खिलाफ है, भीतर-ही-भीतर आक्रोश है, इसे आंदोलन का रूप देकर ईरान में सत्ता परिवर्तन का माहौल बनाना चाहिए। यही ईरान के लिये बेहतरी का रास्ता है, क्योंकि परमाणु हथियार बनाने की जिद्द में बहुत सारे संसाधनों को बर्बाद कर दिया है। इराक, लीबिया, सीरिया - कई उदाहरण हैं, जहां पश्चिमी ताकतों ने अपने हिसाब से बदलाव लाने के प्रयास किये, लेकिन इनमें से कहीं भी नतीजा मन-मुताबिक एवं सफल-सार्थक नहीं रहा। ये देश आज भी अस्थिर हैं। तेहरान को लेकर कोई भी दुस्साहस ईरान को भी इन्हीं मुल्कों की श्रेणी में ला सकता है। ऐसी स्थितियों में कैसे बदलाव की आशा की जा सकती है? अमेरिका हो या इजरायल, ईरान या दुनिया की अन्य महाशक्तियों उनकी तरफ से ऐसी कोई पहल होती हुई नहीं दिख रही है, जिससे लगे कि वे यह संघर्ष टालना चाहते हैं। इजराइल का कहना है कि वह ईरान की परमाणु हथियार बनाने की क्षमता को खत्म करने के लक्ष्य को हासिल होने तक युद्ध नहीं रोकेगा, लेकिन क्या ऐसा संभव है? ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची का कहना है कि कोई भी बातचीत इजराइली हमले रुकने के बाद ही होगी। दोनों देशों की जिद्द एवं अकड से प्रतीत नहीं होता कि शांति एवं युद्ध विराम का रास्ता संभव है। ईरान निश्चित रूप से दोषी है, दुनिया में अशांति का बड़ा कारण भी है। क्योंकि उसने अपने परमाणु-शक्ति के अपने प्रयासों को इस हद तक आक्रामक रूप से छिपाया कि अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी को भी कहना पड़ा कि ईरान अपने परमाणु अप्रसार दायित्वों का पालन नहीं कर रहा है। वैसे, इजराइल ने पिछले 15 वर्षों में कई बार ईरानी परमाणु कार्यक्रम पर निशाना साधा है, लेकिन हर बार वह या तो अमेरिकी दबाव में या अपनी सैन्य क्षमताओं पर संदेह के कारण अंतिम समय पर पीछे हट गया था। सवाल यह भी है कि इस संघर्ष का इराक, लेबनान, सीरिया और यमन पर क्या असर होगा, क्योंकि वहां पर ईरान एक लंबे समय से अपना प्रभाव जमाए हुए है और सशस्त्र उग्रवादियों एवं आतंकवादियों को पोषित करता आया है। हिजबुल्ला की रीढ़ तोड़ने से इस परिदृश्य में बदलाव की शुरुआत पहले ही हो चुकी है और लेबनान-सीरिया में पहले ही इसका लाभ मिल चुका है, जहां नए, बहुलतावादी नेताओं ने सत्ता संभाली है। ईरान के प्रभाव-क्षेत्र से इराक का पलायन भी वहां के लोगों के बीच व्यापक रूप से लोकप्रिय रहा है। ईरान की जनता अपने शासकों के प्रति नाराज है। वह सत्ता परिवर्तन चाहती है, इसलिये इजराइल से युद्ध में जनता का समर्थन नगण्य है। इसका फायदा इजरायल को मिल रहा है, इसी कारण इजरायल ईरान के शीर्ष मिलिट्री अधिकरियों की सटीक लोकेशन खोजकर उन्हें मार गिराने में सफल हो पायी है। इससे मालूम होता है कि कितने ईरानी अधिकारी इजराइल के लिए काम करने के लिए तैयार हैं, क्योंकि वे अपनी सरकार को नापसंद करते हैं। बावजूद इसके अगर इजराइल अपने प्रयास में विफल हो जाता है और तमाम चोटें खाने के बावजूद ईरान परमाणु हथियार बनाने में सक्षम हो जाता है तो इससे क्षेत्र पहले से कहीं अधिक अस्थिर हो जाएगा। तेल संकट भी बढ़ेगा और संभवतः ईरान अमेरिका-समर्थक अरब शासनों पर हमला करने के लिए प्रेरित हो सकता है। तब अमेरिका के पास इस लड़ाई में कूदने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा। ऐसी स्थितियां दुनिया के लिये अधिक घातक होगी, दुनिया में युद्ध के गहराते संकटों से मुक्ति का कोई तो रास्ता निकलना ही चाहिए। **– ललित गर्ग**

भारत की डिजिटल धोखाधड़ी महामारीः एक मूक उत्तराधिकारी

विजय गर्ग

हर बार जब आप फोन करते हैं और अमिताभ बच्चन की आवाज सुनते हैं तो आपको डिजिटल धोखाधड़ी के बारे में चेतावनी देते हैं, याद रखें - यह सिर्फ एक जन जागरूकता संदेश से अधिक है। यह एक बढ़ते संकट का प्रतिबिंब है जो ज्यादातर लोगों की तुलना में कहीं अधिक व्यापक है। हजारों संदिग्ध व्यक्ति फोन कॉल, फर्जी वेबसाइटों और सोशल मीडिया जाल के माध्यम से काम करने वाले धोखेबाजों का शिकार हो रहे हैं, इस प्रक्रिया में अपनी मेहनत की कमाई खो रहे हैं। यह और भी चिंताजनक है कि, ज्यादातर मामलों में, स्कैमर की पहचान अज्ञात रहती है और उन्हें पकड़ने की संभावना दर्दनाक रूप से पतली होती है। कैशलेस अर्थव्यवस्था की ओर चकाचौंध भरी भीड़ में, भारत के डिजिटल परिदृश्य ने समृद्धि और संकट दोनों के दरवाजे खोल दिए हैं। जैसे ही स्मार्टफोन वॉलेट में बदल जाते हैं और स्वाइप की गति से पैसा चलता है, घोटालेबाज भी डिजिटल हो गए हैं - एक ही लहर की सवारी करते हुए एक मूक उत्तराधिकारी को ऑर्केस्ट्रेट करते हैं जो लाखों भारतीयों को उनकी गाढ़ी कमाई से लूट रहा है। संकट का पैमाना चिंताजनक है। अकेले 2024-25 के पहले दस महीनों में, डिजिटल वित्तीय धोखाधड़ी देश भर में 2.4 मिलियन से अधिक मामलों की रिपोर्ट के साथ, बिना सोचे-समझे नागरिकों से त्र4,245 करोड़ से अधिक हो गई। यह पिछले वर्ष से तेज 67 प्रतिशत की छलांग लगाता है, और हर संख्या के पीछे नुकसान, भ्रम और टूटे हुए विश्वास की कहानी है। भारत में डिजिटल धोखाधड़ी अब शौकिया हैकिंग या फ़िशिंग प्रयासों तक ही सीमित नहीं है। अब इसमें आपराधिक रणनीति की एक विस्तृत वेब शामिल है - जिसमें नकली निवेश योजनाएं और धोखाधड़ी वाले ऋण ऐप से लेकर मैलवेयर-ग्रस्त वेबसाइट, डीपफ़ेक प्रतिरूपण और फोन कॉल पुलिस या बैंक अधिकारी के रूप में प्रस्तुत होते हैं। इनमें से कई घोटालों के केंद्र में, ''मनी खच्चर'' खातों का उपयोग होता है, जो बिना किसी संदिग्ध लोगों या मनगढ़ंत पहचान के नाम से खोले जाते हैं और चोरी किए गए धन को लूट लेते थे। इस तरह के धोखाधड़ी के तेजी से विकास को तीन यौगिक कारकों का पता लगाया जा सकता है। पहला भारत में डिजिटल वित्तीय सेवाओं का बिजली-तेजी से प्रसार है, विशेष रूप से ठ्प्क्ष् मोबाइल वॉलेट और इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से, डिजिटल सुरक्षा की सार्वजनिक समझ में समानांतर वृद्धि के बिना। दूसरा कानून प्रवर्तन प्रणाली के भीतर पर्याप्त संसाधनों की कमी है, जो अक्सर साइबर अपराध की जटिल और विकसित प्रकृति का मुकाबला करने के लिए सुसज्जित है। और तीसरा सामाजिक आर्थिक दबाव है, विशेष रूप से तकनीक की समझ रखने वाले युवाओं में उच्च बेरोजगारी है, जो कभी-कभी उन्हें डार्क वेब और अवैध ऑनलाइन गतिविधि की ओर धकेलता है। भारत ने अब विश्व साइबर अपराध सूचकांक में विश्व स्तर पर खुद को 10 वें स्थान पर पाया है, न केवल पीड़ितों की एक उच्च संख्या बल्कि अपराधियों की बढ़ती संख्या का संकेत दिया है। यह खतरे की गंभीरता और उस तात्कालिकता को दर्शाता है जिसके साथ इसे निपटाया जाना चाहिए। चुनौती का सामना करने के लिए, नियामकों और अधिकारियों ने सिस्टम की लचीलापन को मजबूत करना शुरू कर दिया है। जब तक नीति निर्माता, बैंक, नियामक और नागरिक जागरूकता और प्रवर्तन को मजबूत करने के लिए संगीत कार्यक्रम में कार्य नहीं करते हैं, तब तक देश अपनी सबसे बड़ी छलांग को अपनी सबसे खतरनाक भेद्यता में बदल देता है। डिजिटल धोखाधड़ी के खिलाफ युद्ध केवल एक तकनीकी या वित्तीय लड़ाई नहीं है - यह हर ईमानदार भारतीय की रक्षा करने के लिए एक लड़ाई है जो बेहतर, अधिक जुड़े भविष्य में विश्वास करने की हिम्मत करता है। क्योंकि तत्काल भुगतान के युग में, घोटाले सिर्फ एक क्लिक दूर हैं।

सेहत मंत्र

तनाव के कारण पुरूषों को आ सकता है हार्ट अटैक

तनाव आज के समय में हर किसी की जिन्दगी का एक अहम् हिस्सा बन चुका है। बढ़ते काम का बोझ और अन्य जिम्मेदारियां आपके तनाव के स्तर को बढ़ा सकती हैं। हालांकि, अत्यधिक तनाव सेहत के लिए कई मायनों में हानिकारक है। यह स्वयं में तो एक समस्या है ही, साथ ही इसके कारण पुरूषों को हृदय रोग होने की संभावना भी बढ़ जाता है। यह आपके रक्तचाप को बढ़ाता है, और आपके शरीर के लिए लगातार तनाव हार्मोन के संपर्क में रहना अच्छा नहीं है। अध्ययनों के अनुसार, तनाव रक्त के थक्कों के तरीके में भी बदलाव कर सकते हैं, जिससे दिल का दौरा पड़ने की संभावना अधिक होती है। अगर तनाव को सही तरह से मैनेज ना किया जाए तो इससे व्यक्ति को हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, सीने में दर्द, या अनियमित दिल की धड़कन होने की अधिक संभावना है। कई बार धूम्रपान, अधिक भोजन करना, या व्यायाम न करना जैसी आदतों के कारण स्थिति और भी अधिक खराब हो जाती है। हेल्थ एक्सपर्ट बताते हैं कि व्यायाम आपके तनाव के स्तर को कम करने में बेहद सहायक हो सकता है। खासतौर से, बेहतर हृदय स्वास्थ्य के लिए आपको सप्ताह में चार से पांच बार 30 से 40 मिनट के लिए व्यायाम अवश्य करना चाहिए। इससे आप हेल्दी वजन मेंटेन करने के साथसाथ ब्लड प्रेशर को मैनेज करने और कोलेस्टॉल लेवल बेहतर होता हे। साथ ही साथ व्यायाम के कारण आपके शरीर में तनाव का स्तर भी कम होता है। नियमित व्यायाम से व्यक्ति को डिप्रेशन या हृदय रोग होने की संभावना भी काफी हद तक कम हो जाती है। रिसर्च से इस बात का पता चला है कि अगर व्यक्ति के पास एक अच्छा सपोर्ट सिस्टम है, मसलन, वह किसी व्यक्ति पर विश्वास करके उससे बात कर सकता है तो ऐसे में तनाव का स्तर और हृदय रोग का जोखिम काफी हद तक कम हो जाता है। यदि आपको पहले से ही हृदय रोग है, तो यही नेटवर्क आपके दिल के दौरे के जोखिम को कम करने में मदद कर सकता है। कम से कम एक व्यक्ति जिस पर आप भरोसा कर सकते हैं, आपके ऊपर से भारी बोझ हटाता है और आराम प्रदान करता है। एक मजबूत सपोर्ट सिस्टम आपको अपना बेहतर ख्याल रखने में भी मदद करता है। शोध से पता चलता है कि सोशल सपोर्ट की कमी से धूम्रपान, उच्च वसा वाले आहार खाने और बहुत अधिक शराब पीने जैसे अस्वास्थ्यकर व्यवहार में शामिल होने की संभावना बढ़ जाती है।

धर्म मंत्र

युद्ध का मैदान छोड़ कर भागने पर कृष्ण कहलाये रणछोड़ उसी का प्रतीक है रणछोड़ मंदिर

द्वारका में द्वारिकाधीश मंदिर के अतिरिक्त श्री कृष्ण जी का एक और भी भव्य मंदिर है जो उनसे जुड़ी एक रोचक कथा का प्रतीक है जिसके चलते इस मंदिर को रणछोड़ जी महराज के मंदिर के नाम से पुकारा जाता है। यहां गोमती के दक्षिण में पांच कुंए है। निष्पाप कुण्ड में नहाने के बाद यहां आने वाले श्रद्धालु इन पांच कुंओं के पानी से कुल्ले करते है और तब रणछोड़जी के मन्दिर में प्रवेश करते है। रणछोड़जी का मन्दिर द्वारका का सबसे बड़ा और सबसे सुंदर मन्दिर माना जाता है। रण का मैदान छोड़ने के कारण यहां भगवान कृष्ण को रणछोड़जी कहते हैं। मंदिर में प्रवेश करने पर सामने ही कृष्ण जी की चार फुट ऊंची भव्य मूर्ति है, जो चांदी के सिंहासन पर विराजमान है। यह मूर्ति काले पत्थर से निर्मित है जिसमें हीरे-मोती से भगवान की आंखे बनी हैं और पूरा श्रंगार किया गया है। मूर्ति ने सोने की ग्यारह मालाएं गले में पहनी हुई हैं और भगवान को कीमती पीले वस्त्र पहनाये गए है। इसके चार हाथ है, जिनमें से एक में शंख, दूसरे में सुदर्शन चक्र, तीसरे में गदा और चौथे में कमल का फूल शोभायमान है। मुर्ति में रणछोड़ जी के सिर पर सोने का मुकुट सजा है। मंदिर में आने वाले भगवान की परिक्रमा करते है और उन पर फूल और तुलसी दल अर्पित करते हैं। मंदिर की चौखटों पर चांदी के पत्तर मढ़े हुए है, और छत से कीमती झाड़-फानूस लटक रहे हैं। एक तरफ ऊपर की मंजिल पर जाने के लिए सीढ़ियां है। सात मंजिल के इस मंदिर की पहली मंजिल पर अम्बादेवी की मूर्ति स्थापित है। कुल मिलाकर यह मन्दिर एक सौ चालीस फुट ऊंचा है।

पर्यटन

पार्टनर के साथ घूमने के लिए बेहतरीन जगह है लोटस वैली

अपने गौरवशाली अतीत के साथ-साथ इंदौर में घूमने के लिए कई बेहतरीन स्थान मौजूद हैं। दुकान और सर्राफा बाजार की हलचल भरी सड़कों से, शहर पर्यटन स्थलों का एक समूह प्रदान करता है, जिसे इंदौर में देखने से नहीं चूकना चाहिए। शहर से कुछ ही दूरी पर, शानदार गुलावट लोटस वैली स्थित है। अपने शांत वातावरण और आश्चर्यजनक दृश्यों के कारण, इसे अक्सर छिपा हुआ रत्न माना जाता है। और चूंकि गुलावट लोटस वैली इंदौर के बहुत पास है, आप आसानी से एक दिन का समय निकाल सकते हैं और अद्भुत जगह की एक छोटी यात्रा का आनंद ले सकते हैं। चाहे आप अपने जीवनसाथी के साथ रोमांटिक आउटिंग की योजना बना रहे हों या पारिवारिक पिकनिक पर, यह एक ऐसी जगह है जहाँ आपको अवश्य जाना चाहिए। गुलावट लोटस वैली यशवंत सागर डैम के पीछे वाली पानी से बनी एक प्राकृतिक झील है। अगर आप यहां है तो आपको झील के ऊपर स्थित विचित्र 100 मीटर के पुल की एक झलक अवश्य देखनी चाहिए। यहां से, आपको झील और खूबसूरत कमल का एक मनोरम दृश्य प्राप्त कर सकते हैं, जो इसे इंदौर में दर्शनीय स्थलों की यात्रा के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक बनाता है। पहली किरणों को झील के ऊपर तैरते फूलों को देखना बेहतरीन होता है। आप यहां पर नौका विहार और घुड़सवारी जैसी कुछ गतिविधियों में भी शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा, घाटी के पास स्थित हनुमान मंदिर के दर्शन भी कर सकते हैं। जगह की सुंदरता को बढ़ाते हुए, गुलावट घाटी के पास नीलगिरी और बांस के जंगल भी हैं जो आपको प्रकृति की गोद में कुछ समय बिताने का अवसर प्रदान करते हैं। आप जंगल में छोटे तालाब भी देख सकते हैं जहां यशवंत सागर बांध से पानी आता है। आप पास के गुलावट गांव में भी टहल सकते हैं और यहां के स्थानीय लोगों की जीवनशैली के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

'एक धरती, एक स्वास्थ्य के लिए योग'

सरकार ने वैश्विक पटल पर योग को नई पहचान दिलाई : सुरेश राही

'शरीर और आत्मा के लिए 'तोहफा' है योग : पूनम

जीआईसी ऑडिटोरियम समेत जिले भर में एकादश अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का भव्य आगाज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। एकादश अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह 2025 का शनिवार को भव्य आयोजन नगर के राजकीय इण्टर कॉलेज ऑडिटोरियम में किया गया, जिसका शुभारंभ प्रातः 6:00 बजे प्रभारी मंत्री सुरेश राही राज्य मंत्री कारागार द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। उनके साथ अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती राजरानी रावत, सदस्य विधानसभा परिषद अंगद कुमार सिंह, अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी अरविंद कुमार मौर्य एवं जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी, मुख्य विकास अधिकारी अन्ना सुदन, प्रभागीय वनाधिकारी आकाशदीप वधावन, अपर जिलाधिकारी अरुण कुमार सिंह, उपजिलाधिकारी नवाबगंज आनन्द कुमार तिवारी, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ राजीव सिंह, जिला विकास अधिकारी भूषण कुमार, परियोजना निदेशक राकेश कुमार सिंह एवं अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी भी सहभागी बने। तथा कार्यक्रम के आयोजक क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ वीनम यादव, जिला होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी डॉ अर्चना श्रीवास्तव के निर्देशन में सभी अतिथियों का स्वागत जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा पुष्प गुच्छ, योगांक पुस्तक एवं औषधीय पौधे भेंट कर किया गया। योग प्रशिक्षक शशि कुमार अवस्थी द्वारा सामान्य योग प्रोटोकॉल कराया जिन्होंने पूरे योग सप्ताह के दौरान बहुत ही सराहनीय कार्य किया।योग सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजयी छात्र एवं छात्राओं को मुख्य अतिथि द्वारा प्रमाण पत्र का वितरण किया गया।

जिला कारागार में राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय नगर के योग प्रशिक्षक सुशील कुमार अवस्थी एवं योग सहायक श्रीमती स्वीटी मौर्या द्वारा सामान्य योग प्रोटोकॉल सीवाईपी का अभ्यास कराया गया।

अभ्यास में करीब ढाई सौ लोग सम्मिलित हुए। जिला कारागार के अधिकारी एवं कर्मचारी समेत कैदियों ने उत्साह पूर्वक प्रतिभाग किया।

शहर के समीपस्थ बंदीपुरवा स्थित जे.बी.एस इंस्टीट्यूट प्रांगण में आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ प्रबंधक श्रीमती पूनम सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। प्रबंधक श्रीमती सिंह ने बताया कि प्रथम योग गुरु शिव को माना जाता है शिव जी ने यह योग सप्तऋषियों को दिया इसके पश्चात पतंजलि ने योग सूत्रों के माध्यम से इस परंपरा को आगे बढ़या।अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को पूरे विश्व में फैलाने का श्रेय हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जाता है। पूरा विश्व अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मना रहा है।

रामनगरः योग दिवस पर विभिन्न शैक्षणिक व प्रशासनिक संस्थानों में योगाभ्यास कार्यक्रमों का आयोजन हुआ।डायट गणेशपुर में प्राचार्य डॉ राजेश कुमार आर्या के मार्गदर्शन में सुबह 7 बजे योग सत्र की शुरुआत हुई।योग प्रभारी महेन्द्र कुमार यादव के संचालन में प्रशिक्षुओं प्रवक्ताओं और कर्मचारियों ने योग प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास किया।रामनगर पीजी कॉलेज में प्राचार्य प्रो कौशलेंद्र विक्रम मिश्रा के नेतृत्व में योग शिक्षक अरविंद कुमार ने छात्रों और स्टाफ को योगाभ्यास कराया।यूनियन इंटर कॉलेज में उपजिलाधिकारी विवेकशील एवं तहसीलदार महिमा मिश्रा की उपस्थिति में योग शिक्षिका अवंतिका सिंह ने योग सत्र का संचालन किया।ब्लॉक सभागार रामनगर में खंड विकास अधिकारी जितेंद्र कुमार की अध्यक्षता में अधिकारियों व कर्मचारियों ने योगाभ्यास किया।

सिद्धौरःअंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर ब्लाक के अधिकारी कर्मचारियों ने भाग लेते हुए योग किया। जिसमें एडीओ कोऑपरेटिव शैलेंद्र कुमार, एडीओ आईएसबी राधेश्याम, ग्राम पंचायत सचिव , कम्प्यूटर आपरेटर राजकुमार तिवारी, पवन कुमार,राकेश कुमार आदि शामिल रहे।

इसी तरह सिद्धौर के श्री सिद्धेश्वर पार्क में आयोजित योगाभ्यास कार्यक्रम सिद्धौर चेयरमैन प्रतिनिधि लल्लू रावत, अधिशाषी अधिकारी आशुतोष त्रिपाठी, वरिष्ठ लिपिक श्रीष मिश्रा, प्रधान संघ अध्यक्ष सत्यनाम सिंह वर्मा,रामराज कनौजिया आदि गणमान्य लोगों ने योग किया।

निंदूराःविकास खण्ड निंदूरा के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों,विकास खंड परिसर में योग दिवस मनाया गया।बाबू हरनाथ सिंह सिसोदिया विद्यापीठ झरसवा में कुर्सी विधायक साकेंद्र प्रताप वर्मा के साथ उप जिलाधिकारी फतेहपुर,बीडीओ फतेहपुर संतोष सिंह व निंदूरा आलोक वर्मा सहित अन्य लोगों ने योग किया।राजकीय इंटर कॉलेज निंदूरा में प्रधानाचार्य भानु प्रताप सिंह के साथ अन्य शिक्षक और विद्यार्थियों ने योग किया। कंपोजिट विद्यालय बहरौली में योग शिविर का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी निंदूरा सुषमा सेंगर द्वारा दीप प्रचलन करके किया गयाद्य जिसमें विकास खण्ड की ब्लॉक व्यायाम शिक्षिका शालिनी शर्मा के द्वारा सूर्य नमस्कार, भ्रामरी ,वज्रासन , हलासन , शवासन आदि मुख्य रूप से कराए गए ।

समाधान दिवसः डीएम,एसपी ने पूर्ण मनोयोग से सुनी जन शिकायतें

फतेहपुर बाराबंकी। तहसील सभागार में जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस सम्पन्न हुआ, जिसमें पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय भी मौजूद रहे। जिलाधिकारी द्वारा कई मामलों का मौके पर निस्तारण कराया गया,उन्होंनेअधिनस्तअधिकारियों को निर्देश दिए की समाधान दिवस में आए प्रार्थनापत्रों का निस्तारण में कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। समय से इनका निस्तारण होना चाहिए। सम्पूर्ण समाधान दिवस में 74 प्रार्थनापत्र आए जिसमें20 मामलों का मौके पर संबंधित अधिकारियों द्वारा निस्तारण करा दिया गया। विदित हो कि आज आयोजित हुए सम्पूर्ण समाधान दिवस में राजस्व 15,पुलिस 16, विकास 19,नगर निकाय से दो ,खाद्य एवं रसद तीन से छः ,चकबंदी से तीन, बालविकास से एक वन विभाग से एक,जल निगम से तीन, जिला प्रोवेशन अधिकारी से बैंक से एक एक प्रार्थना पत्र आया , समाज कल्याण से दो प्रार्थनापत्र आए। समाधान दिवस में मुख्य चिकित्साअधिकारी डॉ. अवधेशकुमार,उपजिलाधिकारी कार्तिकेय सिंह, तहसीलदार वैशाली अहलावत ,विद्युत उपखंड अभियंता,बीडीओफतेहपुर संतोष कुमार,निंदुरा आलोक वर्मा, नायब तहसीलदार अंकिता पाण्डेय, नायब तहसीलदार कुर्सी अभिनव सिंह , सी एच सी अधीक्षक अवनीश चौधरी सभी थाना प्रभारी व तहसील राजस्व निरीक्षकों सहित जिला व तहसील स्तरीय विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

शांति समिति की बैठक, सीओ पंत ने दिया दिशा निर्देश

रामनगर बाराबंकी। आगामी मोहर्रम त्योहार के दृष्टिगत थाना परिसर में पुलिस क्षेत्र अधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित शांति समिति की बैठक संचालन थाना प्रभारी अनिल कुमार पांडेय ने किया।इस दौरान विभिन्न गांवों के प्रतिनिधि टाउन के सभासद नागरिक व अधिकारी मौजूद रहे।बैठक में अधिकारियों ने मोहर्रम शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की अपील की।क्षेत्राधिकारी ने अनुमति लेना अनिवार्य बताया और किसी समस्या की स्थिति में तुरंत पुलिस को सूचित करने को कहा।थाना प्रभारी ने डीजे बजाने में मर्यादा रखने निर्धारित रूट पर ही ताजिया निकालने और ताजिया की ऊंचाई मानक के अनुसार रखने के निर्देश दिए।

योग से दूर होती हैं अस्थमा रोगियों की मानसिक समस्याएंः डॉ. सूर्यकान्त

लखनऊ। योग न केवल शारीरिक रूप से स्वस्थ रखता है बल्कि यह मानसिक समस्याओं को भी दूर करता है। यह निष्कर्ष केजीएमयू के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग के अध्यक्ष डॉ.सूर्यकान्त द्वारा अस्थमा रोगियों पर किये गए शोध में सामने आये हैं। इस शोध में डॉ. श्रुति अग्निहोत्री ने शोध सहायक के तौर पर सहयोग किया है। डॉ. सूर्यकान्त बताते हैं कि यह शोध अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर वर्ल्ड जनरल ऑफ फार्मास्यूटिकल रिसर्च में साल 2024 में प्रकाशित हुआ । यह शोध अस्थमा के रोगियों पर उनके मनोवैज्ञानिक कारकों पर योग, प्राणायाम व ध्यान के प्रभाव को देखने के लिए किया गया । इस शोध में 600 अस्थमा के रोगियों ने प्रतिभाग किया। जिनमें से 530 रोगियों ने इसे पूरा किया । रोगियों को दो समूहों में विभाजित किया गया एक समूह के मरीजों को चिकित्सीय दवाओं के साथ 45 मिनट तक योग, प्राणायाम व ध्यान आठ माह तक कराया गया जबकि दूसरे समूह के मरीजों का केवल चिकित्सीय दवाओं द्वारा इलाज किया गया। आठ माह के बाद दोनों समूहों के रोगियों को 21 प्रश्नोत्तरी द्वारा आकलित किया गया जिसमें यह पाया गया कि आठ माह तक योग करने वाले प्रतिभागियों में अवसाद का स्तर 23%, चिंता का स्तर 32% तथा तनाव का स्तर 41% तक कम हो जाता है। इससे यह पता चलता है कि दवाओं के साथ योग, ध्यान और प्राणायाम अस्थमा के इलाज में कारगर है। डॉ. सूर्यकान्त के अनुसार फ़ेफड़े जीवन भर बिना रुके हुए काम करते हैं। यदि इनमे कुछ दिक्कत आ जाये तो सांस लेने सम्बन्धी बीमारियाँ जैसे अस्थमा व अन्य समस्याएं उत्पन्न होती हैं। आज के समय में वायु प्रदूषण, स्मोग, ग्लोबल वार्मिंग फ़ेफड़ों को प्रभावित करते हैं। ऐसे में योग के माध्यम से हम फ़ेफड़ों सम्बन्धी दिक्कतों से काफी हद तक पार पा सकते हैं। अस्थमा के इलाज में योग सहायक हो सकता है। योग में कई प्रकार की सांस सम्बन्धी तकनीकों का उपयोग किया जाता है। प्राणायाम में कई प्रकार की सांस तकनीकें शामिल हैं जो सम्पूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बनाती हैं। प्राणायाम करने से फ़ेफड़े साफ़ होते हैं, शरीर को ऊर्जा मिलती है और ध्यान केन्द्रित करने की क्षमता बढ़ती है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ तहसील समाधान दिवस

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मलिहाबाद/लखनऊ। सम्पूर्ण समाधान दिवस के उपलक्ष्य में जिलाधिकारी विशाख जी मलिहाबाद तहसील पहुंचे जहां उन्होंने जनसुनवाई करते हुए बताया सभी विभागो को प्रकरणों का तत्काल गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करवाए जाने हेतु सख्त रूप से निर्देशित किया गया है। विनम्र भाव और सहज स्वभाव के साथ फरियादियों की समस्याएं सुनी। शिकायतकर्ता

बलिराम निवासी बंशीगढ़ी ने बताया मुख्यमंत्री लघु सिंचाई योजनान्तर्गत माल उपकेंद्र के अंतर्गत कनेक्शन हेतु दिसंबर 24 को आवेदन किया था आवेदन संख्या 1008491383 है।कई दिनों तक कनेक्शन के लिए पावर हाउस में जेई माल के पास दौड़ भाग करता रहा उसके बाद जेई आशीष कुमार श्रीवास्तव ने कनेक्शन देने के एवज में 20 हजार रुपए मांगे कहा तभी तुम्हारा स्टीमेट बनाकर कनेक्शन होगा वरना दौड़ भाग करते रहो। जेई के झांसे में आकर उनको 20 हजार रूपये दे दिया 6 माह बाद भी अब तक नलकूप का कनेक्शन नहीं हुआ है।इसी दरम्यान जेई का आगरा ट्रांसफर हो गया है कई बार फोन किया परन्तु अब जेई फोन ही रिसीव नहीं कर रहे हैं।मेरे 20 हजार जेई ने हड़प लिया और कनेक्शन भी नहीं किया फसले भी सूख गयी है जिससे काफी नुकसान हुआ है। डीएम ने बुजुर्ग को जेई पर टीम गठित कर कार्यवाही करने के लिए आस्वस्त किया। समाजसेवी यूसुफ खां ने नगर पंचायत की जर्जर सड़कों को बनवाने और जल निगम द्वारा कस्बे में पाइप लाइन डालने के दौरान कई महीनों से सड़के खोद दी गई है जिससे कस्बा वासियो को निकालने में काफी परेशानी हो रही है।जेई ने पेयजल पाइपलाइन का कार्य 10 दिन में पूरा करने का अस्वासन दिया।डीएम ने निर्देश देते हुए कहा जब तक पेयजल पाइपलाइन का कार्य पूरा नहीं हो जाता तब तक जेई का वेतन नही दिया जाएगा।

हत्या को हादसा साबित करने पर तुली है पुलिस

कैनविज टाइम्स संवाददाता

निंदूरा बाराबंकी। घुंघटेर थाना क्षेत्र के बजगहनी निवासी युवक की शुक्रवार रात्रि खेत की रखवाली करने के दौरान संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई।

जानकारी मुताबिक अरविंद कुमार उम्र करीब 35 वर्ष पुत्र रामपाल प्रतिदिन की भांति शुक्रवार रात करीब आठ बजे बजगहनी रैंगवा संपर्क मार्ग पर पुल के पास खेत में बनी झोपड़ी में रखवाली के लिए चला गया था।अगले दिन सुबह देर तक घर न लौटने पर माता प्रसाद की बिटिया कविता देखने के लिए खेत गई तो उसे तख़त पर अरविंद पड़ा मिला, जिसकी जानकारी उसने घर आकर दी तब घर के सभी सदस्य मौके पर गए तो देखा कि अरविंद मृत अवस्था में पड़ा था।

माता प्रसाद के अनुसार करीब 15 वर्ष पूर्व अरविंद उनको आईआईएम सड़क लखनऊ में घूमता मिला था जिसे वह अपने साथ ले आए थे तबसे वह घर के सभी काम करता था और खेतों की रखवाली भी करता था।

अरविंद ने उन्हे बताया था कि उसकी बुआ कुर्सी के निकट मदारपुर में रहती थी माता प्रसाद उसे लेकर बुआ के वहां गए थे और उसके बाद अरविंद के पिता की मौत पर भी गए थे तब उन्होंने अरविंद से कहा कि तुम जहां रहना चाहते हो वहां रहो तो अरविंद ने वहां रहने से मना कर दिया और यही रह रहा था।अरविंद के पिता ने सब जगह जमीन बेच दी थी और बाबा हो गए थे।शुक्रवार को प्रतिदिन की भांति अरविंद खेत में बनी झोपड़ी में रखवाली के लिए गया था परन्तु अगले दिन सुबह नहीं लौटा और शनिवार सुबह झोपडी में पड़े तख़त पर मृत अवस्था में मिला।अरविंद के शरीर पर छाती और गले में चोट के निशान है झोपड़ी की थुनिया में खून लगा मिला है और दाहिना हाथ टूटा हुआ है।माता प्रसाद के अनुसार देखने से लग रहा है कि हत्या की गई है परन्तु क्षेत्राधिकारी की मौजूदगी में पुलिस ने बोलकर स्वयं प्रार्थना पत्र लिखवाया। माता प्रसाद ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर कार्यवाही की मांग की है।

इस संबंध में घुंघटेर थाना संपर्क करने के लिए सीयूजी नंबर मिलाया गया परन्तु नंबर नॉट रिचेबल बताता रहा।गौरतलब हो कि यह पहली बार नहीं है कि सीयूजी नॉट रिचेबल बता रहा है लगभग हमेशा ही यही रहता है। क्षेत्राधिकारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है पोस्टमार्टम रिपोर्ट से हत्या का कारण पता चलेगा।

एसजीपीजीआई,लोहिया व केजीएमयू के चिकित्सकों ने किया योग

लखनऊ,। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ समेत प्रदेश भर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पूरे उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। लखनऊ में संजय गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान,डा.राम मनोहर लोहिया संस्थान और किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय समेत शहर के बलरामपुर,सिविल व लोकबंधु संयुक्त चिकित्सालय में योग दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इन संस्थानों में आयोजित योगाभ्यास में मरीजों के अलावा संस्थानों के चिकित्सकों समेत पैरामेडिकल स्टाफ ने भी योग किया। एसजीपीजीआई में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो. देवेंद्र गुप्ता, चिकित्सा अधीक्षक प्रोफ़ेसर आर हर्षवर्धन की देखरेख में योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डॉ. अतुल सोनकर ने कार्यक्रम का संचालन किया। केजीएमयू के सरदार पटेल ग्राउंड में कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानंद व अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. आर.ए.एस. कुशवाहा की उपस्थिति में योग संगम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें चिकित्सा विश्वविद्यालय के सभी चिकित्सक,अधिकारी, चिकित्सा,दंत विज्ञान,नर्सिंग व पैरामेडिकल विज्ञान संकाय के करीब 2500 प्रतिभागियों ने योग का अभ्यास किया। डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के अकादमिक ब्लॉक में आयोजित योगाभ्यास में 800 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें एमबीबीएस छात्र-छात्राएँ, नर्सिंग छात्र-छात्राएं, रेज़िडेंट डॉक्टर, फैकल्टी सदस्य, अधिकारीगण, नर्सिंग स्टाफ, परिचारकगण तथा फैकल्टी और कर्मचारियों के परिजन एवं बच्चे शामिल थे। कार्यक्रम की शुरुआत एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक से हुई, जिसे एमबीबीएस एवं नर्सिंग छात्रों द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस नाटक के माध्यम से दैनिक जीवन में योग के लाभों का सशक्त संदेश दिया गया। यह प्रस्तुति सभी उपस्थित जनों द्वारा अत्यंत सराही गई।

संस्थान के निदेशक ने अपने संबोधन में योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने पर बल देते हुए इसके स्वास्थ्य, मानसिक शांति एवं तनाव प्रबंधन में सकारात्मक प्रभाव की चर्चा की। उन्होंने सभी से नियमित योग को अपनाने की प्रेरणा दी। योगाभ्यास योगगुरु ओम नारायण अवस्थी ने कराया।

बीकेटी स्थित राम सागर मिश्र हॉस्पिटल में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। शिविर में बड़ी संख्या में डॉक्टर, नर्सिंग ऑफिसर्स, पैरामेडिकल एवं अन्य कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया है। राम सागर मिश्र हॉस्पिटल के सीएमएस डॉ. वीके शर्मा ने कहा कि अच्छी सेहत के लिए योग करें। नियमित योग करने से रोगों से लड़ने की ताकत बढ़ती है। बीमारियां पास नहीं फटकती हैं। डॉ. वीके शर्मा ने कहा कि योग से ब्लड प्रेशर पर आसानी से काबू पाया जा सकता है। डायबिटीज पर भी प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। दिल की बीमारियों से भी काफी हद तक बचा जा सकता है।

प्रेरणा कैंटीन का साकेन्द्र शशांक ने किया शुभारंभ, काटा फीता

कैनविज टाइम्स संवाददाता

फतेहपुर बाराबंकी। कुर्सी विधायक साकेंद्र प्रताप वर्मा और जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नव स्थापित जन सहयोग से निर्मित प्रेरणा कैंटीन का फीता काटकर उद्घाटन किया।इस अवसर पर श्री वर्मा ने कहा कि अस्पताल में कैंटीन खुलने से लोगों तो सुविधा मिलेगी ही साथ ही समूह से जुड़ी महिलाओं को रोजगार मिलेगा जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी जोकि सरकार की मंशा है। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गी, एसडीएम फतेहपुर कार्तिकेय सिंह, सीएमओ डॉक्टर अवधेश यादव, सीएससी अधीक्षक डॉक्टर अवनीश चौधरी, बीडीओ फतेहपुर संतोष सिंह उपस्थित रहे।

ग्रामीणों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

पूरेदेवीदास में मतदान केंद्र की दूरी बनी समस्या, ग्रामीणों ने बूथ स्थानांतरण की उठाई मांग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

> ''पूरेदेवीदास मजरे मँझूपुर में बूथ की दूरी के संदर्भ में पत्र मिला है इसको लेकर उच्चाधिकारियों से बात कर पत्राचार किया जाएगा ताकि आने वाले पंचायत चुनाव में ग्रामीणों के लिए गांव में ही मतदान बूथ बनाया जा सके।
>
> **मो शम्स तबरेज खान**
> **एसडीएम हैदरगढ़ बाराबंकी**

हैदरगढ़, बाराबंकी। विकासखंड त्रिवेदीगंज अंतर्गत ग्राम पंचायत मंझूपुर में पंचायत चुनावों के दौरान मतदान केंद्र की दूरी एक अहम मुद्दा बनकर उभरा है। मंझूपुर ग्रामसभा के अंतर्गत आने वाले पूरे देवीदास गांव के निवासियों को करीब तीन किलोमीटर दूर स्थित मतदान केंद्र तक पहुंचने में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

ग्रामीणों ने बताया कि जहां एक ओर लोकसभा व विधानसभा चुनावों में मंझूपुर और पूरे देवीदास गांवों के लिए अलग-अलग मतदान केंद्र बनाए जाते हैं, वहीं ग्राम पंचायत चुनावों में दोनों गांवों के लिए एक ही मतदान केंद्र निर्धारित किया जाता है – वह भी मंझूपुर में। इससे पूरे देवीदास गांव के बुजुर्गों, महिलाओं व दिव्यांग मतदाताओं को विशेष रूप से भारी दिक्कतें झेलनी पड़ती हैं।

स्थानीय ग्रामीणों ने मतदान केंद्र की इस असमान व्यवस्था पर आपत्ति जताते हुए मांग की है कि पंचायत चुनावों में भी पूरे देवीदास गांव में पृथक मतदान केंद्र की व्यवस्था की जाए। इसी मांग को लेकर आज ग्रामीण प्रतिनिधि मंडल ने उपनिर्वाचन अधिकारी मोहम्मद शम्स तबरेज खान से मुलाकात कर उन्हें औपचारिक पत्र सौंपा।

मांगपत्र देने वालों में प्रमुख रूप से विकास तिवारी, देशराज वर्मा उर्फ लालजी वर्मा, महंत अनुपम दास, सुधीर सिंह, राजेंद्र तिवारी आदि शामिल रहे। प्रतिनिधियों ने कहा कि यदि इस समस्या का समय रहते समाधान नहीं किया गया तो लोकतांत्रिक प्रक्रिया में ग्रामीणों की भागीदारी प्रभावित होगी और मतदान प्रतिशत भी प्रभावित हो सकता है।

ग्रामीणों की इस मांग ने प्रशासन के समक्ष एक गंभीर विचारणीय प्रश्न खड़ा कर दिया है, जिससे यदि समय रहते नहीं निपटा गया तो यह मामला आगामी पंचायत चुनावों में असंतोष का कारण बन सकता है।

वेबर को पछाड़ कर नीरज ने पेरिस डायमंड लीग का खिताब जीता

एजेंसी

पेरिस। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने पेरिस डायमंड लीग 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 88.16 मीटर का थ्रो किया और जर्मनी के जूलियन वेबर को पछाड़ते हुए खिताब अपने नाम किया।

नीरज ने बताया कि वह डायमंड लीग में 90 मीटर के पार फेंकने की कोशिश में थे, लेकिन रन-अप तेज हो जाने के कारण वह अपनी गति पर नियंत्रण नहीं रख पाए। उन्होने ओलंपिक्स डॉट काम से कहा ल्लमैं आज 90 मीटर से ज्यादा की उम्मीद कर रहा था, लेकिन रन-अप बहुत तेज था और मैं कंट्रोल नहीं कर सका। फिर भी डायमंड लीग जीतकर बहुत अच्छा लग रहा है क्योंकि काफी समय बाद खिताब हासिल हुआ है। इससे पहले नीरज ने मई में दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर का थ्रो कर न केवल अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ दूरी फेंकी थी, बल्कि भारतीय राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी तोड़ा था। हालांकि उस प्रतियोगिता में जूलियन वेबर ने 91.06 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो कर उन्हें दूसरे स्थान पर धकेल दिया था। नीरज इस सीजन में चेक गणराज्य के दिग्गज और वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर जान जेलेजनी के साथ ट्रेनिंग कर रहे हैं। जेलेजनी ने अपने करियर में 90 मीटर की दूरी 50 से अधिक बार पार की है और 1996 में 98.48 मीटर का भाला फेंक विश्व रिकॉर्ड बनाया था, जो आज भी कायम है। नीरज ने कहा, ल्लहम तकनीकों पर काम कर रहे हैं और उनके साथ ट्रेनिंग करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। अगर मैं जान के साथ ट्रेनिंग कर रहा हूं, तो 90 मीटर पार करना जरूरी है। उन्होंने यह कई बार कर दिखाया है। पूर्व कोच क्लाउस बार्टोनेट्ज के साथ नीरज ने छह बार 89 मीटर के करीब थ्रो किया था, लेकिन 90 मीटर का आंकड़ा नहीं छू पाए थे। अब जब उनसे पूछा गया कि क्या जान जेलेजनी का वर्ल्ड रिकॉर्ड उनके निशाने पर है, तो नीरज ने मुस्कराते हुए कहा, ल्लपहले मुझे उनके कुछ छोटे रिकॉर्ड तोड़ने होंगे। पेरिस का स्टेडियम रिकॉर्ड 91.40 मीटर भी उनके नाम है। मैंने आज महसूस किया कि थ्रो अच्छा था, लेकिन उन्हें पीछे छोड़ना वाकई मुश्किल है। नीरज चोपड़ा ने कहा, वो 98 मीटर फेंक चुके हैं और 90 मीटर से ऊपर तो न जाने कितनी बार। शायद जब मैं 95 मीटर तक पहुंच जाऊं, तब कुछ कहने लायक बनूं। अभी के लिए मुझे बस मेहनत करते रहना है। इस सीजन में नीरज चोपड़ा की तैयारी का खास मकसद वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप है, जो सितंबर में टोक्यो में होगी। यही स्टेडियम है जहां नीरज ने 2021 ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीता था। नीरज ने कहा, ल्लइस साल का सबसे बड़ा लक्ष्य वर्ल्ड चैंपियनशिप है। टोक्यो का स्टेडियम मेरे लिए खास है क्योंकि वहीं मैंने ओलंपिक गोल्ड जीता था। वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप 13 से 21 सितंबर के बीच आयोजित की जाएगी। पिछली बार 2023 में बुडापेस्ट में नीरज चोपड़ा ने भारत के लिए पहली बार इस प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीता था। नीरज ने कहा, मैं यह नहीं कहूंगा कि मेरा लक्ष्य गोल्ड है। मैं बस अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहता हूं, बिना किसी दबाव के। हर नई प्रतियोगिता में मैं बीते प्रदर्शन को भूलकर सिर्फ उसी दिन पर ध्यान देता हूं।

शतक के साथ दौरे की शुरुआत करना यादगार क्षण: जायसवाल

एजेंसी

लीड्स। भारत के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने इंग्लैंड में अपने पहले टेस्ट शतक को भारतीय क्रिकेट में एक नए युग का हिस्सा बताया और हेडिंग्ले में यादगार प्रदर्शन के लिए गौतम गंभीर के नेतृत्व में टीम के माहौल, नेतृत्व और तैयारी को श्रेय दिया। हेडिंग्ले में पहले टेस्ट के पहले दिन इंग्लैंड में पदार्पण शतक लगाने वाले जायसवाल ने कहा कि इस तरह से दौरे की शुरुआत करना एक विशेष क्षण था। उन्होने कप्तान शुभमन गिल के साथ सौहार्द की प्रशंसा की, जिन्होंने भी शतक बनाया। दिन के खेल की समाप्ति पर जायसवाल ने कहा, हम अपना सर्वश्रेष्ठ देने, कड़ी मेहनत करने और देश के लिए प्रदर्शन करने की कोशिश कर रहे हैं। टीम का माहौल शानदार रहा है। हमें अपना स्वाभाविक खेल खेलने की आज़ादी दी गई है और इससे वाकई मदद मिली है। अपनी तैयारी के बारे में जायसवाल ने बताया कि गौतम गंभीर के मार्गदर्शन में बेंगलुरु में इंडिया ए के लिए खेलना बहुत महत्वपूर्ण था। उन्होंने कहा, ल्ल हमारे पास कुछ गहन सत्र और बहुत सारी तकनीकी चर्चायें थीं। गौतम सर बहुत सहायक थे। मुझे कड़ी मेहनत करने में मज़ा आया और इससे मुझे यहाँ आने का आत्मविश्वास मिला। पारी के दौरान ऐंठन का अनुभव करने के बावजूद, जायसवाल ने कहा कि वह स्थिति को संभालने और गेंदबाजी चुनौतियों के अनुकूल होने पर केंद्रित रहे। उन्होंने कहा, ल्ल खेल के दौरान ऐसे क्षण भी आये जब मुझे धीमा होना पड़ा, फ़ील्ड प्लेसमेंट का आकलन करना पड़ा और उसके अनुसार खेलना पड़ा। टीम की ज़रूरतों के हिसाब से बल्लेबाज़ी करना महत्वपूर्ण था। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड दोनों में शतक बनाने पर विचार करते हुए, बाएं हाथ के बल्लेबाज ने कहा ल्ल मैं जहां भी जाता हूँ और जब भी खेलता हूँ, मेरा लक्ष्य हमेशा बड़ा स्कोर बनाना होता है। मुझे शतक बनाने में मज़ा आता है और मुझे वह एहसास बहुत पसंद है। बेशक, कुछ पल बहुत खास होते हैं। इंग्लैंड में डेब्यू शतक, खासकर जब हमारे कप्तान शुभमन ने भी शतक बनाया। यह इसे और भी यादगार बना देता है। किसी भी चीज़ का पहला प्रदर्शन हमेशा खास होता है और भारतीय क्रिकेट के लिए ऐसे मंच पर ऐसा करना कुछ ऐसा है जिसे मैं हमेशा याद रखूँगा। उन्होंने कहा हम सत्र दर सत्र खेलना चाहते थे, ढीली गेंदों को दंडित करना चाहते थे और स्कोरबोर्ड को आगे बढ़ाना चाहते थे। हमने वास्तव में एक साथ बल्लेबाजी का आनंद लिया।

ब्रिट्स की नाबाद 98 रनों की पारी, दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को पहले टी20 में 50 रनों से हराया

एजेंसी

केव हिल (बारबाडोस)। दक्षिण अफ्रीका की सलामी बल्लेबाज़ तज़िमन ब्रिट्स ने शानदार बल्लेबाज़ी करते हुए करियर की सर्वश्रेष्ठ 98 रनों की नाबाद पारी खेली और अपनी टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ शुक्रवार को पहले महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में 50 रन की बड़ी जीत दिलाई। ब्रिट्स ने महज 63 गेंदों में 9 चौकों और 4 छक्कों की मदद से यह पारी खेली। उनके इस प्रदर्शन की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 183 रन बनाए। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 20 ओवर में 6 विकेट पर सिर्फ 133 रन ही बना सकी। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट और अनुभवी मैरिज़ान कैप पांच ओवर के अंदर ही पवेलियन लौट गईं, दोनों विकेट युवा गेंदबाज़ जाहज़ारा क्लैक्सटन ने लिए। हालांकि इसके बाद ब्रिट्स और नादिन डी क्लार्क ने तीसरे विकेट के लिए तेज़ 71 रनों की साझेदारी की। डी क्लार्क 21 रन बनाकर आउट हुईं। हालांकि मध्यक्रम में कोई बड़ी पारी देखने को नहीं मिली, लेकिन क्लो ट्रायॉन ने 9 गेंदों में 16 रन की तेज पारी खेली। अंत तक एक छोर संभालते हुए ब्रिट्स ने दक्षिण अफ्रीका को मज़बूत स्कोर तक पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत तेज़ रही, लेकिन नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे। पॉवरप्ले में टीम ने 47 रन बनाए, जो दक्षिण अफ्रीका से ज़्यादा थे, लेकिन 3 विकेट गंवा दिए, जिनमें कप्तान हेली मैथ्यूज का विकेट भी शामिल था। आठवें ओवर तक टीम के पांच विकेट गिर चुके थे। इसके बाद चिनेल हेनरी और जानीलिया ग्लासगो ने छठे विकेट के लिए 81 रन की साझेदारी कर कुछ संघर्ष जरूर दिखाया, लेकिन रन गति कम रहने के कारण वे लक्ष्य से बहुत पीछे रह गए। हेनरी ने 32 गेंदों में 26 रन बनाए, जबकि ग्लासगो 44 गेंदों में नाबाद 53 रन बनाकर लौटीं। दक्षिण अफ्रीका की ओर से मैरिज़ान कैप ने 2 विकेट लिए, जबकि क्लैक्सटन ने वेस्टइंडीज के लिए 3 विकेट चटकाए, लेकिन उनकी कोशिश टीम को जीत नहीं दिला सकी।

इंग्लैंड के गेंदबाजी सलाहकार साउथी ने स्टोक्स के फैसले का बचाव किया

एजेंसी

लीड्स। इंग्लैंड के तेज गेंदबाजी सलाहकार टिम साउथी ने हेडिंग्ले की सूखी विकेट पर पहले गेंदबाजी करने के कप्तान बेन स्टोक्स के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद थी कि शुरुआती सत्र में पिच गेंदबाजों के अनुकूल होगी, लेकिन भारत के युवा और प्रतिभाशाली बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करके उन्हें निराश कर दिया। पांच मैचों की श्रृंखला के पहले टेस्ट में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का इंग्लैंड का फैसला गलत साबित हुआ, क्योंकि कप्तान शुभमन गिल (नाबाद 127) और यशस्वी जायसवाल (101) ने सुखी पिच पर शतक लगाए, जिससे भारत ने शुक्रवार को पहले दिन तीन विकेट पर 359 रन बना लिए।

इंग्लैंड के कप्तान स्टोक्स के फैसले की पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने तीखी आलोचना की। साउथी ने पहले दिन का खेल समाप्त होने के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''कल विकेट का रंग और उसमें थोड़ी नमी को देखते हुए अगर थोड़ी मदद मिलती तो शायद आज सुबह इसका प्रभाव देखने को मिलता। यह फैसला इसी पर आधारित था। उन्होंने कहा, ''जब आप पिच का आकलन करते हैं तो उसी के आधार पर फैसला करते हैं। यह जरूरी नहीं है कि हर बार आपका फैसला सही हो। न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज ने हालांकि भारतीय बल्लेबाजों को परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने और इंग्लैंड के फैसले को गलत साबित करने का पूरा श्रेय दिया। साउथी ने कहा, ''लेकिन भारतीय सलामी बल्लेबाजों को श्रेय जाता है। उन्होंने पहले घंटे में अच्छा प्रदर्शन किया। केएल राहुल ने अच्छी पारी खेली और यशस्वी जायसवाल ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा, ''उन्होंने (भारत ने) शानदार खेल का नजारा पेश किया। (शुभमन) गिल की पारी परिस्थितियों को देखते हुए विशेष रूप से प्रभावशाली थी। उनके बल्लेबाजों ने भले ही बहुत अधिक क्रिकेट नहीं खेली हो लेकिन वे निश्चित रूप से प्रतिभाशाली हैं।

वॉन ने कहा, स्टोक्स के पहले गेंदबाजी करने के फैसले से हैरान हूं

लीड्स। पूर्व कप्तान माइकल वॉन हेडिंग्ले के सूखे विकेट पर पहले गेंदबाजी करने के इंग्लैंड के फैसले से हैरान हैं क्योंकि भारत ने इसका पूरा फायदा उठाकर पहले टेस्ट मैच के पहले दिन तीन विकेट पर 359 रन बना लिये। वॉन ने कहा कि मौजूदा इंग्लैंड टीम का मजबूत पक्ष निश्चित रूप से उसकी बल्लेबाजी है, गेंदबाजी नहीं। उन्होंने बीबीसी टेस्ट मैच स्पेशल से कहा, ''मैं पुराने जमाने का परंपरावादी हूं। यहां लीड्स में जब धूप खिली हो और मौसम शुष्क हो, तो आप बल्लेबाजी करते हैं। वॉन ने कहा, ''इंग्लैंड की वर्तमान टीम का मजबूत पक्ष बल्लेबाजी है। उसकी गेंदबाजी में इस समय अनुभव की कमी है। बेन (स्टोक्स) को स्पष्ट रूप से अपनी अंदरूनी भावना का अहसास था और कभी-कभी यह कारगर भी रहा। स्टोक्स के 2022 में कप्तान और ब्रेंडन मैकुलम के कोच बनने के बाद से इंग्लैंड ने पहले क्षेत्ररक्षण करना पसंद किया है। स्टोक्स का निर्णय इस मैदान के हालिया रिकॉर्ड से भी प्रभावित हो सकता है, जहां पिछले छह टेस्ट मैचों में पहले क्षेत्ररक्षण करने वाली टीम ने मैच जीता है। लेकिन वॉन इससे सहमत नहीं हैं। उन्होंने कहा, ''आपको हमेशा उसी क्षण अपने निर्णय लेने होते हैं, न कि उन बातों के आधार पर जो आपने वर्षों पहले या अन्य समय में किए थे। अतीत के फैसलों का वर्तमान में लिए गए फैसलों पर कोई असर नहीं पड़ता। यह पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी है। इसमें रन रोकना आसान नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

स्कॉटलैंड ने नेपाल को 34 रन से हराकर त्रिकोणीय टी 20 सीरीज जीता

ग्लासगो। त्रिकोणीय टी20 सीरीज के अंतिम मुकाबले में स्कॉटलैंड ने नेपाल को 34 रन से हराकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। इस सीरीज में नीदरलैंड्स भी शामिल था और तीनों टीमों ने चार में से दो मुकाबले जीते, लेकिन स्कॉटलैंड ने बेहतर नेट रन रेट के दम पर सीरीज जीत ली। मैच में स्कॉटलैंड की शुरुआत आक्रामक रही। ओपनर जॉर्ज मुंसी और नंबर 3 बल्लेबाज ब्रैंडन मैकमुलेन के बीच 100 रन की साझेदारी ने टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। मुंसी ने 39 गेंदों पर 78 रन बनाए, जिसमें उन्होंने कई चौके और छक्के जड़े। वहीं मैकमुलेन ने 42 रनों का योगदान दिया। स्कॉटलैंड ने 10 रन प्रति ओवर की गति से रन बनाते हुए कुल 193/5 का स्कोर खड़ा किया। अंत में माइकल लिस्क (26*) और मैथ्यू क्रॉस (17*) ने अंतिम तीन ओवरों में 35 रन जोड़कर स्कोर को मजबूती दी। नेपाल की शुरुआत लड़खड़ाती रही और 5.1 ओवर में ही उसके चार विकेट गिर चुके थे। कुशल भुर्टेल पहले ही ओवर में आउट हो गए, जबकि भीम शार्की और आरिफ शेख को सफयान शरीफ ने पवेलियन भेजा। आसिफ शेख रन आउट हो गए। हालांकि दीपेंद्र सिंह ऐरी ने नंबर 6 पर बल्लेबाजी करते हुए 33 गेंदों में 34 रन बनाए और कुछ समय तक संघर्ष किया। इस मैच में वह नेपाल के सबसे अधिक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले खिलाड़ी भी बने। लेकिन ऐरी के आउट होते ही नेपाल की उम्मीदें भी लगभग खत्म हो गईं। लेग स्पिनर क्रिस ग्रीव्स ने 3 विकेट झटकते हुए नेपाल की कमर तोड़ दी। उन्होंने ऐरी के अलावा संदीप लामिछाने और रिजन ढकाल को भी आउट किया। हालांकि निचले क्रम पर रुपेश सिंह ने 22 गेंदों में 43 रनों की तेज पारी खेली, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से कोई सहयोग नहीं मिला और नेपाल की पूरी टीम 19वें ओवर में 159 रन पर सिमट गई।

भारतीय महिला पहलवानों ने अंडर 23 एशियाई चैम्पियनशिप में टीम खिताब जीता

वुंग ताऊ (वियतनाम)। भारतीय महिला पहलवानों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-23 एशियाई कुश्ती चैम्पियनशिप में चार स्वर्ण और पांच रजत सहित सभी 10 वर्गों में एक-एक पदक जीतकर टीम खिताब अपने नाम किया। प्रियांशी प्रजापत (50 किग्रा), रीना (55 किग्रा), सृष्टि (68 किग्रा) और प्रिया (76 किग्रा) ने स्वर्ण पदक जीते। भारत की पांच अन्य पहलवानों ने भी फाइनल में जगह बनाई थी लेकिन आखिर में उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। नेहा शर्मा (57 किग्रा), तन्वी (59 किग्रा), प्रगति (62 किग्रा), शिक्षा (65 किग्रा) और ज्योति बेरवाल (72 किग्रा) ने रजत पदक जीते जबकि हिनाबेन खलीफा (53 किग्रा) ने कांस्य पदक हासिल किया। ग्रीको-रोमन शैली में सुमित ने 63 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता जबकि नितेश (97 किग्रा) और अंकित गुलिया (72 किग्रा) ने कांस्य पदक जीते। पुरुषों की फ्रीस्टाइल स्पर्धाओं में विक्की ने 97 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता जबकि निखिल (61 किग्रा), सुजीत कलकल (65 किग्रा), जयदीप (74 किग्रा), चंद्रमोहन (79 किग्रा) और सचिन (92 किग्रा) भी स्वर्ण पदक के लिए अपना दांव लगाएंगे।

बायर्न म्यूनिख ने क्लब विश्व कप के अगले दौर में जगह बनाई

मियामी गार्डन्स (अमेरिका)। माइकल ओलिस के 84वें मिनट में किए गए गोल की मदद से बायर्न म्यूनिख ने बोका जूनियर्स को 2-1 से हराकर क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में जगह बनाई। जर्मन चैंपियन बायर्न ने ग्रुप सी में दो जीत दर्ज की और एक मैच शेष रहते हुए अंतिम 16 में प्रवेश कर लिया। ओलिस ने हार्ड रॉक स्टेडियम में अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। उसकी तरफ से पहला गोल इंग्लैंड के स्टार खिलाड़ी हैरी केन ने 18वें मिनट में किया था। मिगुएल मेरेंटिएल ने हालांकि 66वें मिनट में शानदार गोल करके बोका को बराबरी पर ला दिया था।

वुड को भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट तक फिट होने की उम्मीद

लंदन। इंग्लैंड के चोटिल तेज गेंदबाज मार्क वुड को उम्मीद है कि वह भारत के खिलाफ 31 जुलाई से ओवल में खेले जाने वाले पांचवें और अंतिम टेस्ट से पहले फिट होकर चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। वुड फिलहाल घुटने की सर्जरी के बाद 'रिहैबिलिटेशन' की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। इस 35 वर्षीय खिलाड़ी को इस वर्ष की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान बाएं घुटने में चोट लगी थी और मार्च में उन्हें सर्जरी करानी पड़ी थी। वुड ने बीबीसी टेस्ट मैच स्पेशल से कहा, ''रिहैब अच्छा चल रहा है। मैंने अभी हल्की गेंदबाजी शुरू की है, इसलिए मैं अब वापसी की राह पर हूं।

सरकार ने छतों पर सौर ऊर्ज़ा स्थापना में तेजी लाने को स्टार्टअप कार्यक्रम शुरू किया

एजेंसी

नयी दिल्ली। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्ज़ा मंत्रालय (एमएनआरई) ने शनिवार को 2.3 करोड़ रुपये की स्टार्टअप नवाचार चुनौती शुरू करने की घोषणा की। इसका उद्देश्य देश में छत वाले सौर पैनल की स्थापना और नवीकरणीय ऊर्ज़ा स्वीकार्यता में तेजी लाना है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इस नवाचार चुनौती का उद्देश्य भारत के छत वाले सौर (रूफटॉप सोलर) और वितरित नवीकरणीय ऊर्ज़ा पारिस्थितिकी तंत्र के लिए सफल समाधानों की पहचान करना और उनका समर्थन करना है। इसे एमएनआरई के तत्वावधान में राष्ट्रीय सौर ऊर्ज़ा संस्थान (एनआईएसई) के सहयोग से और स्टार्टअप इंडिया, डीपीआईआईटी के समन्वय से क्रियान्वित किया जा रहा है। बयान के अनुसार, नवीकरणीय ऊर्ज़ा कार्यबल के लिए 'कौशल विकास पर राष्ट्रीय सम्मेलन' के दौरान रूफटॉप सोलर (आरटीएस) और वितरित अक्षय ऊर्ज़ा (डीआरई) प्रौद्योगिकियों पर अभिनव परियोजना 'स्टार्ट-अप चैलेंज' का शुभारंभ किया गया। इस चुनौती के तहत भारत में नवप्रवर्तकों और स्टार्टअप्स से आवेदन मांगे गए हैं, जो अक्षय ऊर्ज़ा अपनाने को बढ़ावा देने के लिए चार प्रमुख श्रेणियों- वहनीयता, लचीलापन, समावेशिता और पर्यावरणीय स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करते हैं। यह चुनौती हरित प्रौद्योगिकी, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), कृत्रिम मेधा (एआई), ब्लॉकचेन, निर्माण, ऊर्ज़ा हार्डवेयर, वित्तीय प्रौद्योगिकी और अपशिष्ट प्रबंधन में स्टार्टअप्स की एक विस्तृत शृंखला के लिए खुली है। आवेदक कुल 2.3 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे, जिसमें प्रथम पुरस्कार के लिए एक करोड़ रुपये, दूसरे के लिए 50 लाख रुपये, तीसरे के लिए 30 लाख रुपये और पांच लाख रुपये प्रत्येक के 10 सांत्वना पुरस्कार शामिल हैं।

आईसीआईसीआई बैंक ने एचडीएफसी लिमिटेड के विलय से पहले अधिग्रहण की पेशकश की थी: पारेख

नयी दिल्ली। दिग्गज बैंकर और एचडीएफसी लिमिटेड के पूर्व चेयरमैन दीपक पारेख ने कहा है कि आईसीआईसीआई बैंक ने एचडीएफसी लिमिटेड को अपने नियंत्रण में लेने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन इसे अस्वीकार कर दिया गया। एचडीएफसी बैंक की मूल इकाई एचडीएफसी लिमिटेड ने बाद में अपनी बैंकिंग अनुषंगी कंपनी के साथ विलय कर देश का सबसे बड़ा निजी क्षेत्र का ऋणदाता बनाया। यह विलय एक जुलाई, 2023 से प्रभावी हुआ। रिवर्स विलय के साथ, 44 वर्षीय संस्था एचडीएफसी लिमिटेड पुरानी यादों में खो गई। दिलचस्प बात यह है कि एचडीएफसी लिमिटेड के निर्माण में आईसीआईसीआई बैंक की मूल इकाई आईसीआईसीआई लिमिटेड ने वित्तीय सहायता दी थी। आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) चंदा कोचर के साथ बातचीत के दौरान पारेख ने कहा, मुझे याद है कि आपने मुझसे एक बार बात की थी३आपने कहा था कि आईसीआईसीआई ने एचडीएफसी की शुरुआत की थी। आप घर वापस क्यों नहीं आते?, यह आपका प्रस्ताव था।

अप्रैल-जून में शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 1.39 प्रतिशत घटकर 4.59 लाख करोड़ रुपये रहा

एजेंसी

नयी दिल्ली। चालू वित्त वर्ष (2025-26) में अब तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह सालाना आधार पर 1.39 प्रतिशत घटकर 4.59 लाख करोड़ रुपये रहा। सरकार द्वारा शनिवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। कर संग्रह में गिरावट अग्रिम कर संग्रह धीमा रहने के कारण रही। आंकड़ों के अनुसार, एक अप्रैल से 19 जून, 2025 के दौरान अग्रिम कर संग्रह मात्र 3.87 प्रतिशत बढ़कर 1.56 लाख करोड़ रुपये रहा। पिछले साल में तुलनात्मक अवधि में, अग्रिम कर संग्रह में 27 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई थी। एक अप्रैल से 19 जून, 2025 के दौरान, कॉरपोरेट कर संग्रह में लगभग 1.73 लाख करोड़ रुपये की नरमी देखी गई, जो पिछले साल की तुलना में पांच प्रतिशत से अधिक की गिरावट है। हालांकि, गैर-कॉरपोरेट कर संग्रह, जिसमें मुख्य रूप से व्यक्तिगत आयकर शामिल है, 0.7 प्रतिशत की मामूली वृद्धि के साथ 2.73 लाख करोड़ रुपये रहा है। इस अवधि के दौरान प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) 12 प्रतिशत बढ़कर 13,013 करोड़ रुपये हो गया। कुल मिलाकर, शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह एक अप्रैल से 19 जून, 2025 के दौरान लगभग 4.59 लाख करोड़ रुपये रहा, जो 2024 में इसी अवधि में एकत्र किए गए 4.65 लाख करोड़ रुपये से 1.39 प्रतिशत कम है। चालू वित्त वर्ष में अब तक रिफंड जारी करने में 58 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और यह 86,385 करोड़ रुपये हो गया है। चालू वित्त वर्ष में अब तक सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 5.45 लाख करोड़ रुपये रहा है, जो एक साल पहले की समान अवधि से 4.86 प्रतिशत अधिक है। कॉरपोरेट कर में अग्रिम कर संग्रह 5.86 प्रतिशत बढ़कर 1.22 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि गैर-कॉरपोरेट कर संग्रह 2.68 प्रतिशत घटकर 33,928 करोड़ रुपये रह गया। कुल मिलाकर, एक अप्रैल से 19 जून, 2025 के दौरान अग्रिम कर संग्रह 3.87 प्रतिशत बढ़कर 1.55 लाख करोड़ रुपये हो गया।

योग को जीवनशैली बनाएं, यह मजबूती और आत्म-खोज का मार्ग प्रदान करता है: भारतीय उद्योग जगत

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय उद्योग जगत के दिग्गजों ने शनिवार को योग को जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आह्वान किया और कहा कि 'भारत का यह अनमोल उपहार' शुद्ध अनुशासन, मजबूती और अंतहीन आत्म-खोज का मार्ग प्रदान करता है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर देश के विभिन्न हिस्सों में आयोजित योग सत्रों में उद्योग जगत ने हिस्सा लिया। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में अपोलो हॉस्पिटल्स ग्रुप की संयुक्त प्रबंध निदेशक संगीता रेड्डी ने कहा कि वह दशकों से योग का अभ्यास कर रही हैं और 'मैं अभी भी नए सत्यों को उजागर कर रही हूं! उन्होंने लिखा, सबसे गहरा? हमारी सांस हमारी भावनाओं से कितनी गहराई से जुड़ी हुई है। यह एक क्रांतिकारी है: अपनी सांस को नियंत्रित करना सीखें, और आप पाएंगे कि आप अपनी भावनात्मक दुनिया को पता कर सकते हैं। यह मार्ग शुद्ध अनुशासन, मजबूती और अंतहीन आत्म-खोज है। योग दिवस की शुभकामनाएं! इसी प्रकार, जिंदल स्टील एंड पावर के चेयरमैन नवीन जिंदल ने कहा, योग भारत का एक अनमोल उपहार है यह एक अनुशासन है, एक अभ्यास है और एक जीवन पद्धति है। आइए योग को अपनी जीवनशैली बनाएं। भाजपा सांसद जिंदल ने कहा कि उन्होंने योग गुरु रामदेव, हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, मुख्यमंत्री नायब सैनी, स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव और पूर्व मंत्री सुभाष सुधा के साथ पवित्र शहर कुरुक्षेत्र में ब्रह्मसरोवर की पवित्र भूमि पर हजारों लोगों के साथ एक कार्यक्रम में योग किया और आध्यात्मिक शांति और स्वास्थ्य का संदेश दिया। भारतीय नवीकरणीय ऊर्ज़ा विकास एजेंसी लिमिटेड (इरेडा) के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) प्रदीप कुमार दास और इरेडा के निदेशक (वित्त) बिजय कुमार मोहंती ने राजधानी स्थित सुंदर नर्सरी में 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के समारोह में भाग लिया। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्ज़ा मंत्रालय के सचिव संतोष कुमार सारंगी, उपभोक्ता मामले विभाग की सचिव निधि खरे और खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के सचिव संजीव चोपड़ा सहित वरिष्ठ सरकारी अधिकारी भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। कोल इंडिया की इकाई सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) ने कहा कि उसने इस वर्ष के वैश्विक विषय 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' और राष्ट्रीय आदर्श वाक्य 'योग से योग्य' के अनुरूप अपने परिचालन क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर समारोह आयोजित किए। झारखंड के पिपरवार क्षेत्र में सामूहिक योग सत्र के लिए कर्मचारियों, ग्रामीणों और हितधारकों सहित 1,500 से अधिक प्रतिभागी एकत्र हुए। केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री और बिजली मंत्री मनोहर लाल ने जंतर-मंतर पर एक विशेष योग सत्र का नेतृत्व किया, जिसमें मंत्रालय के अधिकारियों ने भी भाग लिया।

योग पूरी मानवता के लिए एक सांझी धरोहर बना : मुर्मु

एजेंसी

देहरादून। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शनिवार को उत्तराखंड के देहरादून स्थित पुलिस लाइन में योगाभ्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि उत्तराखंड का क्षेत्र योग और आध्यात्मिक परंपराओं का केंद्र रहा है।

उन्होंने कामना की कि योग के प्रयोग से समस्त विश्व के निवासी स्वस्थ और प्रसन्न रहेंगे। उन्होंने कहा कि योग पूरी मानवता के लिए सांझी धरोहर बन चुका है। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि योग का अर्थ जोड़ना है। योग का अभ्यास व्यक्ति के शरीर, मन और आत्मा को जोड़ना तथा स्वस्थ बनाना है। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार से यह एक व्यक्ति को दूसरे व्यक्ति से, एक समुदाय को दूसरे समुदाय से और एक देश को दूसरे देश से जोड़ने का काम भी कर रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर 11वीं योग दिवस की थीम एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि भारत की पहल पर योग से विश्व समुदाय का सम्मान बढ़ा है। दुनिया भर के लोग इससे लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि योग अभ्यास से समस्त विश्व के लोग स्वस्थ और प्रसन्न रहेंगे। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस आयोजन का प्रस्ताव स्वीकार किया और ये स्पष्ट किया कि योग सम्पूर्ण जनसंख्या को स्वस्थ बनाने के लिए लाभदायी रहेगा। इस अवसर पर उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल रिटायर्ड गुरमीत सिंह, वन मंत्री सुबोध उनियाल सहित विभिन्न स्कूलों के बच्चे, अधिकारी और अभिभावकों ने योगाभ्यास किया।

योग बेहतर स्वास्थ्य के लिए बना महत्वपूर्ण शक्ति : नड्डा

नयी दिल्ली। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने शनिवार को यहां कहा कि योग दुनिया भर में स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण साधन बन गया है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2015 में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित करने के बाद से इसे वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण स्वीकृति मिली है। श्री नड्डा ने यहां कर्तव्य पथ पर ग्यारहवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित सामूहिक योग प्रदर्शन में भाग लेने के लिए एकत्रित हुए लोगों को संबोधित किया और कहा कि योग को वैश्विक मान्यता और अपनाने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और पहल को जाता है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, यह गर्व का क्षण है कि सभी क्षेत्रों के लोग आज इस भारतीय ज्ञान प्रणाली का जश्न मनाने के लिए यहां एकत्र हुए हैं।

मोदी के नेतृत्व में हो रहे बदलाव नजर आ रहे, राहुल देश की प्रगति को कमतर आंकने में व्यस्त: भाजपा

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में हो रहे बदलाव कांग्रेस नेता को नहीं दिख रहे क्योंकि वह ''भारत की प्रगति को कमतर आंकने'' में व्यस्त हैं।

भाजपा का यह बयान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष द्वारा प्रधानमंत्री मोदी पर प्रहार करने के बाद आया है। कांग्रेस नेता ने कहा था कि उन्हें (मोदी को) ''नारे देने की कला'' में महारत हासिल है, लेकिन कोई समाधान नहीं दिया। उन्होंने दावा किया कि 'मेक इन इंडिया' पहल के बावजूद भारत में विनिर्माण रिकॉर्ड निम्न स्तर पर है। इस पर पलटवार करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''राहुल जी, भारत में हर कोई परिवर्तन देख सकता है, सिवाय आपके। शायद इसलिए कि आप भारत की प्रगति को कमतर आंकने में इतने व्यस्त हैं कि आपको इस बारे में पता ही नहीं है। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' भारत की विनिर्माण क्षमता का नवीनतम और ''ऐतिहासिक उदाहरण'' है, जहां भारत के स्वदेश विकसित ड्रोन ने चीनी ड्रोन को नष्ट कर दिया। भंडारी ने कहा कि 2014 से प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में इंजीनियरिंग निर्यात में 60 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि रक्षा निर्यात ''686 करोड़ रुपये से बढ़कर 23,000 करोड़ रुपये से अधिक का हो गया है। उन्होंने कहा, ''हमारे रक्षा उपकरणों का 70 प्रतिशत आयात करने से लेकर, भारत अब अपनी जरूरतों का 65 प्रतिशत घरेलू स्तर पर बनाता है। पीएमआई (क्रय प्रबंधक सूचकांक) 10 महीने के उच्चतम स्तर पर है, जो औद्योगिक मजबूती का संकेत है। भंडारी ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में भारत ने विश्व के 60 प्रतिशत कोविड-19 टीकों की आपूर्ति की, और ''दुनिया की फार्मेसी'' बन गया। उन्होंने कहा कि भारत अब वैश्विक स्तर पर दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन निर्माता है। भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया, ''जब भारतीय स्टार्टअप और उद्यमी विश्व स्तरीय ड्रोन उद्योग बनाने के लिए रात-दिन एक कर रहे थे, तब आप (राहुल गांधी) चीनी ड्रोन का प्रचार करने और भारतीय धरती पर चीनी ब्रांडों को बढ़ावा देने में व्यस्त थे। भंडारी ने कहा कि राहुल गांधी ने कभी भी 'मेक इन इंडिया' में विश्वास नहीं किया क्योंकि 'आत्मनिर्भर भारत' उनकी 'आयातित विचारधारा' के अनुरूप नहीं है। उन्होंने सवाल किया, ''चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के साथ आपने जो गुप्त समझौता ज्ञापन(एमओयू) पर हस्ताक्षर किये थे, उसमें क्या था?''

राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को चेताया– भारतीय धरती पर आतंकी हमला हुआ तो सुन लो 'खैर नहीं'

एक सैनिक को शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार करता है योग: राजनाथ सिंह

एजेंसी

उधमपुर (जम्मू-कश्मीर)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भारत की धरती पर किसी भी आतंकवादी हमले के लिए पाकिस्तान को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। भारत इस खतरे के खिलाफ कोई भी कार्रवाई करने के लिए तैयार है।

रक्षामंत्री सिंह ने पाकिस्तान को यह चेतावनी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आज यहां उत्तरी कमान के जवानों के संबोधन में दी। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने यह संदेश दिया है कि भारत के खिलाफ पाकिस्तान की 'हजार कट' की नीति सफल नहीं हो सकती। सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी के साथ मौजूद राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। इस ऑपरेशन के जरिए हमने पाकिस्तान को बता दिया है कि भारत के खिलाफ जारी आतंकवाद बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसका जवाब बद से बदतर होता जाएगा।

रक्षामंत्री सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक और 2019 की एयर स्ट्राइक (सीमा पार) का स्वाभाविक परिणाम था। उन्होंने कहा कि भारत की धरती पर कोई भी आतंकी हमला पाकिस्तान के लिए विनाशकारी साबित होगा। भारत आतंकवाद के खिलाफ किसी भी तरह की कार्रवाई करने के लिए तैयार है। सनद रहे कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सशस्त्र बलों ने 6 और 7 मई की दरम्यानी रात पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ढांचों पर हमला किया था। यह हमला 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला था। पहलगाम में 26 लोग मारे गए थे जिनमें अधिकतर पर्यटक थे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने योग के प्रति सशस्त्र बल जवानों के रुझान की सराहना करते हुए कहा कि यह अभ्यास सैनिकों को शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार करता है और युद्ध के मैदान में इसका लाभ देखा जा सकता है।

शनिवार को सामूहिक योग प्रदर्शन का नेतृत्व किया जिसमें 2,500 सैनिकों के साथ विभिन्न आसन और श्वांस अभ्यास किए गए। कार्यक्रम में थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा भी शामिल हुए। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के चुनौतीपूर्ण इलाकों में कई अग्रिम स्थानों पर भी योग सत्र आयोजित किए गए जिसमें सैनिकों की प्रतिबद्धता और उत्साह को दिखाया गया।

रक्षा मंत्री ने सशस्त्र बल जवानों के योग के प्रति रुझान की सराहना की और कहा कि इसका उनके अनुशासन और ध्यान पर सीधा प्रभाव पड़ता है। उन्होंने सैनिकों को रोजाना इसका अभ्यास जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि योग एक सैनिक को शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार करता है। यह अभ्यास स्वास्थ्य और कल्याण के लिए समग्र दृष्टिकोण प्रदान करता है। उन्होंने योग को आज की तेज गति वाली दुनिया में लोगों के सामने आने वाली समस्याओं जैसे तनाव, चिंता और अवसाद का सार्वभौमिक समाधान बताया।

उन्होंने कहा कि योग अराजकता में लोगों को स्पष्टता देता है। यह एक कला, एक विज्ञान, एक दर्शन और आध्यात्मिकता है। जो लोग अपने दैनिक जीवन में योग का अभ्यास करते हैं वह अपने शरीर और मन पर नियंत्रण रखते हैं। यह हमें प्रतिक्रियाशील नहीं बल्कि सक्रिय बनाता है। ऑपरेशन सिंदूर को उस नियंत्रण का एक शानदार उदाहरण बताते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन के दौरान संयम, संतुलन और सटीकता का प्रदर्शन किया जो योग के अभ्यास से प्राप्त उनकी आंतरिक शक्ति का प्रतिबिंब है।

उन्होंने कहा कि जब राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मना रहा है तो उसे इस अभ्यास का सही अर्थ याद रखना चाहिए जो समाज के हर वर्ग को भारत की संस्कृति और आत्मा से जोड़ना है। अगर एक भी वर्ग पीछे छूट जाता है तो एकता और सुरक्षा का पहिया टूट जाता है। इसलिए आज हमें योग को समाज और विचार के स्तर पर करना चाहिए, न कि केवल शरीर के स्तर पर। उन्होंने कहा कि योग के माध्यम से भारत ने दुनिया को ऐसा साधन दिया है जो किसी भी सीमा, धर्म और संस्कृति से परे है।

उन्होंने बताया कि हर साल अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम एक वैश्विक संदेश देती है कि भारत केवल अपने लिए नहीं बल्कि दुनिया के कल्याण के बारे में सोचता है। इस साल अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य है।

इजरायली हमले में ईरानी सेना के ड्रोन प्रमुख अमीनपुर जौदकी के मारे जाने का दावा

एजेंसी

यरुशलम। इजरायली सशस्त्र बलों (आईडीएफ) ने इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के ड्रोन प्रमुख अमीनपुर जौदकी और ईरानी कुद्स फोर्स के फिलिस्तीन कोर कमांडर सईद इज़ादी के मारे जाने का दावा किया है।

इजरायल के रक्षामंत्री इजरायल काट्ज ने शनिवार को यह जानकारी दी। श्री कट्ज ने बताया कि श्री इज़ादी की मौत मध्य तेहरान में एक अपार्टमेंट पर हमले में हुई। वह सात अक्टूबर के हमले से पहले हमास को वित्तपोषित करने और हथियार देने के लिए जिम्मेदार थे। उन्होंने इस ऑपरेशन को इज़राइली खुफिया और वायु सेना के लिए एक बड़ी उपलब्धि बतायी।

उन्होंने कहा,इज़राइल का लंबा हाथ उसके सभी दुश्मनों तक पहुँच जाएगा। इसके अलावा इज़राइली वायु सेना ने आईआरजीसी वायु सेना के दूसरे मानव रहित हवाई वाहन(यूएवी) ब्रिगेड के कमांडर जौदकी को भी मार गिराया। आईडीएफ ने एक बयान में कहा, अपनी भूमिका के तहत जौदकी ने दक्षिण-पश्चिमी ईरान के अहवाज़ क्षेत्र से इजरायली क्षेत्र के खिलाफ सैकड़ों ड्रोन हमलों को अंजाम दिया। आईआरजीसी वायु सेना के यूएवी मुख्यालय के कमांडर ताहिर पौर के 13 जून 2025 को इजरायली हमले में मारे जाने के बाद जौदकी ने मुख्यालय के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

अमेरिका अगर पहल करे तो इजरायल युद्ध समाप्त कर सकता है: ईरान

तेहरान। इजरायल के साथ तेज होते युद्ध के बीच में ईरान ने कहा है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के एक फोन पर ही इजरायल युद्ध समाप्त कर सकता है। ईरान के एक अधिकारी ने मीडिया के साथ बातचीत के दौरान यह बात कही। दोनों देशों के बीच जारी युद्ध दूसरे सप्ताह में प्रवेश कर चुका है। युद्ध को रोकने के लिये अब तक किये गये कूटनीतिक प्रयास विफल रहे हैं। अधिकारी ने कहा कि श्री ट्रम्प अगर इजरायल के नेताओं से आग्रह करेंगे तो यह युद्ध समाप्त हो जायेगा। उन्होंने कहा, ईरान अमेरिका के साथ एक ही शर्त पर युद्धविराम पर विचार कर सकता है,अगर इजरायल हमले को रोक दे। यह टिप्पणी शुक्रवार को जिनेवा में तनाव कम करने के असफल प्रयास के बाद आयी है, जहां वरिष्ठ यूरोपीय राजनयिकों ने ईरान के विदेश मंत्री से मुलाकात की थी। उधर न्यू जर्सी में श्री ट्रम्प ने कहा था, अगर कोई जीत रहा है तो अभी यह अनुरोध करना बहुत कठिन है। इस बीच, वाशिंगटन में खुफिया मतभेद उभर कर सामने आये, जिसमें श्री ट्रम्प ने अपने राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड की उस बात का खंडन किया है।

नारे गढ़ने में मोदी को महारत, समाधान में नहीं : राहुल

एजेंसी

नयी दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी प्रधानमंत्री नरेश्रन्द्र मोदी की तीखी आलोचना करते हुए शनिवार को कहा कि उन्हें नारे गढ़ने की कला में महारत हासिल है जबकि समाधान नहीं देते हैं।

श्री गांधी ने आज 'एक्स' पर कहा कि प्रधानमंत्री के 'मेक इन इंडिया' वादे के बावजूद देश में विनिर्माण रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गया है,युवा बेरोजगारी रिकॉर्ड स्तर पर आ गया है और चीन से आयात दोगुना क्यों हो गया है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि श्री मोदी ने नारे देने की कला में महारत हासिल कर ली है, समाधान देने में नहीं।उन्होंने कहा,ल्ल वर्ष 2014 से अब तक, हमारे अर्थव्यवस्था में विनिर्माण का हिस्सा घटकर 14 प्रतिशत रह गया है। सच्चाई यह है कि हम असेंबल करते हैं, आयात करते हैं, लेकिन निर्माण नहीं करते। इसका फायदा चीन को हो रहा है। श्री गांधी ने 'एक्स' पर आज एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें वह यहां नेहरू प्लेस में मोबाइल रिपेयर करने वाले दो युवकों शिवम और सैफ से मुलाकात कर रहे हैं। उन्होंने कहा,ल्लनेहरू प्लेस में शिवम और सैफ से मिला। वह प्रतिभाशाली, कुशल और संभावनाओं से भरे हैं फिर भी उन्हें इसे पूरा करने का अवसर नहीं दिया गया। सच्चाई यह है कि हम असेंबल करते हैं, हम आयात करते हैं लेकिन हम निर्माण नहीं करते हैं। इसमें चीन मुनाफा कमा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के पास कोई नया विचार नहीं है। उन्होंने आत्मसमर्पण कर दिया है। यहां तक कि महत्वपूर्ण योजना उत्पादन संलग्न प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) को चुपचाप बंद किया जा रहा है। श्री गांधी ने कहा, अगर भारत अपनी निर्माण क्षमता अगर नहीं बढाता है तो हम केवल दूसरे देश का बाजार बनकर रह जाएंगे। भारत को अब इमानदार सुधार और वित्तीय समर्थन के साथ एक मूलभूत परिवर्तन की जरूरत है। हमें सिर्फ बाजार नहीं बल्कि निर्माता बनना है।

पेज एक का शेष

तनाव की स्थिति...

जुड़ना और यह देखना सुखद है कि योग आज किस तरह विश्व को जोड़ रहा है। उन्होंने कहा कि अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के हमारे प्रस्ताव के साथ आज एक सौ 75 देश खड़े है आज की दुनिया में ऐसी एकता ,ऐसा समर्थन सामान्य घटना नहीं है आज योग करोड़ों लोगों की जीवन शैली बन चुका है। आज ब्रेल लिपि में योग की शिक्षा दी जा रही है। इस अवसर पर श्री मोदी ने योगाभ्यास में लगभग पांच लाख प्रतिभागियों के साथ भाग लिया। योग संगम कार्यक्रम पूरे देश में साढे तीन लाख से अधिक स्थानों पर एक साथ आयोजित किए गए। कार्यक्रम में आन्ध्र प्रदेश के राज्यपाल सय्यद अब्दुल मजीद ,आन्ध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चन्द्रबाबू नायडू केन्द्रीय मंत्री के राम मोहन राव नायडू , प्रताप राव जाधव, चन्द्र शेखर ,भूपति राजू ,श्री निवास वर्मा, आन्ध्र पदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति तथा बड़ी संख्या में लोग शामिल थे। उन्होंने प्रधानमंत्री के साथ योगाभ्यास किया। इस वर्ष की विषय वस्तु, एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग मानव और संपूर्ण विश्व के स्वास्थ्य के परस्पर संबंध को रेखांकित करती है और सामूहिक कल्याण की वैश्विक दृष्टि को प्रतिध्वनित करती है, जो भारत के ल्लसर्वे संतु निरामया (सभी रोग मुक्त हों) के दर्शन में निहित है।

देश–विदेश में ...

पूरी मानवता के लिए सांझी धरोहर बन चुका है। राष्ट्रपति ने कहा कि इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर 11वीं अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य रखी गयी है। उन्होंने कहा कि योग का अर्थ जोड़ना है। योग का अभ्यास व्यक्ति के शरीर, मन और आत्मा को जोड़ना तथा स्वस्थ बनाना है। प्रधानमंत्री मोदी ने आज आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में सामूहिक योग कार्यक्रम का नेतृत्व किया जिसमें तीन लाख से अधिक लोगों के साथ योगासन किया। उन्होंने कहा कि भारत विश्व भर में योग के प्रचार प्रसार के लिए इसमें निहित विज्ञान को आधुनिक अनुसंधान के माध्यम से आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि योग को आधुनिक चिकित्सा पद्धति में स्थान दिलाने का प्रयास चल रह है। श्री मोदी ने कहा, राष्ट्रीय आयुर्वेद मिशन के जरिए भी योग और वेलनेस के मंत्र को आगे बढ़ाया जा रहा है और इसमें डिजिटल प्राद्योगिकी की भी कारगर मदद ली गयी है। योग को जन आंदोलन बनाने की अपील करते हुये श्री मोदी ने कहा आईये हम सब मिलकर योग को एक जन आंदोलन बनाये एक ऐसा आंदोलन जो विश्व को शांति, स्वास्थ्य और समरसता की ओर से ले जाये जहां हर व्यक्ति दिन की शुरुआत योग से करे और जीवन में संतुलन पाये। जहां हर समाज योग से जुड़े और तनाव से मुक्त हो जहां योग मानवता को एक सूत्र में पिराने का माध्यम बने और जहां योग फॉर वनअर्थ, वन हैल्थ (एक धरती एक स्वास्थ्य के लिए योग) एक वैश्विक संकल्प बन जाये। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में योग दिवस समारोह में हिस्सा लिया। उन्होंने 2500 कर्मियों के साथ योगाभ्यास समारोह में भाग लिया। उन्होंने यहां सेना के जवानों से मुलाकात की और ऑपरेशन सिंदूर में उनके प्रयासों की सराहना की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह में राष्ट्रीय राजधानी में संसद परिसर में योग सत्र में भाग लिया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा, ल्लहमको अपने जीवन में योग अपनाना होगा। स्वास्थ्य मंत्रालय ने भी इसको शामिल किया है। एम्स में भी आयुष विभाग को शामिल किया है। एम्स दिल्ली में भी इंटेग्राटेड सेंटर चलाया जा रहा है। राष्ट्रीय राजधानी में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर यमुना तट पर सोनिया विहार में योग कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उन्होंने 'एक्स' पर कहा दिल्लीवासियों का हृदय से धन्यवाद। आज अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर राजधानी के 11 स्थलों पर आयोजित भव्य योग उत्सव में आपकी उत्साहपूर्ण सहभागिता ने यह सिद्ध किया कि जब सरकार और समाज एक साथ चलते हैं, तो संस्कृति जन-जन का संकल्प बन जाती है। उन्होंने कहा दिल्ली के नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, सेवाभावी संगठनों और समर्पित योग साधकों को विशेष धन्यवाद, जिनके सहयोग और भागीदारी से यह आयोजन अत्यंत सफल एवं प्रेरणादायक बना। इसके अलावा पंडित दीनदयाल उपाध्याय के स्मृति स्थल पर पहली बार आयोजित योग दिवस कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरूण सिंह, पार्टी के राष्ट्रीय संगठक वी. सतीश, कार्यालय मंत्री महेन्द्र नाथ पांडे, दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज सिंह, राज्य सभा सांसद लक्ष्मीकांत वाजपेयी, चांदनी चौक जिलाध्यक्ष अरविंद गर्ग, दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता यासिर जिलानी और सह कार्यालय मंत्री अमित गुप्ता सहित सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय लोग शामिल हुए।

योग से भारत...

हुए हैं।अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन भारत की ऋषि परंपरा के प्रति कृतज्ञापित करने और आने वाली पीढ़ी को विरासत से जोड़ने का प्रयास है। मुख्यमंत्री ने कहा कि योग से बीमारियों से मुक्ति पाना संभव है। कहा भी गया है 'न तस्य रोगो न जरा न मृत्युः प्राप्तस्ययोगाग्निमयं शरीरम् ' योगाभ्यास से तपा हुआ शरीर रोग, जरा, बुढापा एवं मृत्यु से मुक्त हो जाता है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर महायोगी गुरु गोरखनाथ की पावन धरा पर योग के कार्यक्रम से जुड़ने के अवसर को अपने लिए सौभाग्य बताते हुए विश्वास व्यक्त किया कि योग का उत्साह स्वस्थ शरीर और मस्तिष्क के माध्यम से लोक कल्याणए समाज कल्याणऔर राष्ट्र कल्याण का मार्ग प्रशस्त करेगा। 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लाइव संबोधन देखा व सुना। इसके बाद उन्होंने सभागार में उपस्थित योग साधकों व प्रशिक्षुओं के साथ योग के विभिन्न आसनों, प्राणायाम, ध्यान का अभ्यास किया। योग मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नियमित दिनचर्या का अनिवार्य व अपरिहार्य हिस्सा है। गोरखनाथ मंदिर में मुख्यमंत्री योगी के साथ प्रदेश सरकार के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, सांसद रविकिशन शुक्ल, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, विधायक फतेह बहादुर सिंह, महेंद्रपालसिंह, विपिन सिंह, प्रदीप शुक्ल सहित कई अधिकारियों, योग साधकों, प्रशिक्षुओं और जनसामान्य ने योगाभ्यास किया। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार के अतिरिक्त भवन के बाहर और मंदिर परिसर के विभिन्न हिस्सों में भी सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

26 जून को होगा...

सिटी के निर्माण को उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फिल्म निर्माण का केंद्र बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम के तौर पर देखा जा रहा है। इसके जरिये न केवल रोजगार सृजन और निवेश आकर्षण होगा, बल्कि राज्य की सांस्कृतिक विरासत का प्रचार-प्रसार भी बढ़ेगा। फिल्म प्रेमियों और युवाओं के लिए यह प्रोजेक्ट सिर्फ रोजगार का जरिया नहीं, बल्कि सपनों को पंख देने वाला प्लेटफॉर्म साबित होगा। यह प्रोजेक्ट लाखों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियों के अवसर पैदा करेगा और यूपी की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाई देगा।

फ्लाइट में...

इंडिगो की फ्लाइट के पायलट ने गुवाहाटी से टेकऑफ के बाद देखा कि विमान में पर्याप्त ईंधन नहीं है। चेन्नई आ रही फ्लाइट को बेंगलुरु डायवर्ट कर दिया गया। इसमें 168 पैसेंजर्स थे। बेंगलुरु एयरपोर्ट पर री-फ्यूलिंग के बाद इस फ्लाइट को चेन्नई रवाना किया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फ्लाइट के पायलट्स को फिलहाल ड्यूटी से हटा दिया गया है।

एअर इंडिया के...

खिलाफ बिना देरी के आंतरिक अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू करे और ऐसी कार्यवाही के परिणाम की रिपोर्ट इस पत्र के जारी होने की तारीख से 10 दिनों के भीतर इस कार्यालय को सौंपे। डीजीसीए ने यह भी कहा कि तीनों अधिकारियों को शेड्यूलिंग प्रथाओं में सुधारात्मक सुधारों के लागू होने तक गैर-परिचालन भूमिकाओं में पुनः नियुक्त किया जाएगा और वे अगली सूचना तक उड़ान सुरक्षा और चालक दल के अनुपालन पर सीधे प्रभाव डालने वाले किसी भी पद पर नहीं रहेंगे। डीजीसीए ने एयर इंडिया को चेतावनी देते हुए कहा है कि किसी भी पोस्ट-ऑडिट या निरीक्षण में चालक दल के शेड्यूलिंग मानदंडों, लाइसेंसिंग या उड़ान समय सीमाओं का कोई भी भविष्य का उल्लंघन पाया जाता है, तो एयरलाइन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, जिसमें दंड, लाइसेंस निलंबन या ऑपरेटर की अनुमति वापस लेना शामिल है, लेकिन यह इन्हीं तक सीमित नहीं है।

'मतदान केंद्र की वेबकास्टिंग...

किसी चुनाव याचिका पर न्यायालय के निर्देश से उसे उपलब्ध कराने को तैयार है, क्योंकि न्यायालय भी व्यक्तियों की निजता के अधिकार का संरक्षक है। सूत्रों ने कहा कि किसी व्यक्ति को वेबकास्टिंग का रिकार्ड देने से मतदान करने वाले या न करने वाले मतदाताओं की पहचान उजागर हो सकती है और इससे असामाजिक तत्व उन पर दबाव डाल सकते हैं और डरा-धमका सकते हैं तथा उनके साथ भेद-भाव किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि चुनाव आयोग ने अभी गुजरात, केरल , पश्चिम बंगाल तथा पंजाब की पांच विधानसभा सीटों के उप चुनाव में मतदान केंद्रों पर पहली बार मतदान की शत-प्रतिशत वेब कास्टिंग की व्यवस्था की थी। आयोग की योजना इसे बिहार विधानसभा चुनाव के साथ पूरी तरह लागू करने की है।

आठ देशों के डेलिगेट्स के साथ धामी ने किया योग

बोले-उत्तराखंड को बनाएंगे योग और वेलनेस की वैश्विक राजधानी

■ मुख्यमंत्री ने किया उत्तराखंड में योग नीति का किया औपचारिक शुभारंभ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। ग्रीष्मकालीन राजधानी भराड़ीसैंण (गैरसैंण) में 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विधानसभा परिसर में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने योग गुरु पद्मश्री स्वामी भारत भूषण और आठ मित्र देशों के डेलिगेट्स के साथ सामूहिक योग कर ''हर घर योग, हर जन निरोग'' का संदेश दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड को योग और वेलनेस की वैश्विक राजधानी बनाएंगे। योग कार्यक्रम का शुभारंभ शंखनाद और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शुरू हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने योग नीति पर आधारित पुस्तिका का विमोचन करते हुए राज्य में योग नीति का औपचारिक शुभारंभ भी किया। उन्होंने ''एक वृक्ष, योग के नाम'' कार्यक्रम के अंतर्गत विधानसभा परिसर में सेब का पौधा भी लगाया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी विदेशी मेहमानों के सान्निध्य में इस आयोजन को वैश्विक पहचान मिलेगी। भराड़ीसैंण, ग्रीष्मकालीन राजधानी होने के साथ समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और अद्भुत प्राकृतिक सौंदर्य का केंद्र भी है। उन्होंने कहा आठ मित्र राष्ट्रों के प्रतिनिधियों के साथ किया गया सामूहिक योगाभ्यास, देवभूमि उत्तराखंड को योग और अध्यात्म की वैश्विक राजधानी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार शीघ्र ही प्रदेश में आयुर्वेदिक एवं प्राकृतिक चिकित्सा, योग और आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए गढ़वाल और कुमाऊं मंडलों में एक-एक स्पिरिचुअल इकोनॉमिक जोन की स्थापना करने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में दो नए नगर बसाने जा रहे हैं, जो योग, आयुर्वेद और अध्यात्म के केंद्र बनकर वैश्विक मानचित्र पर राज्य की विशेष पहचान स्थापित करेंगे, जिसमें सम्पूर्ण विश्व से वेलनेस के क्षेत्र में काम करने वाले बड़े ग्रुप्स, आध्यात्मिक गुरुओं, संस्थानों को यहाँ आमंत्रित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड देवभूमि के साथ योग और अध्यात्म की भूमि भी है। प्रधानमंत्री की प्रेरणा से राज्य सरकार ने देश की पहली योग नीति 2025 को राज्य में लागू किया है। योग नीति उत्तराखंड को योग और वेलनेस की वैश्विक राजधानी के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से तैयार की गई है, जिसके तहत प्रदेश में योग एवं ध्यान केंद्र विकसित करने पर अधिकतम 20 लाख रुपये तक की सब्सिडी प्रदान की जा रही है।

एनडीएमसी ने आठ प्रमुख स्थानों पर 10 हजार प्रतिभागियों के साथ मनाया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) ने शनिवार को ''एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग'' की थीम पर आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान और सात योग संस्थानों के समन्वय में आठ प्रमुख स्थानों पर लगभग 10 हजार प्रतिभागियों के साथ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने एनडीएमसी के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल और आयुष मंत्रालय के सचिव, मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान के स्वयंसेवकों के साथ नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर एनडीएमसी द्वारा आयोजित योग कार्यक्रम में भाग लिया। जे पी नड्डा ने संपूर्ण योग कार्यक्रम में भाग लिया और योग प्रोटोकॉल प्रदर्शन में भी भाग लिया। कार्यक्रम से पहले जे पी नड्डा ने कहा कि भारत योग को एक अलग पहचान देता है। आज पूरी दुनिया में लोग अपनी शारीरिक और मानसिक तंदुरुस्ती के लिए योग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में बड़ी आबादी योग की ओर बढ़ रही है। एनडीएमसी उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने बताया कि एनडीएमसी द्वारा मुख्य कार्यक्रम लोधी गार्डन, तालकटोरा गार्डन, कर्तव्य पथ, आईएएस आवासीय परिसर-न्यू मोती बाग, संजय झील - लक्ष्मी बाई नगर, पंडारा पार्क और सेंट्रल पार्क कनॉट प्लेस जैसे आठ प्रमुख स्थानों पर आयोजित किए गए। उन्होंने बताया कि प्रमुख स्थानों के अलावा, एनडीएमसी ओल्ड एज होम, वर्किंग वूमेन हॉस्टल, रेजिडेंट वेलफ़ेयर एसोसिएशन और विभिन्न कार्यालयों में भी योग प्रोटोकॉल कार्यक्रम आयोजित किए गए। चहल ने बताया कि एनडीएमसी ने प्रतिभागियों के लिए आठ स्थानों पर एलईडी स्क्रीन पर विशाखापत्तनम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन का सीधा प्रसारण किया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उत्सव में व्यापक भागीदारी की सुविधा के लिए और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए एनडीएमसी ने पीने योग्य पानी, मोबाइल शौचालय, एम्बुलेंस और प्राथमिक चिकित्सा डेस्क सहित नागरिक और बुनियादी सुविधाओं की आवश्यक व्यवस्था की।

संक्षिप्त समाचार

बिहार में विधवा, वृद्धा और दिव्यांग पेंशन में करीब 3 गुना की बढ़ोतरी, अब मिलेगा 1100 रुपये प्रति माह

पटना। बिहार की नीतीश सरकार ने राज्य विधानसभा चुनाव के पहले शनिवार को मास्टर स्ट्रोक चला है। उन्होंने राज्य के 1 करोड़ 9 लाख 69 हजार 255 वृद्धजन, महिलाएं और दिव्यांग लोगों के सामाजिक सुरक्षा पेंशन को 400 रुपये से बढ़ाकर 1100 कर दिया है। इसकी जानकारी मुख्यमंत्री नीतीश ने अपने एक्स हैंडल पर शनिवार को दी। उन्होंने इसकी घोषणा करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि 'मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत विधवा महिलाओं, वृद्धजनों और दिव्यांगजनों को अब हर महीने 400 रुपये की जगह 1100 रु पेंशन मिलेगी। सभी लाभार्थियों को जुलाई महीने से पेंशन बढ़ी हुई दर पर मिलेगी। सभी लाभार्थियों के खाते में यह राशि महीने की 10 तारीख को भेजना सुनिश्चित किया जाएगा। इससे 1 करोड़ 9 लाख 69 हजार 255 लाभार्थियों को काफी मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री नीतीश ने लिखा कि वृद्धजन समाज का अनमोल हिस्सा हैं और उनका सम्मानजनक जीवन-यापन सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। राज्य सरकार इस दिशा में निरंतर प्रयत्नशील रहेगी। वर्ष 2022-23 के आंकड़ों के तहत पूरे प्रदेश में 42.60 लाख वृद्धों को इस योजना का फायदा मिल रहा था। 60 से 79 वर्ष के वृद्धों को प्रतिमाह 400 रुपये का पेंशन तथा 80 वर्ष या उससे अधिक उम्र के लोगों को 500 रुपये प्रति माह का पेंशन दिया जाता है। यह राशि सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में अंतरित की जाती है। अब इसमें करीब तीन गुणा वृद्धि की गई है जिसके तहत 400 रुपये की जगह अब 1100 रुपये मिलेंगे। वहीं विधवा महिलाओं, वृद्धजनों और दिव्यांगजनों के पेंशन भोगियों की कुल संख्या फ़िलहाल 1 करोड़ 9 लाख 69 हजार 255 है जो अब एक साथ 400 रुपये की जगह 1100 रुपये मासिक पेंशन का लाभ लेंगे। उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने मुख्यमंत्री के द्वारा महिलाओं के लिए की गई घोषणा पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अब तक पेंशन 400 मिलता था जो अब 1100 मिलेगा। इससे करोड़ों लोगों को फायदा होगा। उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। उन्होंने यह भी कहा कि 1100 पेंशन राशि करके हमारी सरकार ने जनता के हित में बड़ा निर्णय किया है।

अब कैंचीधाम में दीवारें बताएंगी बाबा नीब करौरी की जीवनी

नैनीताल। अब कैंचीधाम की दीवारें बाबा नीब करौरी के जीवन से जुड़ी तमाम कथाओं को आपके सामने लाएंगी। धाम में सुंदरीकरण योजना के तहत दीवारों पर म्यूरल (भित्ति चित्र) बनाए जाएंगे। इनमें बाबा नीब करौरी की जीवनयात्रा भी लिखी जाएगी। यहां पाथवे पर आकर्षक खंभे लगाकर लाइटिंग और वध्यान केंद्र पर सेल्फी प्वाइंट भी बनाया जाएगा। बाबा नीब करौरी कैंची धाम में चैलेंज बेस्ड डेवोशनल डेस्टिनेशन स्वदेश दर्शन योजना के तहत सुंदरीकरण चल रहा है। केंद्र सरकार की ओर से इसके लिए 17.85 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया है। वर्तमान में धाम में पाथवे, डिस्पेंसरी, ध्यान केंद्र सहित करीब 10 हट का निर्माण चल रहा है। वहीं सुंदरीकरण के कार्यों के तहत पाथवे पर नैनीताल की तर्ज पर खंभे लगाकर आकर्षक लाइटिंग की जाएगी। इसके अलावा ध्यान केंद्र की छत पर सेल्प प्वाइंट भी होगा। जहां से श्रद्धालु सेल्फी ले सकेंगे, यहां गार्डन भी बनाया जाएगा। इनके अलावा बाबा की यात्रा के जीवन से जुड़ी बातें भित्ति चित्रों के माध्यम से दीवारों पर उकेरी जाएंगी। इसमें विशेष नक्काशी वाले आकर्षक म्यूरल के जरिये बाबा का जन्म स्थान, उनके परिवार,संन्यास लेने, उनको ज्ञान प्राप्त करने, ध्यान, उनके आध्यात्मिक जीवन, भक्ति और उनके प्रमुख शिष्यों के बारे में भी बताया जाएगा। इस संबंध में लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता प्रवीण का कहना है कि सुंदरीकरण योजना के तहत धाम में बाबा नीब करौरी से जुड़े म्यूरल्स बनाए जाएंगे। इनमें बाबा के जीवन से जुड़ी गाथा रहेगी। स्थायी कार्यों के बाद इनको बनाया जाएगा।

अतिक्रमण के मामलों की 23 से कैंप लगाकर होगी जांच

हल्द्वानी। हल्द्वानी कैंप कार्यालय में देवखड़ी और रकसिया नाले पर अतिक्रमण की रोकथाम को लेकर जिलाधिकारी वंदना सिंह की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय बैठक हुई। इसमें कहा गया कि 23 से 29 जून तक कैंप लगाकर नोटिसों को लेकर दस्तावेजों की जांच की जाएगी। ज्ञात हो कि रकसिया और देवखड़ी नालों के इर्द-गिर्द रह रहें 592 परिवारों को नोटिस जारी किए छह दिन बीत गए हैं लेकिन अब तक प्रशासन को बमुश्किल पांच-छह आपत्तियां हो मिली हैं। प्रशासन का कहना है कि जांच में आपत्ति सही मिलने पर ही संबंधित भवन या जमीन का दोबारा सर्वे कराया जाएगा। इस संबंध में उपजिलाधिकारी राहुल शाह ने बताया कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने सुझाव दिया कि जिन व्यक्तियों को नोटिस जारी किए गए हैं, उन्हें अभिलेख प्रस्तुत कर अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जाए। 20 जून को हुई इस बैठक में डीएम ने निर्देश दिए कि अभिलेखों का परीक्षण व स्थलीय निरीक्षण के बाद ही उचित निर्णय लिया जाए। वर्तमान मानसून को ध्यान में रखते हुए संवेदनशील क्षेत्रों में बसे लोगों को तत्काल चिह्नित कर मुनादी कराते हुए हटाने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में नगर आयुक्त ऋचा सिंह सहित अफसर सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। वहीं अगस्त के दूसरे सप्ताह तक अंतिम कार्रवाई 23 से 29 जून तक चिह्नित स्थलों पर नगर निगम, राजस्व व सिंचाई विभाग की टीम कैंप लगाएगी। 10 जुलाई तक अधिकारी अभिलेखों की जांच कर अतिक्रमणों की श्रेणीवार सूची तैयार करेंगे। 10 से 25 जुलाई तक स्थलीय निरीक्षण व अभिलेखों का सत्यापन होगा। 25 जुलाई से एक अगस्त तक सभी पक्षों की सुनवाई के बाद विभाग अतिक्रमणों का निराकरण करेंगे। अगस्त के दूसरे सप्ताह तक समीक्षा बैठक कर अंतिम कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि सुनवाई के दौरान यदि किसी शिकायतकर्ता की आपत्ति सही मिलेगी तो उस क्षेत्र के नालों का दोबारा सर्वे कराया जाएगा। उनके अनुसार नालों के आसपास इक्का-दुक्का हो ऐसे लोग हैं, जिन्होंने बड़ा अतिक्रमण किया है। अन्य अतिक्रमणकारियों में किसी ने नाले के ऊपर लॉन बना दिया है तो किसी ने दुकानें आदि बना ली हैं।

कुमाऊं रीजन की 45 रोडवेज बसों होगी नीलाम, रह जाएगा 369 बसों का बेड़ा

हल्द्वानी। कुमाऊं में दौड़ रही 45 बसों की उत्तराखंड परिवहन निगम नीलाम करने की तैयारी कर रहा है। ये बसें उम्र पूरी कर चुकी हैं। ऐसे में इन बसों की नीलाम होने के बाद 8 डिपो वाले इस रीजन में निगम के पास 369 बसों का बेड़ा रह जाएगा। इसके चलते यदि समय रहते नई बसें रोडवेज को उपलब्ध नहीं कराई गईं, तो अनेक रूटों पर सेवा प्रभावित होंगी। जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। ज्ञात हो कि पर्यटक सीजन के दौरान वैसे ही नैनीताल रूट पर बसें बढ़ाने के बाद से अन्य रूटों पर संचालन लगातार प्रभावित हो रहा है।

अमृतसर में अटारी सीमा पर बीएसएफ ने मनाया योग दिवस

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चंडीगढ़। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की तरफ से 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शनिवार को संयुक्त चेक पोस्ट अटारी पर योग समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बीएसएफ के जवानों के अलावा सीमावर्ती गांवों के नागरिकों, स्कूली बच्चों, प्रसिद्ध खिलाड़ियों और पद्म पुरस्कार विजेताओं ने भाग लिया। बीएसएफ ने जिस जगह पर आज कार्यक्रम का आयोजन किया वहां रिट्रीट सेरेमनी का आयोजन किया जाता है। जीरो लाइन पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान पाकिस्तान की तरफ किसी तरह का आयोजन नहीं किया गया। एक तरफ जहां भारतीय सीमा में जयकारे गूंज रहे थे वहीं पाकिस्तान की तरफ सन्नाटा पसरा हुआ था। इस विशेष आयोजन में बीएसएफ पंजाब फ्रंटियर के महानिरीक्षक अतुल फुलजेले ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेकर योग को मानवता की साझा विरासत बताते हुए कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं बल्कि जीवन जीने की एक कला है, जो शांति, स्वास्थ्य और एकता को मजबूती देती है। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न आयु वर्गों के प्रतिभागियों ने सबसे पहले सूर्य नमस्कार किया। इसके बाद प्राणायाम, ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन जैसे प्रमुख योगासनों का अभ्यास किया। बीएसएफ ने इस पहल को सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों को जोड़ने, मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और सामाजिक सौहार्द की भावना को मजबूत करने का माध्यम बताया। कार्यक्रम में स्थानीय ग्रामीणों और बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और योग को दैनिक जीवन में अपनाने की शपथ ली। बीएसएफ प्रवक्ता ने बताया कि योग दिवस के अवसर पर जालंधर कैंपस स्थित अश्वनी स्टेडियम में भव्य योग शिविर का आयोजन किया गया। इस आयोजन का नेतृत्व बीएसएफ के उप महानिरीक्षक सेतुराम ने किया। इस अवसर पर फ्रंटियर मुख्यालय के सभी अधिकारी, जवान तथा उनके पारिवारिक सदस्य उत्साहपूर्वक सम्मिलित हुए। योग प्रशिक्षकों की टीम द्वारा सभी प्रतिभागियों को निर्धारित योग प्रोटोकॉल के अनुसार विभिन्न योगासन कराए गए एवं उनके स्वास्थ्य लाभों की विस्तृत जानकारी भी प्रदान की गई।

फसलों में कीट प्रबंधन को लेकर 40 प्रतिभागियों को दी गई डीएईएसआई प्रशिक्षण

नालंदा, बिहारशरीफ। जिले में हरनौत स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में 40 युवक-युवतियों को एक वर्षीय डीएईएसआई प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी दी गई। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य इनपुट डीलरों को कृषि संबंधी व्यावसायिक प्रशिक्षण देना है। इस मौके परवरिष्ठ वैज्ञानिक सह केंद्र प्रमुख डॉ सीमा कुमारी ने जानकारी दी कि यह डीएईएसआई कार्यक्रम भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त है। प्रशिक्षण समन्वयक डॉयू एन उमेश (वैज्ञानिक, मृदा विज्ञान) ने बताया कि यह डिप्लोमा कोर्स राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मैनेज), हैदराबाद द्वारा संचालित किया जाता है तथा इसे बिहार कृषि प्रबंधन एवं प्रसार प्रशिक्षण संस्थान (बामेती), पटना के माध्यम से क्रियानवित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण गैर-कृषि स्नातकों को इनपुट डीलर के रूप में प्रशिक्षित कर कृषि क्षेत्र से जोड़ने के उद्देश्य से संचालित है।

राजगीर ज़ू सफारी में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर औषधिये पौधे लगाने का पर्यावरण संरक्षण की दिशा में की गई पहल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नालंदा। जिले के पर्यटक स्थल राजगीर स्थित सफारी में आज शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन गरिमामय वातावरण में किया गया। हरियाली और प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण सफारी परिसर में योगाभ्यास कर प्रतिभागियों ने तन, मन और आत्मा के समन्वय का अनुभव प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासन और प्राणायाम के माध्यम से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य की ओर कदम बढ़ाया बल्कि मानसिक शांति और आत्मिक संतुलन की अनुभूति भी की। इस अवसर पर ज़ू सफारी के निदेशक रामसुंदर एम ने योग की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि यह मानसिक शांति और जीवन में संतुलन भी प्रदान करता है। जब योगाभ्यास प्राकृतिक वातावरण जैसे राजगीर ज़ू सफारी जैसे स्थानों पर किया जाता है तो उसका प्रभाव और भी अधिक सकारात्मक एवं प्रभावशाली होता है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यमुना नदी के तट पर किया योग, सफाई का संकल्प दोहराया

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज सुबह यमुना नदी के तट पर योग किया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर नदी किनारे आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि मां यमुना हमारी आस्था का प्रतीक है। सालों से सत्ता में रही सरकारों ने यमुना की अनदेखी की है। भारतीय जनता पार्टी (हमने) ने दिल्ली की सत्ता संभालते ही यमुना नदी को साफ करने का बीड़ा उठाया। उन्होंने कहा हम लोगों ने इसी नदी के किनारे योग किया। दिल्ली के लोग देख लें कि मां यमुना को पावन करने का काम जारी है। जल्द ही यहां क्रूज चलेंगे। पहली बार यमुना नदी को साफ करने के लिए तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। हमारी कोशिश होगी कि अगर यमुना नदी में पानी की एक भी बूंद गिरे तो वो साफ हो। रेखा गुप्ता ने इससे पहले एक्स हैंडल पर लिखा, ''दिल्लीवासियों का हृदय से धन्यवाद। आज अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर राजधानी के 11 स्थलों पर आयोजित भव्य योग उत्सव में आपकी उत्साहपूर्ण सहभागिता ने यह सिद्ध किया कि जब सरकार और समाज एक साथ चलते हैं, तो संस्कृति जन-जन का संकल्प बन जाती है। उन्होंने एक्स पर कहा कि दिल्ली के नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, सेवाभावी संगठनों और समर्पित योग साधकों के सहयोग और भागीदारी से यह आयोजन अत्यंत सफल एवं प्रेरणादायक बना। रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की सांस्कृतिक शक्ति और आध्यात्मिक परंपराएं आज वैश्विक गौरव प्राप्त कर रही हैं। योग को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रतिष्ठा दिलाने का श्रेय उन्हीं को जाता है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर राजधानी पटना समेत राज्य में शहर से गांव तक लोगों ने किया योग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पटना। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर शनिवार को बिहार में राजधानी पटना समेत पूरे राज्य में शहर से लेकर गांव तक खास से आम लोगों ने योग किया। बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने राजभवन में अंतराराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग करके निरोगी काया के लिए पूरे राज्यवासियों को प्रेरित किया। पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में योग दिवस के मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, सांसद रविशंकर प्रसाद, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा और सम्राट चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे और अन्य लोगों ने योग आसन किया। इस मौके पर पर प्रदेश अध्यक्ष दीलिप जयसवाल ने कहा कि आज पूरी दुनिया में योग दिवस मनाया जा रहा है। आज पूरी दुनिया योग के महत्व को समझ रही है और इसे अपने जीवन में उतारने का प्रयास कर रही है। जो इंसान स्वस्थ रहकर दुनिया में कुछ करना चाहता है, उसे योग जरूर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बिहार में अभी दो तरह का योग चल रहा है. एक जो आप परिसर में लोगों को क्रिया करते हुए देख रहे हैं और दूसरा पॉलिटिकल योग, जिसमें लोग शरीर से क्रिया नहीं करते हैं बल्कि जुबान चलाते हैं। योगभ्यास करने पहुंचे उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि योग मानवता के लिए एक बड़ा उपहार है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा यह उपहार पूरे दुनिया को दिया गया। आज पूरी दुनिया 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मना रही है। योग तन और मन को स्वस्थ रखता है। इस पृथ्वी पर मानवता को एकजुट करने का योग सशक्त माध्यम है। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे ने कहा कि विश्व और एक स्वास्थ्य के मुहिम के साथ इस बार योग दिवस मनाया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से राज्य में बड़े पैमाने पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पूरे दुनिया में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में किया जा रहा है। स्वास्थ्य बेहतर रहे और हम बीमारी से दूर रहें इसके लिए योग क्रिया करना बेहद जरूरी होता है।

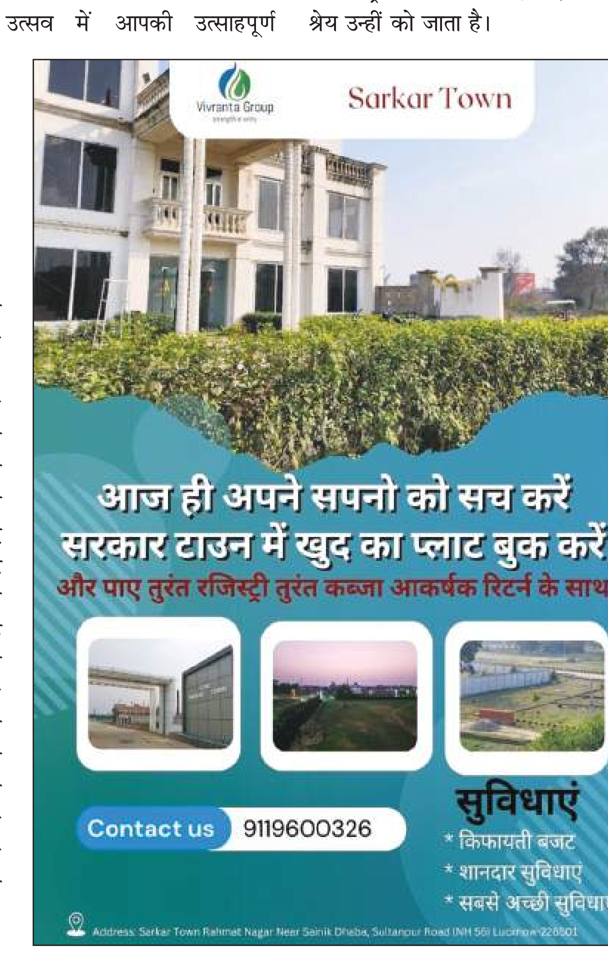

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान स्टेट हेड - संदीप मिश्रा
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063